E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 256 | गुवाहाटी | बुधवार, 12 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

मंत्री सिंघल ने बाहिनी नदी के किनारे अतिक्रमित क्षेत्रों का किया निरीक्षण पेज 3
उपराज्यपाल के प्रयासों से यमुना की सफाई में आई तेजी : बिधूड़ी पेज 4
महात्मा ज्योतिबा फुले को सच्ची श्रद्धांजलि उनके बताए रास्तों पर चलकर... पेज 5
राजस्थान की पहली वंदे भारत ट्रेन को पीएम आज दिखाएंगे हरी झंडी पेज 8

2024 के लोस चुनाव में असम की 12 सीटें जीतेंगी भाजपा : शाह

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा असम की 14 लोकसभा सीटों में से 12 पर जीत हासिल करेगी। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 300 से अधिक सीटों पर जीत के साथ तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। अमित शाह ने आज (मंगलवार) डिब्रूगढ़ के मानकटा मैदान में आयोजित भाजपा की कार्यकर्ता रैली को संबोधित करते हुए महापुरुष श्रीमंत शंकर देव और सुधाकांत डॉ. भूपेन हजारिका को श्रद्धांजलि दी। साथ ही असम के लोगों को बिहू की बधाई दी। डिब्रूगढ़ में भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय की आधारशिला रखते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा संगठनों पर आधारित पार्टी है। कार्यालय पार्टी की सभी गतिविधियों का केंद्र है। आज छह लोकसभा क्षेत्रों के संगठनात्मक कार्य के साथ-साथ इस क्षेत्रीय कार्यालय से डिब्रूगढ़ के पदाधिकारी भी सुचारू रूप से कार्य करेंगे। शाह ने कहा कि कुछ दिन पहले पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव में भाजपा अच्छे परिणाम प्राप्त कर तीनों राज्य सरकारों का हिस्सा बनी है। त्रिपुरा में भाजपा ने दूसरी बार बहुमत के साथ सरकार बनाई है। नगालैंड विधानसभा में 13 विधायकों के साथ भाजपा दूसरी बार उपमुख्यमंत्री के साथ सत्ता में है और पार्टी मेघालय में भी दूसरी बार सरकार का हिस्सा बनी है। शाह ने कहा कि असम से भाजपा ने जो विजय यात्रा आरंभ की थी उसे आठ राज्यों में सफलता पूर्वक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की एनडीए सरकार ने पूर्वोत्तर के विकास को बढ़ावा दिया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि एक समय में पूर्वोत्तर को कांग्रेस की नींव माना जाता था। अब राहुल गांधी ने देशभर में यात्रा की वहीं दूसरी ओर तीन राज्यों में कांग्रेस समाप्त हो गई। लेकिन राहुल गांधी अभी भी अनजान बने हुए हैं। वह विदेश जाते हैं और देश की बुराई करते हैं। राहुल गांधी को समय रहते सुधार करने की सलाह देते हुए शाह ने कहा कि अब संशोधन होना चाहिए नहीं तो कांग्रेस एक दिन पूर्वोत्तर से ही नहीं, बल्कि पूरे देश से समाप्त हो जाएगी। शाह ने कहा कि जिस प्रधानमंत्री ने पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया, भारत की रक्षा की, पूर्वोत्तर से आतंकवाद को समाप्त किया, पूर्वोत्तर में 50 से अधिक बार यात्रा की और पूर्वोत्तर के विकास को गति दी, पूर्वोत्तर में कई योजनाएं लाए, ऐसे प्रधानमंत्री को कांग्रेस कहती है कि मोदी आपकी कब्र खुदेगी। लेकिन, कांग्रेस के कहने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि देश की 130 करोड़ जनता और असम के लोग प्रधानमंत्री मोदी की लंबी उम्र के लिए दिन-रात प्रार्थना करते हैं। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि आप मोदी को कितनी भी गाली दें, आपकी मां ने भी कोशिश की थी, लेकिन गाली जितनी जोर से देंगे कमल उतना ही मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि बिहू के वर्ल्ड रिकॉर्ड के दौरान प्रधानमंत्री मोदी 14 अप्रैल को यहां मौजूद रहेंगे। असम के लोग बिहू में प्रधानमंत्री की मौजूदगी में विश्व रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं। बिहू असम के साथ समूचे देश के लिए एक शुभ त्योहार है। उन्होंने कहा कि मोदी यहां ऐसे समय में आएंगे जब असम के 70 प्रतिशत स्थानों से अफ्सफा हटा दिया गया है, बोडोलैंड, कार्बी क्षेत्र में शांति का माहौल तैयार हो गया है, आठ आदिवासी संगठन मुख्यधारा में आ गए हैं, असम आज पड़ोसी राज्यों के साथ सीमा विवाद खत्म करने की कगार पर है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन के कारण ही असम इस तरह प्रगति की ओर बढ़ रहा है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के फिर से गठन के बाद से असम में 41 हजार से अधिक लोगों को नौकरी दी गई है। 44 हजार किसानों का धान 1940 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा गया है, असम मिलेट के श्रीअन्न उत्पादन में 25 हजार हेक्टेयर से अधिक के बाजरा मिशन के साथ आगे बढ़ा है, प्राकृतिक खेती के लिए 20 हजार हेक्टेयर जमीन चिह्नित की गई है, 2 लाख हेक्टेयर पर पाम के पेड़ लगाये जा रहे हैं, 12 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं, 12 मेडिकल कॉलेजों का निर्माण किया जा रहा है और प्रधानमंत्री मोदी बिहू के दिन असम के लोगों को एम्स का तोहफा भी देंगे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने असम में विकास की धारा बहा दी है। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी और असम में -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह सीमा पर रात बिताने वाले पहले गृह मंत्री : डॉ. शर्मा

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा के अंतिम छोर पर एक रात बिताने वाले देश के पहले गृह मंत्री हैं। केंद्रीय गृहमंत्री ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश में चीन सीमा के निकट एक स्थान पर रात गुजारी। यह टिप्पणी मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने की। डॉ शर्मा डिब्रूगढ़ के मानकटा मैदान में मंगलवार को आयोजित भाजपा की कार्यकर्ता रैली को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने मंगलवार को डिब्रूगढ़ में बनाए जाने वाले भाजपा ऊपरी असम के क्षेत्रीय कार्यालय की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने अरुणाचल में चीन सीमा पर रात बिताने के साथ ही वहां से दुश्मन राष्ट्र को चेतावनी देते हुए कहा कि कोई कितना भी बड़ा देश क्यों न हो, भारत सुई की नोंक के बराबर भी अपनी भूमि नहीं छोड़ेगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 14 अप्रैल -शेष पृष्ठ दो पर

71 हजार युवाओं को कल मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मार्च यानी गुरुवार को रोजगार मेले के तहत भर्ती हुए 71 हजार युवाओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। देश भर से चुने गए नए युवा ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर, सीनियर कमर्शियल कम टिकट क्लर्क, इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, जूनियर अकाउंटेंट, पोस्टल असिस्टेंट, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, -शेष पृष्ठ दो पर

बाबरी मस्जिद विध्वंस पर राजनीति गरमाई भाजपा ने पल्ला झाड़ा

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र में इस समय बाबरी मस्जिद विध्वंस को लेकर राजनीति गरम है। इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बीच जोरदार वाक-युद्ध हो रहा है। हालांकि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने इस वाक-युद्ध से पल्ला झाड़ लिया है। बावनकुले ने कहा कि बाबरी मस्जिद विध्वंस पर बयान के मामले में पार्टी की कोई अधिकृत भूमिका नहीं है। चंद्रकांत पाटिल के इस संदर्भ में दिए गए बयान को बावनकुले ने उनका व्यक्तिगत बयान बताया है। भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने हाल ही में कहा था कि बाबरी विध्वंस में शिवसेना और बालासाहेब ठाकरे का कोई योगदान नहीं है। बाबरी मस्जिद विध्वंस की मुहिम बजरंग दल, दुर्गावाहिनी और विश्व हिंदू परिषद की ओर से 1993 से ही चलाई जा रही थी और जब बाबरी विध्वंस हुआ, उस समय भी इन्हीं लोगों का नेतृत्व था। वहां शिवसेना अथवा कोई और उपस्थित नहीं था। चंद्रकांत पाटिल के इस वक्तव्य के बाद उद्धव ठाकरे ने मंगलवार -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

अरुणाचल प्रदेश हमारा था है और रहेगा : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अरुणाचल प्रदेश दौरे को लेकर चीन ने आपत्ती जताई थी। चीन की आपत्तियों को भारत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। चीनी आधिकारिक प्रवक्ता की टिप्पणियों के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हम चीनी आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा की गई टिप्पणियों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का था, है और रहेगा। हमेशा भारत का अभिन्न और अविच्छेद्य अंग बना रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता -शेष पृष्ठ दो पर

आज का भारत मोदी और शाह वाला है : खांडू

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने परोक्ष तौर पर चीन को संदेश देते हुए कहा कि आज का भारत वह नहीं है जो 1962 में था, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व वाला भारत है। शाह की मौजूदगी में खांडू ने यह भी कहा कि शायद यह पहली बार है कि कोई केंद्रीय गृहमंत्री चीन की सीमा के इतने करीब स्थित स्थान पर आया है। शाह सोमवार को उत्तरी सीमा से सटे गांवों का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित करने के लिए मोदी सरकार के महत्वाकांक्षी *जीवंत गांव कार्यक्रम* (वीवीपी) की शुरुआत करने के लिए यहां आए थे। चीन ने सोमवार को शाह के अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर आपत्ति जतायी थी। खांडू ने कहा कि यह 1962 का भारत नहीं है। आज, यह नरेंद्र मोदी का भारत है, यह अमित शाह का भारत है। खांडू ने यह बात सभा में मौजूद लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कही जिसमें से अधिकतर वे लोग थे जो चीन-भारत सीमा के पास रहते हैं। भारत ने 1962 में चीन की ओर से आक्रमण का सामना किया था और किबिथू और पड़ोसी वालेंग में भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच भीषण लड़ाई हुई थी। खांडू की टिप्पणी इसलिए भी मायने रखती है क्योंकि कुछ दिन पहले ही चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 11 स्थानों के लिए चीनी नामों की घोषणा की थी। चीन अरुणाचल प्रदेश के तिब्बत का दक्षिणी हिस्सा होने का दावा करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी सरकार पूर्वोत्तर खासकर अरुणाचल प्रदेश के सर्वांगीण विकास का पूरे दिल से समर्थन कर रही है। जीवंत गांव कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक उत्तरी सीमा से लगे गांवों के विकास के लिए 4,800 करोड़ रुपए प्रदान करेगी। शाह ने कहा था कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

doorgraph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भाजपा ने मेरा पद और घर छीन लिया देश के लिए लड़ता रहूंगा : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी उनसे सांसद का टैग छीन सकती है, आवास वापस ले सकती है और चाहे तो जेल में डाल सकती है, लेकिन उन्हें जनता का प्रतिनिधित्व करने एवं उसकी आवाज उठाने से नहीं रोक सकती। लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के बाद पहली बार वायनाड पहुंचे राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भाजपा के लोग इतने वर्षों में यह नहीं समझ सके कि उन्हें डराया और झुकाया नहीं जा सकता। राहुल गांधी के साथ इस एकदिवसीय वायनाड दौरे पर उनकी बहन और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा भी मौजूद थीं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने यहां -शेष पृष्ठ दो पर

मेरे साथ यह खेल मत खेलिए..., चंद्रचूड़ की वकील को फटकार

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने मंगलवार को गहरी नाराजगी में एक वकील को चेतावनी दी कि वह (वकील) उनके (सीजेआई के) अधिकार के साथ खिलवाड़ न करें। एक वकील द्वारा किसी मामले की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष उल्लेख (मेंशनिंग) के दौरान सीजेआई ने अपना आपा खो दिया और कहा कि मेरे अधिकार से खिलवाड़ न करें। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ न्यायिक कार्यवाही के दौरान शायद -शेष पृष्ठ दो पर

डिब्रूगढ़ की जेल पहुंचा पप्पलप्रीत सिंह

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह का करीबी पप्पलप्रीत सिंह को भी मंगलवार को पंजाब से असम के डिब्रूगढ़ की जेल लाया गया है। डिब्रूगढ़ जेल में पहले से ही आठ खालिस्तानी समर्थक बंद हैं। डिब्रूगढ़ जेल में खालिस्तानी समर्थकों के बंद होने के चलते सुरक्षा के बेहद पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसी बीच शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के गठित अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को जेल पहुंचकर बंद खालिस्तान समर्थक संगठन वारिस दे पंजाब के सदस्यों से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार *वारिस दे पंजाब* के प्रमुख अमृतपाल सिंह और उनके सहयोगियों के खिलाफ पंजाब पुलिस की कार्रवाई के बाद जेल में बंद आठ लोगों से वकीलों की एक टीम ने जेल में उनसे मुलाकात की। एसजीपीसी सदस्य -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

कोई भी अपने लिए आलसी होने की और मूर्ख होने की योजना नही बनाता। ये सारी चीजें तो तभी होती है जब आपके पास कोई योजना नहीं होती है।

- लेरी वीनगेट

न्यूज गैलरी

संघ के नाम पर झूठा पत्र वायरल

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे उस पत्र को फेक बताया है जिसमें हिन्दुओं को मुस्लिम महिलाओं से विवाह कर उनका धर्मांतरण करने को कहा गया है। पत्र साझा करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नाम पर सोशल मीडिया में चल रहा यह पत्रक पूर्णत: झूठा है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे इस पत्र को आधार बनाते हुए संघ को बदनाम करने की कोशिश की जा रही थी।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के चुनाव अधिकारी राजस्थान के माउंडा से राधेश्याम चोटिया एवं सहायक चुनाव अधिकारी राजस्थान के रलावता निवासी श्याम सुंदर सेवदा। साथ में खांडल विप्र महासभा के संयुक्त मंत्री (गुवाहाटी) महेश कुमार जोशी विकसित भारत समाचार के कार्यालय में अखबार के संपादक राकेश शर्मा से मिले और संगठन को मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा की।

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खो चुकी तृणमूल के पास विकल्प नहीं

कोलकाता (हि.स.)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस को एक दिन पहले ही राष्ट्रीय पार्टियों की सूची से हटाकर क्षेत्रीय पार्टी के तौर पर घोषित कर दिया है। इसके बाद पार्टी के वयोवृद्ध सांसद सौगत रॉय ने रात को ही कहा था कि पार्टी इसके लिए कानूनी विकल्प तलाश रही है। हालांकि मंगलवार को उनका सुर बदल गया है। एक बार फिर जब हिन्दुस्थान समाचार की ओर से उनसे संपर्क किया गया और इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि फिलहाल कोई फैसला नहीं हुआ है कि कानूनी कदम उठाया जाएगा या नहीं। यह आने -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके पीएम अवमानना के आरोप में अयोग्य

नई दिल्ली। पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओके) उच्च न्यायालय की फुल कोर्ट बेंच ने मंगलवार को अवमानना के लिए प्रधानमंत्री सरदार तनवीर इलियास को विधानसभा के सदस्य होने से अयोग्य घोषित कर दिया। आज के फैसले के बाद, इलियास ने पीओके के प्रधानमंत्री का पद छोड़ दिया है और विधान सभा को एक नया प्रधानमंत्री चुनना होगा। हालांकि उन्हें सुप्रीम कोर्ट में फैसले की अपील करने का अधिकार है। उच्च अदालतों ने अलग से इलियास को नोटिस -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के अध्यक्ष का निर्विरोध चुनाव संपन्न

गुवाहाटी। रविवार को स्थानीय परशुराम भवन (ब्राह्मण भवन) में अखिल भारतवर्षीय श्री खांडल विप्र महासभा के नेतृत्व में एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के तत्वावधान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में गुवाहाटी के विशिष्ट कन्हैयालाल पीपलवा का अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुनाव किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में जयपुर से पधारे मुख्य चुनाव अधिकारी व महासभा के महासचिव राधेश्याम चोटिया, संगठन मंत्री श्यामसुंदर सेवदा सहित सतीशजी बुढ़ाढ़रा, कन्हैयालाल पीपलवा, भंवरलाल सेवदा, बजरंगलाल बणसिया, विजय कुमार झिखनाडिया द्वारा परशुराम की प्रतिकृति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया गया। उपस्थित सभी खांडल बंधुओं ने भगवान परशुराम को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात विजय कुमार झिखनाडिया द्वारा वैदिक मंगलाचरण किया। इसके बाद स्वागत समारोह कार्यक्रम में मंचासीन महासभा के महामंत्री राधेश्याम चोटिया, जयपुर, संगठन मंत्री श्यामसुंदर सेवदा, जयपुर, नव निर्वाचित अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा, विजय कुमार झिकनाड़िया एवं बजरंग लाल बणसिया का असमिया फूलाम गामोछा द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राधेश्याम चोटिया का स्वागत असमिया जापी व गामोछा द्वारा नव-निर्वाचित अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा द्वारा एवं श्यामसुंदर सेवदा का स्वागत अभिनंदन असमिया जापी व गमछा द्वारा श्रीराम पीपलवा ने किया। स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय श्री खांडल विप्र महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मनोनीत पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर भंवरलाल सेवदा गुवाहाटी, विजय कुमार झिखनाडिया नलबाड़ी, संगठन मंत्री पद पर विनोद पीपलवा, दिमापुर नागालैंड, संयुक्त मंत्री पद पर गुवाहाटी के प्रभु दयाल पीपलवा, बजरंग लाल बणसिया, महेश जोशी एवं नलबाड़ी के सुनील कुमार चोटिया का असमिया फूलाम गामोछा द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। शपथ समारोह में उपस्थित अखिल भारतवर्षीय श्री खांडल विप्र महासभा के अंतर्गत पूर्वांचल की शाखा सभा के अध्यक्षों में गुवाहाटी शाखा से कन्हैयालाल पीपलवा,

नलबाड़ी शाखा सभा से विजय कुमार झिकनाड़िया, पाठशाला शाखा सभा से जगदीश प्रसाद काछवाल, डीमापुर, नागालैंड शाखा सभा से परमेश्वर काछवाल, ए टी रोड, गुवाहाटी शाखा सभा से गोवर्धन रिणवा, आठगांव गुवाहाटी शाखा सभा से सुशील कुमार बणसिया, कुमारपाड़ा गुवाहाटी शाखा सभा से महेश कुमार जोशी एवं धीरेनपारा, गुवाहाटी शाखा सभा से कैलाश चंद काछवाल का असमिया फूलाम गामोछा से स्वागत अभिनंदन किया गया। इसके बाद शपथ ग्रहण कार्यक्रम में सर्वप्रथम पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने गए कन्हैयालाल पीपलवा को महासभा के महासचिव एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी राधेश्याम चोटिया ने शपथ दिलाई। इसके साथ ही अखिल भारतवर्षीय श्री खांडल विप्र महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मनोनीत पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर भंवरलाल सेवदा गुवाहाटी, विजय कुमार झिकनाड़िया, नलबाड़ी, संगठन मंत्री पद पर विनोद पीपलवा, डिमापुर नागालैंड, संयुक्त मंत्री पद पर प्रभु दयाल पीपलवा, बजरंग लाल बणसिया, गुवाहाटी से सुनील कुमार चोटिया, नलबाड़ी एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रकाश बुढ़ाढ़रा, डीमापुर ने शपथ ली। इसके पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा, गुवाहाटी, विजय कुमार झिखनाडिया, नलबाड़ी, विनोद पीपलवा, परमेश्वर काछवाल डीमापुर, सुनील कुमार चोटिया नलबाड़ी ने खांडल समाज की एकता अखंडता व विकास के लिए अपने अपने विचार संबोधन द्वारा सभा में व्यक्त किए। चुनाव अधिकारी राधेश्याम चोटिया ने भी अपने संबोधन में पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए सभी शाखा अध्यक्षों एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मनोनीत पदाधिकारियों को समाज हित में कार्य करने के लिए ाह्वान किया। अपने संबोधन में महासभा के आजीवन सदस्य बनाने एवं हितेषी के सदस्य बनाने पर जोर दिया। हितैषी घरों में पहुंचने की समस्या का निदान शीघ्र ही हल करने का आश्वासन दिया। इसके बाद बजरंग लाल बणसिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के अंत में सभी खांडल बंधुओं को आयोजकों द्वारा स्वल्पाहार दिया गया। शपथ ग्रहण समारोह में खांडल समाज के विशिष्ट लोगों में सतीश कुमार बुढ़ाढ़रा, मोहनलाल नवहाल, बजरंग लाल काछवाल, ओमप्रकाश बुढ़ाढ़रा, श्रीराम पीपलवा, नेमीचंद माटोलिया, बालमुकुंद जोशी, मांगीलाल रूंथला, अजीत कुमार मंगलहारा, महावीर प्रसाद मंगलहारा, ओम प्रकाश भाटीवाड़ा, राजेंद्र जोशी, महेंद्र कुमार चोटिया, कैलाश माटोलिया, महावीर प्रसाद काछवाल, विनोद कुमार सोती सहित काफी संख्या में खांडल बंधुओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में विजय कुमार झिखनाडिया द्वारा प्रार्थना के साथ ही सभा का समापन किया गया। जय श्री परशुराम।

जवान ने साथी को मारी गोली, मौत

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिलांतर्गत डिगबोई के असम औद्योगिक सुरक्षा वाहिनी (एआईएसएफ) के मुलियाबारी कैंप में गोलीबारी की घटना में एक जवान की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि एआईएसएफ जवान उदेश माझी ने अपने सहयोगी विमल उरांग को अपनी सर्विस राइफल से गोली मार दी, जिसके चलते उसकी मौत हो गयी। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची डिगबोई पुलिस ने हत्या में शामिल उदेश माझी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया है। हालांकि, ऐसी क्या वजह थी कि गोलीबारी की घटना को उदेश ने अंजाम दिया, इसकी जानकारी नहीं मिल पायी है।

राज्यपाल ने किया दरंग जिले का दौरा

दरंग (हिंस)। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने अपने एक दिवसीय दरंग जिला के दौरे के दौरान आज मंगलदोई में असम कौशल विश्वविद्यालय के स्थल का दौरा किया और इसकी प्रगति का जायजा लिया। राज्यपाल कटारिया ने इस दौरान विश्वविद्यालय की प्रगति की समीक्षा की और कुलपति सुभाष चंद्र दास, आईएएस (सेवानिवृत्त) के साथ चर्चा की, जहां उन्हें परियोजना के विकास की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। राज्यपाल ने भरोसा जताया कि परियोजना के महत्व को ध्यान में रखते हुए, जिससे राज्य में कौशल शिक्षा के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने की उम्मीद है, विश्वविद्यालय दिसंबर 2024 तक अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए तैयार हो जाना चाहिए। राज्यपाल ने 16 नंबर पूब पति दरंग आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र का भी दौरा किया, जहां उन्होंने छात्रों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताया, उनके साथ बातचीत की और केंद्र में उनके अनुभव के बारे में पूछताछ की। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया और इस बात पर जोर दिया कि केंद्र को बच्चों के विकास को बढ़ावा देने वाले अन्य शैक्षणिक संस्थानों के बराबर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि भविष्य को आकार देने के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है, इसलिए बच्चों के लिए बेहतर भविष्य और बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से जमीनी स्तर पर ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। राज्यपाल कटारिया ने टेंगानी टी एस्टेट मॉडल स्कूल का भी दौरा किया। उन्होंने प्रिंसिपल मुकुल शर्मा के साथ बैठक की, जहां उन्होंने शिक्षक-छात्र अनुपात और छात्रों के ड्रॉप-आउट को कम करने के लिए स्कूल की पहल के बारे में पूछताछ की। राज्यपाल ने छात्रों के साथ बातचीत की और शिक्षकों द्वारा प्रदान की गई कक्षाओं को देखा। राज्यपाल ने जिला में अमृत सरोवर परियोजना का भी दौरा किया। उन्होंने सरोवर के आसपास एक मनोरंजक स्थान बनाने के लिए जल संरक्षण परियोजना के साथ-साथ आजीविका सृजन की पहल को प्राप्त करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आगंतुकों, विशेष रूप से छोटों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जल निकाय के चारों ओर उचित बाड़ लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया और क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाने के लिए एक सजावटी वृक्षारोपण अभियान का सुझाव दिया। राज्यपाल ने दरंग कैंसर सेंटर का भी दौरा किया और मरीजों को मिठाई बांटी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सैयद इफ्तिखार सुहानी ने उन्हें अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया। कटारिया ने अपने दौरे के दौरान जिला उपायुक्त मुनिंद्र नाथ नगेटी, एसपी और सभी विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की, जहां उन्होंने जिला में लागू की जा रही केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का जायजा लिया।

नशीले टैबलेट्स के साथ दो गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी आंग्लांग पुलिस ने ताराबासा में राष्ट्रीय राजमार्ग-29 पर चेकिंग के दौरान एक कार से भारी मात्रा में नशीले टैबलेट्स बरामद किए हैं। पुलिस ने तस्कारी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया है कि ताराबासा में राष्ट्रीय राजमार्ग-29 पर पुलिस ने छापेमारी कर एक मारुति ऑल्टो कार से प्रतिबंधित 405 सेम्पेक्स के टैबलेट्स और 373 नाइट्रासम के टैबलेट्स और साथ ही कई सिरिंज बरामद किए गए हैं। पुलिस ने कार सवार सरबोंग तिस और जोंसिंग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी कार को भी जब्त कर लिया है।

बिहू बिनंदिया आयोजन का मंत्री सिंघल ने लिया जायजा

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के मंत्री अशोक सिंघल ने आज (मंगलवार) गुवाहाटी के सोरूसजाई स्टेडियम पहुंचकर बिहू के आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया। विश्व रिकार्ड बनाने के लिए आगामी 14 अप्रैल को होने वाले *बिहू बिनंदिया* नामक भव्य आयोजन के समग्र प्रबंधन का उन्होंने जायजा लिया। मंत्री ने इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और उनके आवास व अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए ढुलिया (ढोल वादक) एवं नाचनी (बिहू नृत्य कलाकार) के साथ भोजन किया। दूसरी ओर, उन्होंने कार्यक्रम के समग्र प्रबंधन का जायजा लेने के लिए प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की और प्रतिभागियों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने और आयोजन का सुचारू प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। ज्ञात हो कि आगामी 14 अप्रैल को सोरुसजाई स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 11 हजार से अधिक बिहूआ और बिहुतियां (युवक-युवतियां) एक साथ बिहू नृत्य प्रस्तुत कर विश्व कीर्तिमान बनाएंगी। इसे लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

पृष्ठ एक का शेष

2024 के लोस...

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में अब असम में तेजी से विकास संभव है। उन्होंने कहा कि इस साल के केंद्रीय बजट में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय में 65 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार पूरे पूर्वोत्तर का तेजी से विकास करने में सफल रही है।

अमित शाह सीमा...

को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुवाहाटी आएंगे और प्रधानमंत्री की मौजूदगी में 12 हजार से अधिक बिहुवा-बिहुवतियां (बिहू नृत्य करने वाले युवा-युवतियां) विश्व रिकॉर्ड बनाकर असम के बिहू को वैश्विक पटल पर ले जाने के लिए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री ने जनता का आशीर्वाद मांगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इस बार के बजट में सरकार द्वारा की गई तीन नई घोषणाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी स्वयं सहायता समूहों यानी महिलाओं को पहले समूह में पैसा दिया जाता था। अब सरकार सभी महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपए देने की व्यवस्था करेगी। इसके साथ ही इस वर्ष अरुणोदय योजना की राशि बढ़ाकर 1400 रुपए प्रतिमाह की जाएगी। बेरोजगारों को 2-2 लाख रुपए का अनुदान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि 11 मई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुवाहाटी में एक समारोह में भाग लेंगे और 50 हजार बेरोजगार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री ने भाजपा को मजबूत करने का आह्वान किया और कहा कि असम तभी आगे बढ़ेगा जब भाजपा मजबूत होगी और भारत तभी आगे बढ़ेगा जब असम आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने राज्य में इस समय स्थापित पार्टी कार्यालयों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा के अब तक 22 जिला स्तरीय कार्यालय स्थापित किए गए हैं। सात और कार्यालयों के निर्माण के साथ जिला कार्यालयों का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले 200 मंडल कार्यालयों का भी निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के ऊपरी असम क्षेत्रीय कार्यालय का निर्माण कार्य, जिसकी आधारशिला आज डिब्रूगढ़ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रखी गई है, वह भी अगले 18 महीनों के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता और पार्टी के अन्य सांसद और विधायक मौजूद थे।

71 हजार युवाओं ...

टैक्स असिस्टेंट, सीनियर ड्राफ्ट्समैन, जेई/सुपरवाइजर, असिस्टेंट प्रोफेसर, टीचर, लाइब्रेरियन, नर्स, प्रोबेशनरी ऑफिसर, पीए, एमटीएस जैसे विभिन्न पदों पर काम करेंगे। इस अवसर पर पीएम मोदी नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं को संबोधित भी करेंगे। पीएमओ की ओर से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि रोजगार मेला आगे रोजगार सृजन में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। नए भर्ती किए गए लोगों को *कर्मयोगी प्रारंभ* के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा, जो विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नए नियुक्त लोगों के लिए एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स है। रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। प्रधानमंत्री ने पिछले साल 22 अक्तूबर को 10 लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करने के अभियान की शुरुआत करते हुए *रोजगार मेला* के पहले चरण की शुरुआत की थी।

अरुणाचल प्रदेश हमारा...

ने कहा कि भारत गृह मंत्री अमित शाह की अरुणाचल प्रदेश यात्रा पर चीन की आपत्तियों को खारिज करता है। उन्होंने कहा कि अमित शाह की अरुणाचल यात्रा पर चीन के आपत्ति जताने के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह की आपत्तियों का कोई कारण नहीं बनता और ये वास्तविकता को नहीं बदलेंगी। चीन ने सोमवार को अमित शाह के अरुणाचल प्रदेश के दौरे की आलोचना करते हुए कहा था कि इससे उस क्षेत्र पर चीनी संप्रभुता का उल्लंघन हुआ है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने प्रेस वार्ता के दौरान, अमित शाह के दौरे के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जंगनन, (अरुणाचल प्रदेश के लिए चीनी नाम) चीन का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जंगनन में वरिष्ठ भारतीय अधिकारी की गतिविधि से चीन की संप्रभुता का उल्लंघन होता है और यह सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति के लिए अनुकूल नहीं है। हम इसका दृढ़ता से विरोध करते हैं। भारत ने पिछले सप्ताह चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों का नाम बदलने के कदम को सिरे से खारिज कर दिया था।

आज का भारत मोदी ...

के पलायन को रोकना, गांवों को पर्यटकों के आकर्षण के रूप में विकसित करना, रोजगार सृजित करना और सर्वांगीण विकास के युग में प्रवेश करना है। वीवीपी एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसके तहत व्यापक विकास के लिए अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में उत्तरी सीमा से सटे 19 जिलों के 46 ब्लॉक में 2,967 गांवों की पहचान की गई है। पहले चरण में, अरुणाचल प्रदेश के 455 गांवों सहित 662 गांवों की पहचान की गई है। अधिकारियों ने कहा कि वीवीपी चिह्नित गांवों में निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करेगा और लोगों को अपने मूल स्थानों पर रहने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे इन गांवों से पलायन को रोका जा सके और सीमा की सुरक्षा बढ़ायी जा सकेगी। जिला प्रशासन, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर उपयुक्त तंत्र की मदद से, केंद्र और राज्य की योजनाओं की 100 प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए चिन्हित गांवों के लिए कार्ययोजना तैयार करेगा। गांवों के विकास के लिए जिन क्षेत्रों की पहचान की गई है, उनमें सड़क संपर्क, पेयजल, सौर एवं पवन ऊर्जा सहित बिजली, मोबाइल और इंटरनेट संपर्क, पर्यटन केंद्र, बहुउद्देश्यीय केंद्र और स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना एवं कल्याण केंद्र शामिल हैं। समारोह में, शाह ने अरुणाचल प्रदेश सरकार की नौ सूक्ष्म पनबिजली परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया, जो सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वालों के लाभ के लिए *स्वर्ण जयंती सीमा रोशनी कार्यक्रम* के तहत बनाई जा रही हैं। स्थानीय लोगों के अलावा, इन मिनी पनबिजली परियोजनाओं से उत्पन्न होने वाली बिजली सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के प्रतिष्ठानों को भी दी जाएगी।

भाजपा ने मेरा पद ...

जनंसपर्क कार्यक्रम में हिस्सा लिया और फिर एक जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि संसद का सदस्य होना सिर्फ एक टैग है, एक पद है। भाजपा टैग ले सकती है, पद ले सकती है, घर छीन सकती है, जेल में डाल सकती है, लेकिन मुझे वायनाड का प्रतिनिधित्व करने से नहीं रोक सकती। उनका कहना था कि वायनाड और भारत के लोग ऐसे देश में रहना चाहते हैं जो स्वतंत्र हो, जहां उनके बच्चों को अपनी मर्जी के मुताबिक अध्ययन की स्वतंत्रता हो, जहां किसान अपने बेटे के इंजीनियर बनने की सपने देख सकता हो। राहुल गांधी ने कहा कि मैं भाजपा से कई वर्षों से मुकाबला कर रहा हूं, लेकिन हैरानी होती है कि वो अपने विरोधी को समझ नहीं पाए। वो नहीं समझ पाते कि उनका विरोधी धमकी में आने वाला नहीं है। वो सोचते हैं कि मेरे घर पर पुलिस भेजने से मैं डर जाऊंगा, घर छीन लेने से परेशान हो जाऊंगा। मैं खुश हूं कि उन्होंने घर ले लिया। उन्होंने कहा कि मैंने देखा है कि जब वायनाड में बाढ़ आती है तो बहुत सारे लोग घर खो देते हैं। मैंने आप लोगों से सीखा है। मेरा घर 100 बार छीनो, मुझे फर्क नहीं पड़ता। मैं वायनाड और भारत के लोगों के मुद्दे उठाता रहूंगा। राहुल गांधी ने दावा किया कि भाजपा लोगों को बांटती है, लोगों को लड़ाती है, धमकाती है। मैं लोगों को जोड़ने का काम करता रहूंगा। मैं सभी धर्मों, समुदायों और विचारों को एकसाथ लेकर आऊंगा। आप (भाजपा) कितने भी निर्मम हो जाएं, लेकिन मैं आपके प्रति दयालु बना रहूंगा। उनके मुताबिक, भाजपा एक नजरिये का प्रतिनिधित्व करती है, कांग्रेस दूसरे नजरिये का प्रतिनिधित्व करती है। उनका कहना था कि आप मत सोचिए कि मेरा रिश्ता आप लोगों के साथ बदलने वाला है। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने क्या किया? मैंने संसद में गौतम अडाणी का विषय उठाया। मैंने मीडिया की खबरों का उपयोग करके यह बताया कि अडाणी कैसे दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए....मैंने दिखाया कि कैसे इजरायल के साथ रक्षा संबंध बदला गया, कैसे विदेश नीति में बदलाव किया गया? मैंने पूछा कि आपका अडाणी से रिश्ता क्या है? प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि पहली बार ऐसा हुआ कि सरकार ने संसद नहीं चलने दी। राहुल गांधी ने दावा किया कि मंत्रियों ने सदन के भीतर मेरे बारे में झूठ बोला। जब किसी सदस्य के बारे में बात होती है तो उसको जवाब देने का मौका मिलना चाहिए। मैंने लोकसभा अध्यक्ष को दो पत्र लिखे और उनके कर्यालय जाकर पूछा कि आप ऐसा क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि मेरे पास कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद को बंद कर दिया गया, मुझे जवाब देने का मौका नहीं दिया गया। सरकार मेरे सवालों से असहज हो गई और मुझे संसद से निकलवा दिया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने मुझे बहुत बड़ा उपहार दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि वो मुझ पर जितना हमला करते हैं, मुझे और लगता है कि यही रास्ता है जिस पर मुझे चलना है। मैं रुकने वाला नहीं हूं। इसका कारण यहां के लोगों और देश के लोगों के साथ मेरा रिश्ता है।

मेरे साथ यह खेल...

ही कभी अपना आपा खोते होंगे, लेकिन आज वह वकील के व्यवहार को लेकर काफी नाराज हो गए। हुआ यूं कि जब वकील ने पहली बार अपने मामले की जल्द सुनवाई की मांग की तो उन्हें (वकील को) यह बताया गया कि इसे 17 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा, इसके बावजूद वकील ने किसी अन्य पीठ के समक्ष मामले के उल्लेख की स्वतंत्रता मांगी तो सीजेआई नाराज हो गए। वकील ने कहा कि अगर इजाजत हो तो क्या मैं दूसरी पीठ के सामने इस मामले का उल्लेख कर सकता हूं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि मेरे साथ यह खेल मत खेलिए। आप जल्दी सुनवाई के लिए पहले यहां तथा फिर कहीं और इसका उल्लेख नहीं कर सकते हैं। पीठ के मिजाज को भांपते हुए वकील ने खेद व्यक्त किया और कहा कि उन्हें अपनी दलीलों के लिए माफ किया जाना चाहिए। सीजेआई ने सख्ती कहा कि हां, आपको माफ कर रहे हैं, लेकिन मेरे अधिकार के साथ खिलवाड़ न करें। इसके बाद वह तत्काल सुनवाई के अनुरोध वाले अन्य मामलों पर विचार करने के लिए आगे बढ़े।

डिब्रूगढ़ की जेल ...

और वकील भगवंत सिंह सियालका, संदीप (दीप) सिंह सिद्धू के भाई एडवोकेट मनदीप सिंह सिद्धू और एडवोकेट रोहित शर्मा सहित अधिवक्ताओं की टीम को कानूनी सहायता प्रदान करने का काम सौंपा गया है। दरअसल, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत दर्ज आठ लोगों के मामलों की एसजीपीसी जांच कर रही है। इस बीच, असम से जानकारी साझा करते हुए वकील सियालका ने कहा कि डिब्रूगढ़ जेल में बंद आठ युवक फिलहाल बिना किसी आरोप की स्थिति में हैं। एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि पंजाब स्थित अकाल तख्त के जत्थेदार के आदेशों के अनुसार डिब्रूगढ़ में एनएसए के तहत कैद युवाओं के खिलाफ दर्ज मामलों में कानूनी कार्यवाही चल रही है। उन्होंने कहा कि एसजीपीसी के कानूनी विशेषज्ञों ने मामले की मुख्य सामग्री का अध्ययन करने के बाद अपना काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की टीम ने डिब्रूगढ़ में बंद खालिस्तान समर्थक युवाओं और जेल के प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर भविष्य की कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की है। अमृतपाल सिंह के अंगरक्षक सहित आठ लोग इस समय डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार में बंद हैं। इसी बीच मंगलवार को खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह का करीबी पप्पलप्रीत सिंह भी पंजाब से असम के डिब्रूगढ़ की जेल पहुंचाया गया है।

राष्ट्रीय पार्टी का ...

वाले वक्त में तय होगा। दरअसल, नियमानुसार राष्ट्रीय पार्टी का तमगा 10 साल के लिए रहता है। अब जबकि यह तृणमूल कांग्रेस से छीन लिया गया है तो कम से कम दो लोकसभा चुनाव में पार्टी राष्ट्रीय पार्टी के बजाय क्षेत्रीय पार्टी के तौर पर ही चुनाव लड़ेगी। बहरहाल, 2016 में चुनाव आयोग की ओर से बदले गए नियम के अनुसार पहले केवल पांच साल में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों की घोषणा होती थी जो अब 10 साल में होती है। तृणमूल कांग्रेस इसे लेकर कोर्ट जाने की तैयारी में थी कि जब 2016 में उसे राष्ट्रीय पार्टी का तमगा मिला तो केवल सात साल के भीतर 2023 में उसे वापस नहीं लिया जा सकता लेकिन चुनाव आयोग की ओर से तृणमूल कांग्रेस को लेकर जो अधिसूचना जारी की गई है उसी में पार्टी के सारे कानूनी विकल्प बंद कर दिए गए हैं। इसमें स्पष्ट कर दिया गया है कि 2011 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में सरकार बनाई थी। उसके बाद 2012 में मणिपुर विधानसभा चुनाव में उसका प्रदर्शन बेहतर रहा था। इसके पहले 2009 में अरुणाचल विधानसभा चुनाव में भी छह फीसदी से अधिक वोट हासिल किए थे और 2014 के लोकसभा चुनाव में भी तृणमूल कांग्रेस को त्रिपुरा में छह फीसदी से अधिक वोट मिले थे, इसीलिए उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा 2014 में मिल गया था। नियमानुसार एक जनवरी 2023 को 10 साल पूरे हो गए हैं, इसलिए अब उस क्राइटेरिया में फिट नहीं बैठने की वजह से तृणमूल कांग्रेस का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा वापस लिया गया है। इसीलिए कानूनी जानकारों का मानना है कि तृणमूल कांग्रेस के पास अब कानूनी विकल्प नहीं बचे हैं। वैसे सौगत रॉय का कहना है कि किसी भी पार्टी के पास सुप्रीम कोर्ट जाने के रास्ते हमेशा खुले रहते हैं, लेकिन किन बिंदुओं पर पार्टी कोर्ट जाएगी यह फिलहाल तय नहीं हो पा रहा है।

पीओके पीएम अवमानना...

जारी किया था, जिसमें उन्होंने सार्वजनिक सभाओं में अपने भाषणों में वरिष्ठ न्यायपालिका के बारे में अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में अपनी स्थिति स्पष्ट की थी। इलियास को मंगलवार को उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के समक्ष अलग-अलग पेश होने के लिए कहा गया। सप्ताहांत में इस्लामाबाद में एक समारोह में, इलियास ने अप्रत्यक्ष रूप से न्यायपालिका पर उनकी सरकार के कामकाज को प्रभावित करने और स्थगन आदेशों के माध्यम से कार्यपालिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया था। उन्होंने विशेष रूप से 15 मिलियन सऊदी-वित्तपोषित शिक्षा क्षेत्र परियोजना का उल्लेख किया था। इसी तरह, उन्होंने अरबों रुपए की कर चोरी में शामिल तंबाकू कारखानों की अदालतों द्वारा डी-सीलिंग पर भी कड़ी आपत्ति जताई थी। आज की सुनवाई के दौरान, अदालत ने इलियास के तीन वीडियो क्लिप चलाए, जिसमें शनिवार को उनका एक भाषण भी शामिल था, और उनसे पूछा कि क्या वह आरोपों का विरोध कर रहे हैं। इलियास ने नकारात्मक में जवाब दिया और अदालत से बिना शर्त माफी मांगी। हालांकि, न्यायमूर्ति खालिद रशीद ने सवाल किया कि इस बात की क्या गारंटी है कि इलियास भविष्य में ऐसा नहीं करेंगे।

बाबरी मस्जिद विध्वंस ...

को आनन-फानन में पत्रकार वार्ता की। उद्धव ठाकरे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जब बाबरी मसजिद का विध्वंस हुआ, उसी समय भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा था कि इस घटना में भाजपा का कोई संबंध नहीं है। मौके पर शिवसैनिक उपस्थित थे, उन लोगों ने बाबरी विध्वंस किया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि उसी समय शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने बयान दिया कि अगर शिवसैनिकों ने बाबरी विध्वंस किया तो इसका उन्हें अभिमान है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि बाबरी विध्वंस के समय प्रधानमंत्री मोदी भी मौके पर उपस्थित नहीं थे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमने कई बार प्रधानमंत्री को राममंदिर के लिए विशेष कानून बनाने की मांग की थी लेकिन कानून नहीं बनाया गया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा की साजिश के तहत स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे के महत्व को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। मुगलों का इतिहास मिटाते हुए भाजपा अब हिन्दुओं का भी इतिहास मिटा रही है। चंद्रकांत पाटिल का वक्तव्य इसी दिशा में है, इसलिए बालासाहेब का महत्व कम करने वालों को तत्काल मंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। साथ ही बालासाहेब का नाम लेकर मुख्यमंत्री बने एकनाथ शिंदे को भी तत्काल सीएम पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उद्धव ठाकरे की पत्रकार वार्ता के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि बाबरी विध्वंस में स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे और शिवसेना कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इसे नकारा नहीं जा सकता है। भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि वे उद्धव ठाकरे के वक्तव्य पर कोई बयानबाजी नहीं करेंगे। चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि इस मुद्दे पर वे खुद उद्धव ठाकरे से फोन पर बातचीत करेंगे। इस मुद्दे पर शिवसेना नेता संजय राऊत, सांसद विनायक राऊत ने भी स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे के समर्थन में बयानबाजी की है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

माया से जग निर्मिता, माया छवि संसार।
फलस्वरूप मय विषय है, वृक्ष है सृष्टि पसार॥ 29॥

शब्दार्थ : (माया) प्रकृति (छवि) शोभा, सौंदर्य (पसार) विस्तार।

भाष्य : माया से जगत का निर्माण होता है एवं संसार की शोभा माया से बनी है। समस्त सृष्टि वृक्ष है और प्राकृतिक समस्त विषय उसके फल हैं।

दृश्य विमोहित जन नहीं, फल रस चाह न संत।
अक्षर प्रकृति प्रवाह में, धर्म नीति यह संत॥ 30॥

शब्दार्थ : (जन) विवेकी संत (फल) इंद्रिय-सुख (अक्षर) एकपाद ब्रह्म (प्रकृति प्रवाह) जगत-प्रवाह।

भाष्य : विवेकी संत प्राकृतिक सौंदर्य पर विमोहित न हो कर उनके विषय-सुख की इच्छा नहीं करते। वे एकपाद अक्षर प्रेरित के प्रवाह में धर्म और नीति से व्यवहार कर अपने अध्यात्म-पथ पर चलते हैं।

मंत्री सिंघल ने बाहिनी नदी के किनारे अतिक्रमित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

अनुमति देने वाले नगर निगम के दोषी अधिकारियों के खिलाफ होगी दंडात्मक कार्रवाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम के आवास एवं शहरी मामलों और सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने आज (मंगलवार) गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) और आवास एवं शहरी मामलों के विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ गुवाहाटी में बहने वाली बाहिनी नदी के किनारे के कई इलाकों का दौरा किया और *मिशन फ्लड फ्री गुवाहाटी* के तहत लागू विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया। साथ ही बहिनी नदी के किनारे अतिक्रमित क्षेत्रों का भी दौरा किया। राधागोबिंद बरुवा रोड पर जोनाली प्वाइंट के पास बाहिनी नदी के पुल से शुरू हुए दौरे में मंत्री ने चिड़ियाघर, सुंदरपुर, राजधानी नर्सरी, लक्ष्मीनगर, नयनपुर, हेंगराबाड़ी, दिसपुर रोटरी, डाउन टाउन, रुक्मिणीगांव पिबको प्वाइंट आदि विभिन्न क्षेत्रों में बाहिनी नदी के दोनों किनारों पर अतिक्रमण का जायजा लिया। कुछ इलाकों में अवैध रूप से दीवार, घर आदि का निर्माण कर नदी के बहाव को बाधित करने वालों और इसके लिए अनुमति देने वाले जीएमसी के अधिकारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने का मंत्री सिंघल ने निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर खेद व्यक्त करते हुए कि शहर के नागरिकों के एक वर्ग की विचारशून्य गतिविधियों के कारण बाहिनी नदी का क्षेत्र असीमित कचरे, प्लास्टिक की बोतलों, पॉलीथिन आदि से भर गया है और संकरे मार्ग के कारण नदी मृतप्राय हो गई है। उन्होंने कहा कि यदि बाहिनी, भरलू आदि नदियों की जल वहन क्षमता को सामान्य स्थिति में वापस नहीं लाया गया तो गुवाहाटी को कृत्रिम बाढ़ से मुक्त बनाना संभव नहीं होगा। इसलिए उन्होंने शहरवासियों से इस संबंध में जागरूकता और संवेदनशीलता दिखाने का आग्रह किया। आज के निरीक्षण में आवास और शहरी मामलों के विभाग के सचिव पबित्र राम खांउड और गुवाहाटी नगर निगम के आयुक्त मेघनिधि दहल के साथ नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

स्टार बॉक्स के मैनेजर पर धारदार हथियार से हमला अस्पताल में भर्ती

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जीएस रोड इलाके में एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से हमला किये जाने का मामला सामने आया है। घायल व्यक्ति को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार जीएस रोड पर बीती देर रात को स्टार बॉक्स के मैनेजर भास्कर ज्योति दास पर बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। मैनेजर को स्कूटी पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने हमला कर घायल कर दिया। घटना एबीसी प्वाइंट की बतायी गयी है। भास्कर ज्योति दास रात में अपनी दुकान बंद कर स्कूटी से घर जा रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने शख्स पर हमला कर दिया। गंभीर हालत में प्रत्यक्षदर्शियों ने व्यक्ति को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, बाद में भास्कर ज्योति दास को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। भास्कर के परिजनों ने घटना के संबंध में भांगागढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है। बताया गया है कि भास्कर दास पर नशे में धुत दो युवकों ने सड़क पर हमला कर दिया।

भूमि विवाद को लेकर दो गुटों में झड़प, 8 घायल

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिलांतर्गत बरखेत्री विधानसभा क्षेत्र के न-पारापाम इलाके में दो गुटों में हुए भूमि विवाद को लेकर आपसी झड़प में 8 लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार अबू हनिफ, शौकत अली और बाहर अली के नेतृत्व में कुछ लोग हाथ में लाठी, डंडे, दाव सहित अन्य धारदार हथियार लेकर शिकदार अली, अमजद अली, रमजान अली, मुन्नाफ वाली, अनार अली, साबिर उद्दीन, नवीरन नेशा, जयनैब बीबी, अकबर अली और शिकन्दर अली पर अचानक हमला कर दिया। मारपीट के दौरान शिकन्दर अली, अमजद अली, अनार अली, साबिर उद्दीन, मुनाफ अली, अकबर अली, नवीरन नेशा और रमजान अली गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए मुकालमुआ अस्पताल में भर्ती कराया।

कब्र खोदकर निकाली गई बच्ची की लाश

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत रंगिया के गढ़भित वालागांव से तालाब में डूबी बच्ची के शव को कब्र खोदकर निकाला गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि मृत बच्ची के परिजनों द्वारा तालाब कमेटी के ऊपर दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में रंगिया गढ़भित वालागांव से कब्र खोदकर सुमैया बेगम (9) नामक बच्ची का शव बरामद किया गया।

विश्वनाथ कारागार में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। माना जाता है कि वृक्ष रहने से ही मनुष्य का जीवन अटूट रहेगा। इस विश्वास के मद्देनजर वर्षो से विश्वनाथ के प्रकृतिप्रेमी तथा सेवानिवृत अधिवक्ता कुमुद बरुवा के नेतृत्व में विश्वनाथ चाराली स्थित जिला कारागार में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें सुबह से कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता अभियान में विश्वनाथ नगर के विभिन्न स्थानों पर साफ-सफाई की गई। इसके बाद विश्वनाथ महकमा के अतिरिक्त उपायुक्त एवं प्रशासनिक अधिकारी आईएस जय शिबानी ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिन्होंने वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और स्वस्थ पर्यावरण पर भाषण दिया। दूसरी ओर विश्वनाथ जिला कारागार में पहलीबार दौरा किया, और जेल में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता

की जांच की। वहीं कैदियों से उनकी समस्याओं को समझने के लिए बातचीत की। इस दौरान विश्वनाथ जिले के जेल अधीक्षक व अन्य जेलकर्मी मौजूद थे।

दुर्घटना में मृतक तीनों महिलाओं के परिजनों को सरकार देगी दो-दो लाख अनुग्रह राशि

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जिले के डिकॉम में सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाली तीन महिलाओं के परिवारों के लिए राज्य सरकार ने वित्तीय सहायता राशि की घोषणा कर दी है। दरअसल, सोमवार को एक सड़क हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई थी। दुर्घटना के बाद हुए बवाल में गुस्साए लोगों के एक समूह ने पुलिस के एक वाहन को आग लगा दी। इसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग तक गोलाबारी करनी पड़ी थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मंगलवार को राज्य के चाय जनजाति कल्याण मंत्री संजय किसन हादसे में जान गंवाने वाली तीनों महिलाओं के आवासों पर पहुंचे। मंत्री ने मृतक महिलाओं के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और पीड़ितों के परिवारों को दो-दो लाख रुपए की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की।

हवन और ईश वंदना के साथ नगांव में श्री हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास संपन्न

नगांव (निसं)। चार दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव समारोह का हवन और ईश वंदना के साथ सोमवार को समापन हुआ। स्व सेठ मेघराज मित्तल स्मृति भवन में सोमवार को श्री पवन पुत्र श्री हनुमान जी महाराज की विशेष पूजा अर्चना पंडित प्रह्लाद दाधिच के सानिध्य में संपन्न हुई। श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के सचिव राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा ने सपत्नीक पूजा विधि संपन्न करवाई। तत्पश्चात हवन संपन्न हुआ जिसमें भक्तों ने उपस्थित होकर श्रद्धा की हाजरी लगाई और सुख शांति के लिए आयोजित हवन में आहुति प्रदान की। इस समय समिति के अध्यक्ष प्रह्लाद राय तोदी,

उपाध्यक्ष जुगल किशोर जाजोदिया, रतन जाजोदिया, जगदीश प्रसाद लोहिया, संयुक्त सचिव द्वय अजित माहेश्वरी व पवन आलमपुरिया, उप सचिव अजय मित्तल, शिव चरण पोद्दार, विकास शर्मा, महावीर झंवर, मोती लाल डागा, राजा पारीक, नितिन मुंदड़ा, मनीष गाडोदिया, सुरेश शर्मा, टिंकू सिन्हा, केशव मुंदड़ा के अतिरिक्त कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। ज्यादातर भक्त सपत्नीक नजर आए। पंडितो के मंत्रोच्चारण के बीच हवन विधि संपन्न हुई व आरती से पूर्व पूर्णाहुति में भक्तों ने सामूहिक रूप से भाग लिया और जय श्रीराम, जय हनुमान के नारो से आयोजन स्थल भक्तिमय हो गया। तत्पश्चात भंडारे में लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया। समिति के संयुक्त सचिव व प्रचार विभाग के संयोजक अजित माहेश्वरी ने बताया कि भंडारे में विभिन्न समुदाय के लोगो को मिलाकर लगभग पंद्रह हजार लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले श्री हनुमान जन्मोत्सव के चतुर्थ व अंतिम दिन भी लोगो का समागम रहा। भीड़ का आलम यह रहा कि पिछले वर्ष के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। चतुर्थ दिन रविवार के कार्यक्रम में मुख्य रूप से जो कार्यक्रम संपन्न हुए उनमे हरियाणा से आमंत्रित मोनू ढींगरा के निर्देशन में नृत्यनाटिक में महारास, कृष्ण सुदामा मिलन, सत्यभामा कृष्ण नृत्य, तुलसी सत्यभामा महिमा, काली नृत्य और महिषासुर वध का प्रदर्शन कर लोगो को पंडाल में जमाये रखा। बाद में लखनऊ (उत्तरप्रदेश) से आमंत्रित गायिका गुड्या विभा मिश्रा ने भजनो के कार्यक्रम में लोगो को झुमाये रखा और एक से बढ़कर एक शानदार भजनो की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय कर दिया। रात्रि जागरण में पवन शर्मा एंड पार्टी के अतिरिक्त अजित माहेश्वरी, पवन आलमपुरिया, प्रदीप पारीक, अरुण नागरका, संदीप पारीक ने भजनो की प्रस्तुति दी। सभी अतिथि कलाकारो का समिति की तरफ से फुलाम गोमछा से सम्मान किया गया।

राज्य में अवैध रूप से ब्रॉयलर मुर्गी लेकर प्रवेश करते 11 वाहन जब्त

कोकराझाड़ (हिंस)। राज्य में ब्रॉयलर मुर्गी के आयात पर प्रतिबंध के दौरान असम-बंगाल सीमा पर पुलिस-पशुपालन विभाग की आंखों में धूल झोंकते हुए ब्रॉयलर मुर्गी लेकर वाहन ग्रामीण रास्तों से हर दिन असम में प्रवेश कर रहें हैं। इस कड़ी में 11 वाहनों को ब्रॉयलर मुर्गी समेत जब्त किया गया है। पुलिस ने वाहनों के चालक एवं सह चालकों को भी गिरफ्तार कर लिया है। असम पुलिस राज्य में ब्रॉयलर मुर्गी के आयात को लेकर जितना सख्ती बरत रही है, वहीं दूसरी मुर्गी की तस्करी में जुटा गिरोह भी नए-नए तरीके अपना रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती देर रात को कोकराझाड़ जिलांतर्गत गोसाईगांव में 11 ब्रॉयलर मुर्गी लेकर जा रहे वाहनों (एएस-16एसी-4268, एएस-16एसी-3411, एएस-26सी-9866, एएस-16एसी-2742, एएस-26एसी-0491, एएस-17सी-3890, एएस-18एसी-4292, एएस-18एसी-4566, एएस-18एसी-2090, एएस-18एसी-1288, एएस-19सी-8735) को उस समय जब्त किया गया।

ग्रामीण इलाकों में नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल सेवा जारी

गुवाहाटी (विभास)। करीब डेढ़ महीने से असम के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में रह रहे लोगों के बीच नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में आयोजित 60 शिविरों में आठ हजार से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं। विशेष रूप से ग्रामीण अंचल में रह रहे आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लोगों तक नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन दिनों असम में नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बीडीजी रमेश गोयल सेवा संस्थान की लोटस टीएमटी बार मेडिकल बस सेवा की ओर से इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। बीडीजी मेटल एंड पावर लिमिटेड के चेयरमैन तथा सेवा संस्थान के प्रमुख ट्रस्टी रमेश गोयल के नेतृत्व में लोटस टीएमटी बार की नि:शुल्क मेडिकल बस सेवा आने वाले दिनों में ऊपरी असम के डिब्रूगढ़ व तिनसुकिया में उपलब्ध होंगी। मेडिकल बस शिविर के प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि उक्त स्थान के जरूरतमंद लोग शिविर में पहुंचकर आई टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, डेंटल टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, ईएनटी टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, पैथोलॉजिकल लेबोरेटरी की सुविधा, जनरल ओपीडी, ईसीजी एवं एक्स रे की सुविधा का लाभ इस मोबाइल मेडिकल बस के माध्यम से नि:शुल्क ले सकते हैं। शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच आनंदलोक हॉस्पिटल के सहयोग से किया जा रहा है। उन्होंने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर नि:शुल्क शिविर का लाभ उठाने का आह्वान किया है। मेडिकल बस शिविर के प्रभारी संजय गुप्ता ने कहा कि संबंधित स्थानों पर कार्यरत स्थानीय संगठन भी इस नि:शुल्क सेवा से जुड़कर मानव सेवा कार्य में अपना योगदान दे सकते हैं।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत, हादसे को लेकर तनाव

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत डिमरुगुरी में महलोर रोड के सामने बीती रात हुए एक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा एक स्कूटी और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर के कारण हुआ। जिसको लेकर इलाके में आज भी भारी तनाव देखा गया। हादसे में डिमरुगुरी के मुन्ना दास, पंकज दास और विक्रम दास की मौत हो गई। इस घटना के बाद डिमरुगुरी में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। तीन स्थानीय युवकों की असामयिक मौत से जहां इलाके के लोग सकते में हैं, वहीं युवकों के एक समूह ने उनके शवों के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। दूसरी ओर, एक जोड़े की प्रदर्शनकारी भीड़ के साथ बहस होने पर स्थिति गर्म हो गयी। लोगों के एक समूह ने पति-पत्नी पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन यातायात पुलिस ने उनके वाहनों को बचाने की कोशिश की। गुस्साई भीड़ ने यातायात पुलिस के वाहन पर भी हमला किया। हालांकि, नगांव सदर थाना के प्रभारी मनोज राजबंशी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में किया।

शीतला श्रीश्री मां महामाया मंदिर में आयोजित मेले को लेकर समिति गठित

कोकराझार (विभास)। कोकराझाड़ जिले के शीतला श्री श्री मां महामाया मंदिर का 56वीं वर्ष के उपलक्ष में मंदिर संचालन समिति और पूजा समिति ने आज एक सभा का आयोजन किया। सभा में आगामी 22 अप्रैल से 29 अप्रैल तक आठ दिवसीय मेला का आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। सभा में शीतला श्री श्री मां महामाया मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष लखन साहा, साधारण सचिव अरुण बर्मन को लेकर एक 51 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। वहीं शीतला श्री श्री मां महामाया मंदिर पूजा संचालन समिति के अध्यक्ष अपूर्व बर्मन, उपाध्यक्ष रंजीत राय, पी बर्मन, साधारण सचिव दीपक प्रधानी, कोषाध्यक्ष परितोष साहा, सलाहकार इंद्रजीत देबनाथ, राजू बर्मन, गोपाल बर्मन, तारक चंद्र राय, लाचित बर्मन आदि को लेकर एक अन्य 31सदस्यीय शक्तिशाली समिति गठन किया गया। समिति ने संवाददाताओं को बताया कि वैशाख महीने की एक तारीख को इस मंदिर के गेट को शीतल के प्रतिष्ठित व्यपारी सुकुमार देंगे। जिसकी आधारशिला भी सुकुमार देबनाथ ही करेंगे।

गौकुंभ में राज्यपाल कटारिया होंगे मुख्य अतिथि, तैयारियों में जुटी आयोजन समिति

घोड़ामारी (विभास)। घोड़मारी में गौकुंभ एवं महर्षि सदाफलदेव विश्व शांति वैदिक महायज्ञ की तैयारियां जोरो पर है। विहंगम योग के आचार्य सदगुरु स्वतंत्रदेवजी महाराज एवं संत प्रवर विज्ञानदेवजी महाराज की पावन उपस्थिति में 29 एवं 30 अप्रैल 2023 को आयोजित होने वाले भारत के पहले गौकुंभ के सिलसिले में आयोजन समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में पधारने का न्योता दिया, जिसको स्वीकार कर राज्यपाल कटारिया ने 30 अप्रैल को सुबह 11 बजे से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाना स्वीकार कर लिया है। आज राजभवन से भेजे गये ईमेल में इस बात की पुष्टि की गयी। राज्यपाल से मिले प्रतिनिमंडल में चंद्रप्रकाश शर्मा, दिनेश पारीक, शिवकुमार पारीक, अमित पारीक, रघु सर्राफ, सागर मिश्रा एवं अरविंद पारीक शामिल थे। मुलाकात के दौरान विहंगम योगा इंस्टीट्यूट ऑफ काऊ मैनेजमेंट द्वारा गौ संरक्षण एवं संवर्द्धन के क्षेत्र में किए जा रहे इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी राज्यपाल कटारिया को दी गयी। राजयपाल ने आशा जताई कि गौबर और गौमूत्र

के उत्पादों के निर्माण एवं बिक्री के जरिये ही गौवंश का संरक्षण हो पायेगा और साथ ही पर्यावरण की भी रक्षा हो सकेगी। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर भी सकारात्मक उत्तर दिया। मालूम हो कि गौ संरक्षण एवं संवर्द्धन के जरिए गौ आधारित अर्थ व्यवस्था के विकास के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में घोड़मारी में गौशाला निर्माण में प्रमुख भूमिका निर्वाह करने वाले उद्योगपति एवं समाजसेवीगण कैलाश लोहिया एवं रतन शर्मा कुंभ के मुख्य यजमान की भूमिका निर्वाह कर रहे हैं। वहीं घोड़मारी में आयोजन समिति के अध्यक्ष जुगल डागा और निलेश अग्रवाल की देखरेख में समिति के सभी सदस्य इस महाआयोजन को सफल बनाने में दिनरात जुटे हुए हैं। विहंगम योग की ओर से पूर्वांचल के अध्यक्ष मदन मोहन सिंह ने बताया कि पूरे शोणितपुर जिले में गौकुंभ को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। गुवाहाटी से प्रचार-प्रसार हेतु अमीलाल अग्रवाल तेजपुर पहुंच चुके हैं, वहीं देवेंद्र शर्मा एवं अन्य लोग निरंतर आना जाना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रेम झंवर, रितेश मिसरुफ, विपुल सैकिया, अनूप जालान, महेंद्र चांडक, दिलीप शर्मा विश्वनाथ चाराली, पवन पारीक रांगापाड़ा, जीतू बोरा, आनंद शर्मा, सुशील गोलछा, नथमल टिबड़ेवाल, प्रदीप टिबड़ेवाल, गिरधर सोनी, जीतू बोरड़, हरिप्रसाद शर्मा, श्रीकांत बोथरा, मनोज अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, जुगल पांडिया, विष्णुकांत डागा, पदम सांखला, नवीन तोषनीवाल, भागवत झंवर, राजू शर्मा, बसंत सर्राफ, ऋषि पारीक, सुनील अग्रवाल, मुकुल बोथरा, प्रमोद बगड़ा, सुनील बेरीवाल, आनंद शर्मा, पंकज पारीक, जयप्रकाश मिश्रा, राजेश जालान, धर्मेंद्र अग्रवाल, सुनील सर्राफ,पवन पारीक, मधुर बोथरा, मानस टिबरेवाल, प्रवीण अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, जतिंदर शर्मा, रवि सिंह, आदर्श टिबरेवाल, श्रीराम पाटोदिया, भारत टिबरेवाल,अंकित खेतावत, कविंदर जैन, विकास मोहन सिंह, प्रणब बोरा, रोहित चौधरी, जगदीश शर्मा, दिनदयाल असोपा, रतन छावछरिया, तीर्थ दहाल, केदार क्षेत्री, लोक बहादुर बुराथोकी, निर्मल नरुला, प्रदीप नरुला, दुलाल गुवारा, रथिन पाल, जलिंद्र सिंह, लोहित भट्टराय, जितेंद्र पीपलवा, उगम बैद, घनश्याम सोमानी, राजीब जैन, राधामोहन, सुनील पाटनी, प्रकाश अग्रवाल, रमेश गाड़ोदिया, दीपक टिबरेवाल, विष्णु पुगलिया, श्रीमती नेहा सिंह एवं महिला समिति की सभी सदस्याएं लगी हुई है।

NOTICE INVITING APPLICATIONS FOR ENGAGEMENT OF 3 (THREE) PROJECT FELLOWS FOR ASSISTING THE CONSERVATION PROJECT ON HOOLOCK GIBBON

The Digboi Forest Division invites applications from interested eligible candidates for 3 (Three) 'Project Fellows' for assisting the APFBC conservation project on hoolock gibbon in Digboi Division. The remuneration of the position is Rs 20,000/- per month and the duration of engagement will be 5 (five) months.

Eligibility and Qualification

Post	Area of Specific expertise desired/prerequisite	Qualification
Project Fellow-Wildlife	1. At least three years of experience in studying ecology and behavior of wildlife. 2. Experience of carrying site visits for surveys and data collection 3. Experience with primate ecology is desirable	Advanced university degree (M. Sc or higher) in Wildlife / Life Sciences, Environment / Natural Resource Management (NRM) or a related discipline
Project Fellow-Botany	1. At least three years of experience in researching in fields such as taxonomy / ecology / conservation biology or plant breeding 2. Experience in carrying out botanical surveys in similar landscapes like Assam is desirable	Advanced university degree (M. Sc or higher) in Botany / Wildlife / Life Sciences
Project Fellow-Habitat	1. At least three years of experience in Remote Sensing and GIS analysis related to Habitat modelling/ Land-Use/ Forestry/ Climate Change	Advanced university degree (M. Sc or higher) in GIS /Forestry/Environment/ NRM, or a related discipline

Interested candidates may send the completed application form in the prescribed format along with supporting documents and a covering letter addressed to DFO, Digboi Division, in the email id dfodigboi@gmail.com, latest by25" April 2023. Applications received after the deadline will not be considered.

Only shortlisted candidates would be called for Personal Interview. No TA/DA will be paid for attending the said Personal Interview. The rights of any change in this advertisement and selection procedure are reserved with the office of the DFO, Digboi Division.

-Sd/-
Divisional Forest Officer
Digboi Division, Digboi

-- Janasanyog /D/395/ 23

उपराज्यपाल के प्रयासों से यमुना की सफाई में आई तेजी : बिधूड़ी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के प्रयासों से यमुना की सफाई में तेजी आई है। बिधूड़ी ने मंगलवार को कहा कि केजरीवाल सरकार यमुना की सफाई को लेकर गंभीर नहीं थी लेकिन उपराज्यपाल इस मामले को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि पिछले आठ साल में केजरीवाल सरकार ने यमुना की तरफ ध्यान नहीं दिया। एनजीटी के कहने पर अब उपराज्यपाल ने यमुना की सफाई की पहल की है। उसके बाद ही सकारात्मक नतीजे सामने आने लगे हैं तो आप नेताओं को अपनी असफलता की चिंता सताने लगी है। बिधूड़ी ने कहा कि आप सरकार को उपराज्यपाल सक्सेना का आभार व्यक्त करना चाहिए कि उनके प्रयासों से दिल्ली में यमुना साफ होने की संभावना जागृत हुई है। बिधूड़ी ने कहा कि यमुना की सफाई का राग अरविंद केजरीवाल 2013 से अलाप रहे हैं। उन्होंने दिल्ली की जनता के साथ वादा किया था कि वह 2020 में उनके साथ यमुना में डुबकी लगाएंगे लेकिन आज स्थिति यह बन चुकी है कि यमुना का पानी पीना तो दूर, नहाने लायक भी नहीं रहा। यमुना अब नदी न होकर एक गंदा नाला बनकर रह गई है। पिछले कई सालों से सुप्रीम कोर्ट दिल्ली सरकार को यमुना की सफाई के लिए निर्देश देती रही है और फटकार लगा रही है। एक समय तो अरविंद केजरीवाल ने यहां तक कह दिया था कि यमुना की सफाई हो ही नहीं सकती, क्योंकि इसमें बहुत सारी एजेंसियां काम करती हैं। केंद्र सरकार यमुना की सफाई के लिए साढ़े आठ हजार करोड़ रुपये दिल्ली सरकार को दे चुकी है लेकिन इस रकम का कोई हिसाब दिल्ली सरकार के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि यमुना के प्रदूषित होने का आरोप कोई राजनीतिक आरोप नहीं है बल्कि स्वयं दिल्ली सरकार की दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ही प्रमाणिक आंकड़ों के साथ यह स्वीकार कर चुकी है कि यमुना का पानी पिछले आठ सालों में दोगुनी दर से प्रदूषित हो गया है। बिधूड़ी ने कहा कि पिछले तीन सालों से एनजीटी दिल्ली सरकार को यमुना के प्रदूषण के प्रति सचेत कर रही है लेकिन दिल्ली सरकार के कान पर जूं भी नहीं रेंगी। अब एनजीटी ने एक हाई पावर कमेटी बनाई है और उसका अध्यक्ष उपराज्यपाल को बनाया है। जनवरी में इस कमेटी की पहली मीटिंग के बाद उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने यमुना की सफाई का बीड़ा उठाया। सक्सेना के अनथक प्रयासों से ही अब यमुना के किनारे साफ हो रहे हैं, इन किनारों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, पेड़-पौधे लगाए जा रहे हैं और नजफगढ़ नाले की सफाई का काम शुरू हुआ है। इन कदमों के बाद जब सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं तो आम आदमी पार्टी के नेताओं को तकलीफ होने लगी है। जो काम वे आठ साल में नहीं कर पाए, उपराज्यपाल ने सिर्फ तीन महीने में कर दिखाया है।

लोकतंत्र को सुनियोजित ढंग से कमजोर कर रही है भाजपा सरकार : सोनिया गांधी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। सोनिया गांधी ने मंगलवार को समाचार पत्रों में प्रकाशित लेख में मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बुनियादी मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। यह सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों को भूल चुकी है। इसका सबसे बड़ा खामियाजा देश भुगत रहा है। सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार ऐसा दिखाने की कोशिश कर रही है कि बेरोजगारी, महंगाई, गिरती अर्थव्यवस्था कोई मुद्दा ही नहीं है। जबकि सच सभी जानते हैं। विपक्ष जब इन मुद्दों को संसद में उठाना चाहती है तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। जो विपक्षी नेता मोदी सरकार से सवाल पूछते हैं उन पर जांच एजेंसियों को लगा दिया जाता है। सोनिया गांधी ने कहा कि विपक्ष को जबरन शांत करा देने से मुद्दों का हल नहीं निकलेगा। उन्होंने अपने लेख में मोदी सरकार पर कई और गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता को खत्म करने के मुद्दे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष संसद नहीं चलने दे रही है। अडानी मुद्दे पर केन्द्र सरकार चुप है। 45 लाख करोड़ रुपये का बजट बिना किसी चर्चा के ही पास कर दिया गया। यह लोकतंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। सोनिया गांधी ने अपने लेख में आरएसएस पर भी निशाना साझा। उन्होंने कहा कि देश में नफरत और हिंसा फैलाने के लिए भाजपा आरएसएस साथ काम कर रही है। सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस मोदी सरकार से डटकर मुकाबला करेगी। हम डरने वाले नहीं है। हम जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा इसका सुंदर उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हम समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ मिलकर देश के संविधान को बचाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई लोगों के हितों के लिए है। कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल होने के अपने दायित्व को समझती है और समान-विचारधारा वाली पार्टियों के साथ काम करके इस दायित्व को पूरा करने के लिए तैयार है।

सलमान खान और मुख्यमंत्री शिंदे को मिली जान से मारने की धमकी, पुलिस ने शुरू की जांच

मुंबई, (हि.स.)। फिल्म अभिनेता सलमान खान और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सोमवार मध्य रात्रि में एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी पुलिस कंट्रोल रूम को एक अज्ञात शख्स ने फोन पर दी। पुलिस ने सलमान खान की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद कर दी है। साथ ही मुंबई पुलिस ने शिंदे को धमकी देने वाले शख्स का नंबर के आधार पर लोकेशन का पता लगाकर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार सोमवार को देर रात मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में सलमान खान को जान से मारने की धमकी वाला फोन काल आया था। इस काल में अज्ञात शख्स ने कहा कि वह 30 अप्रैल को सलमान खान को जान से मार देगा। इससे पहले भी सलमान खान को ई-मेल के जरिए धमकी मिल चुकी है। धमकी भरा ई-मेल उनके मैनेजर के मेल पर भेजा गया था। मुंबई पुलिस फोन करने वाले के बारे में जानकारी जुटा रही है। इससे पहले भी सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से धमकी मिलने के बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। आत्मरक्षा के लिए सलमान ने विदेश से एक खास बुलेटप्रूफ कार भी मंगवाई है।

सोमवार को देर रात ही पुलिस कंट्रोल रूम को एक अज्ञात शख्स ने फोन करके मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उड़ाने की धमकी दी, यह कहने के बाद उसने फोन कट कर दिया। यह कॉल नागपुर पुलिस कंट्रोल रूम में आई थी। इसलिए तत्काल मुंबई पुलिस को सूचना दी गई और मुंबई पुलिस ने नंबर के आधार पर फोन करने वाले शख्स की लोकेशन का पता लगा लिया। यह कॉल मुंबई के धारावी इलाके में रहने वाले पेशे से वार्ड बॉय राजेश मारुती आगवाने ने नशे की हालत में की थी। इस मामले में पुलिस ने अभी केस दर्ज नहीं किया है, लेकिन हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है।

इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी? ये किसी चमत्कार से कम नहीं: अरविंद केजरीवाल

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने से चौड़ा हुआ केजरीवाल का सीना

अजय त्यागी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी को सोमवार को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्रदान किया। राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने के बाद आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का सीना चौड़ा हो गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी? ये किसी चमत्कार से कम नहीं। सबको बहुत बहुत बधाई। देश के करोड़ों लोगों ने हमें यहां तक पहुंचाया। लोगों को हमसे बहुत उम्मीद है। आज लोगों ने हमें ये बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी दी है। हे प्रभु, हमें आशीर्वाद दो कि हम ये ज़िम्मेदारी अच्छे से पूरी करें। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने टवीट कर कहा कि सिर्फ.10 साल में अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने वो कर दिखाया, जो बड़ी पार्टियों को करने में दशकों लग गए। हर आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता जिसने इस पार्टी के लिए खून-पसीना बहाया, सत्ता की लाठियों, आंसू गैस और पानी की बौछारों का सामना किया, उन सबको सलाम। इस नये आगाज के लिए सबको बधाई। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने सोमवार को राष्ट्रीय पार्टी के दर्जे का रिव्यू करते हुए ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), शरद पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा समाप्त कर दिया, जबकि आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया है। अब आम आदमी पार्टी देश की नई राष्ट्रीय पार्टी बन गई है।

सच कहने की सजा भोग रहे हैं पूर्व राज्यपाल मलिक : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सच कहने के चलते पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को पद से हटा दिया गया। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि मलिक ने बीते दिनों 300 करोड़ की घूस से जुड़ा एक खुलासा किया है। इस खुलासे में उन्होंने आरएसएस से जुड़े एक व्यक्ति का नाम लिया है। ऐसे में मामले की जांच होनी चाहिए। जिससे सच सामने आए। खेड़ा ने कहा कि मलिक हमेशा से सच कहते रहे हैं। जो मोदी सरकार को पसंद नहीं है। इस लिए उन्हें पद से हटा दिया गया। खेड़ा ने कहा कि मलिक जम्मू-कश्मीर का जिम्मा संभाल चुके हैं। वह अपनी सुरक्षा को लेकर गृह मंत्रालय को पत्र लिख चुके हैं लेकिन उन्हें सुरक्षा नहीं दी जा रही है। जबकि गुलाम नबी आजाद को सुरक्षा और बंगला दोनों दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट से यू-ट्यूबर मनीष कश्यप को फिलहाल कोई राहत नहीं

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट से यूट्यूबर मनीष कश्यप को फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है। जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस संजय करोल की बेंच ने मनीष कश्यप की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र, बिहार और तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया। मामले की अगली सुनवाई 21अप्रैल को होगी। मनीष कश्यप की ओर से 6 अप्रैल को पेश वकील ने कहा था कि कई एफआईआर के अलावा उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून भी लगाया गया है। तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील संजय हेगड़े ने कहा था कि आरोपित को मजिस्ट्रेट के आदेश पर हिरासत में लिया गया है। जब आरोपित न्यायिक आदेश के तहत हिरासत में है, तो रिट याचिका पर सुनवाई नहीं की जा सकती है। मनीष कश्यप ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर अंतरिम जमानत दिए जाने और उसके खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज मुकदमों को एक साथ जोड़ने की मांग की है। दरअसल, तमिलनाडु में बिहारी मजदूरों पर हमले का फर्जी वीडियो शेयर करने के मामले में आरोपित मनीष कश्यप अभी तमिलनाडु पुलिस की हिरासत में है। तमिलनाडु पुलिस की टीम कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट लेकर उसे अपने साथ ले गई थी।

आज देश के सभी प्रदेश व जिला कार्यालयों पर राष्ट्रीय पार्टी बनने का जश्न मनाएगी 'आप': गोपाल राय

अजय कुमार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय पार्टी बनने पर मंगलवार को दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय से शुरू हुआ जश्न का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। पार्टी मुख्यालय के बाद अब बुधवार को देश के सभी प्रदेश और जिला कार्यालयों पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता राष्ट्रीय पार्टी बनने का जश्न बनाएंगे। मंगलवार को यह जानकारी देते हुए आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि महज दस साल में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल कर आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय उम्मीद बन गई है। अब आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के मेक इंडिया नंबर-1 संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। देश भर में पद यात्राएं निकालेंगे और लोगों से 9871010101 पर मिस्ड कॉल कर आप से जुड़ने की अपील करेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी बनाकर देश के लोगों ने बताया कि हम उनकी उम्मीदों पर खरे उतरे हैं। राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी को कल चुनाव आयोग द्वारा राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया है। इसका पूरा देश स्वागत कर रहा है और एक उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। दस साल पहले आम आदमी पार्टी की जीरो से शुरूआत हुई थी और 10 साल बाद आज दिल्ली, पंजाब, गोवा होते हुए राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। राष्ट्रीय पार्टी बनने का मतलब है कि आप अब राष्ट्रीय उम्मीद बन गई है। आज जिस तरह सभी पार्टियां धीरे-धीरे सिमट रही हैं, उन्हीं विपरीत परिस्थितियों से लड़ते हुए आम आदमी पार्टी ने जनता का समर्थन और विश्वास हासिल करते हुए राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त किया है। इसके लिए पूरे देश के आम आदमी पार्टी के कार्यक्रताओ और सभी देशवासियों को तहे दिल से बधाई देते हैं। आज दिल्ली से राष्ट्रीय पार्टी बनने के मौके पर जश्न का सिलसिला शुरू हो चूका है। राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने देशवासियों को बधाई और धन्यवाद देते हुए कहा कि देश के लोगों ने पिछले 10 साल में आम आदमी पार्टी पर भरोसा किया, हमारा हौसला बढ़ाया, हमे प्यार दिया और इस मुकाम तक पहुंचाया कि हम देश की जनता की उम्मीदों पर खरे उतर सके। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी बनने से सबसे पहला यह फर्क पड़ेगा कि हमें विभिन्न राज्यों में चुनाव लड़ने में सहूलियत मिलेगी। दस की बजाए केवल एक प्रपोजल से हम किसी भी प्रत्याशी का फार्म भर सकते हैं। पूरे देश में आधिकारिक तौर पर हमारा चुनाव चिन्ह झाडू रिजर्व हो गया है और हमें इसके लिए कही भी अर्जी नहीं देनी पड़ेगी। साथ ही हमें राष्ट्रीय मीडिया में समय ज्यादा मिल सकेगा और हमारे काम्पैग्न्स अब 40 की संख्या में चुनाव में घोषित कर पाएंगे।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- मानसून सत्र में पेश होगा डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल

- व्हाट्स ऐप की प्राइवेसी पॉलिसी को चुनौती देने वाली याचिका पर अगली सुनवाई अगस्त के पहले हफ्ते में

नई दिल्ली, (हि.स.)। व्हाट्स ऐप की प्राइवेसी पॉलिसी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल तैयार है, जिसे मानसून सत्र के दौरान संसद में पेश किया जायेगा। जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली संविधान बेंच व्हाट्स ऐप की प्राइवेसी पॉलिसी को चुनौती देने वाली याचिका पर अगली सुनवाई अगस्त के पहले हफ्ते में करेगी। सुनवाई के दौरान अटार्नी जनरल ने कोर्ट को बताया कि सरकार जुलाई में शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में इस बिल को पेश करेगी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि इस मामले में केंद्र सरकार ने पहले कहा था कि शीतकालीन सत्र में बिल लाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब सरकार कह रही है कि मानसून सत्र में बिल लाएगी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि न्यायिक प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए, उसे विधायी प्रक्रिया से जोड़ा जाना चाहिए। केंद्र सरकार की इस दलील के बाद संविधान बेंच ने इस मामले की सुनवाई को अगस्त के पहले हफ्ते में सुनवाई के लिए तय कर दिया। कोर्ट ने 1 फरवरी को व्हाट्स ऐप से कहा था कि वो इस बात का व्यापक प्रचार प्रसार करे कि लोग उसकी 2021 की पॉलिसी मानने को फिलहाल बाध्य नहीं हैं। 17 जनवरी को केंद्र सरकार ने कहा था कि पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल तैयार किया जा रहा है। इसके लिए 2 जनवरी, 2023 तक आम लोगों की राय मांगी गई थी। केंद्र ने कहा था कि जल्द ही संसद के समक्ष व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक पेश किया जाएगा। केंद्र ने अपने हलफनामे में कहा है कि भारत में डिजिटल प्रति सुरक्षा को नियंत्रित करने वाला एक व्यापक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय ने एक मसौदा विधेयक डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल, 2022 तैयार किया है। जस्टिस केएम जोसेफ के अलावा इस संविधान बेंच में जस्टिस अजय रस्तोगी, जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस ह्रषिकेश राय और जस्टिस सीटी रविकुमार शामिल हैं। 29 सितंबर, 2022 को सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि संसद से डाटा प्रोटेक्शन बिल वापस ले लिया गया है और एक विस्तृत डाटा प्रोटेक्शन बिल तैयार किया जा रहा है। याचिकाकताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा था कि व्हाट्स ऐप की प्राइवेसी पॉलिसी को चुनौती दी गई है। व्हाट्स ऐप को अब फेसबुक(मेटा) ने अधिगृहित कर लिया है। दीवान ने कहा था कि व्हाट्स ऐप की प्राइवेसी पॉलिसी में विसंगतियां हैं। यूरोपीय देशों में अलग कानून है जबकि भारत में अलग। यूरोपीय यूजर्स ज्यादा बेहतर प्राइवेसी का उपभोग करते हैं, जबकि भारतीय यूजर्स को उतनी प्राइवेसी नहीं मिलती। उन्होंने कहा था कि प्राइवेसी एक वैश्विक मानवाधिकार है।

मैं किसी दल का समर्थक नहीं, जो हिंदू राष्ट्र का समर्थन करे, उसका साथ दें: बाबा रामदेव

भिंड, (हि.स.)। योगगुरु बाबा रामदेव सोमवार को मध्य प्रदेश के भिंड जिले के लहार पहुंचे। वे यहां चल रही सात दिवसीय भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कई लोग कहते हैं कि मैं भाजपा का समर्थक हूं, यह गलत है। मैं किसी दल का समर्थक नहीं हूं। मैं तो सनातन का समर्थक हूं। जो सनातन और हिंदू राष्ट्र की बात करे, आप भी उसका साथ दें। इस दौरान कथावाचक चिन्मयानंद बापू, पंडोखर धाम के महंत गुरुशरण महाराज सहित अन्य संत व लोग मंच मौजूद रहे। बाबा रामदेव ने कहा कि बाबा को राजनीति से क्या लेना देना, कोई सांसद बने, कोई विधायक, सीएम या पीएम बने, हमारी फकीरी को कोई चुनौती नहीं दे सकता। हम फकीर आदमी हैं। हमको किसी से क्या लेना-देना, लेकिन सत्ता में भी जो सनातन धर्म के प्रति निष्ठा रखता हो उसी को सपोर्ट करो, बाकी सभी को मोक्ष करो। साधना में सिद्धियों में पंडोखर सरकार पर हनुमानजीकी बहुत बड़ी कृपा है। शक्तियों के नाम पर भी बहुत पाखंड चलता है, लेकिन भगवान की कृपा से अनेकों को असली वाली शक्ति मिली है। बुरे लोगों का हम पर शासन नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सनातन सत्य ही शाश्वत है। एक ने मुझसे पूछा कि इन मुसलमानों का क्या होगा। मैं जब आया तो कुछ मुसलमान भी प्रणाम कर रह थे। मैंने कहा कि मुसलमान आज ही मुसलमान हैं। 99 फीसदी मुसलमान औरंगजेब के बाद बने हैं। 350-400 साल पहले इनके पुरखे और हमारे पुरखे एक ही थे। कोई मुसलमान ज्यादा तेजी से अकड़े तो उससे कहना कि अपने खून को याद कर ले, हमको मत गुर्रा हम-तुम एक ही हैं। वो मानें या न मानें, हम तो मुसलमानों को मानते हैं कि वे हमारे ही पूर्वजों की औलाद हैं। वक्त के साथ उनकी पूजा पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन पूर्वज अलग नहीं हो सकते। बाबा रामदेव ने कहा कि यहां कोई ईसाई वैटिकन सिटी या यूरोप से आए हैं क्या? हमारे जैसा उनमें खून है, चमड़ी का रंग एक है। हमारे ही कुल वंश के हैं। जो ईसाई और मुसलमान भारत में रह रहे हैं, ये सब अपने ही हैं। कोई कुछ गलत करेगा तो प्रशासन अपना काम करेगा, लेकिन हम किसी से नफरत नहीं करते। उन्होंने कहा कि बच्चों को भी धर्म ग्रंथों की शिक्षा जरूर दें। उन्हें रामायण, महाभारत, गीता, उपनिषद पढ़ाएं। बच्चों को अंग्रेजी, संस्कृत, हिंदी, विज्ञान सब पढ़ाएं। उसमें भारतीय शिक्षा जरूर पढ़ाएं। शराब, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट से दूर रहें। नशे से दूर रहें। जो भी नशा करता हो अपना नशा बाबा की झोली में डाल दे। सभी इसका संकल्प लें।

भारत की दो ही परंपरा हैं- कृषि और ऋषि - बाबा रामदेव ने मंच से भजन भी सुनाया और योग भी किया। लोगों से कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नियमित योग करें। भारत की दो ही परंपरा हैं- कृषि और ऋषि। हमने कुछ मुद्दे उठाए थे, राजनीतिक दृष्टि से देश आजाद हो गया। अभी शिक्षा, आर्थिक, वैचारिक और चारित्रिक गुलामी से देश को आजाद कराना है। तो कुछ लोग हमारे पीछे अड़ गए। आज उनके हालात ये हैं, कोई नाम लेवाल नहीं बचा है। जो धर्म के विरुद्ध आचरण करेगा उसका विनाश निश्चित है। यही विधान है। रामदेव किसी को श्राप नहीं देता है।

पूर्व सैनिक राष्ट्रीय संपत्ति, राज्य सरकारें अपने साथ जोड़ने के नए तरीके ईजाद करें : राजनाथ

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को राष्ट्रीय संपत्ति बताते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से उनके व्यावहारिक अनुभव का लाभ लेने के लिए नए तरीके ईजाद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में पूर्व सैनिकों के लिए नौकरियों में आरक्षण है, जिसका पूरी तरह से पालन और निगरानी करने की जरूरत है। राजनाथ सिंह ने राज्य सरकारों से पूर्व सैनिकों के साथ-साथ सेवारत कर्मियों के भूमि विवाद के मुद्दों को हल करने को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। राजनाथ सिंह मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केन्द्रीय सैनिक बोर्ड (केएसबी) की 31वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान उनके कल्याण और पुनर्वास के लिए नीतिगत उपायों के माध्यम से पूर्व सैनिकों की बिरादरी तक पहुंचने के तरीकों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के लिए हमारी स्वास्थ्य योजना ईसीएचएस का तेजी से विस्तार हुआ है और आज पूरे भारत में 30 रीजनल सेंटर, और 427 पॉलीक्लिनिक हैं, जिनसे लगभग 55 लाख पूर्व सैनिक जुड़े हैं। लगभग 60 हजार सैनिक हर साल सेवानिवृत्त होते हैं, इसलिए इन पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों की देखभाल करना हम सबका एक बड़ा दायित्व है। रक्षा मंत्री ने कहा कि कई मुद्दों पर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हैं। यह सब लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन जब हमारे सैनिकों और पूर्व सैनिकों के कल्याण की बात आती है तो सभी की हमेशा सामाजिक और राजनीतिक सहमति होती है। जिस तरह सशस्त्र बल पूरे देश की समान रूप से रक्षा करते हैं, उसी तरह हमारी राष्ट्रीय और सामूहिक जिम्मेदारी है कि हमारे पूर्व सैनिक समाज में लौटने पर एक सम्मानित जीवन जीयें। पिछले तीन वर्षों में लगभग 3.16 लाख लाभार्थियों को लगभग 800 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। पिछले वित्तीय वर्ष में एक लाख हितग्राहियों को करीब 240 करोड़ रुपये वितरित किए गए। रक्षा मंत्री ने कहा कि पैराप्लेजिक रिहैबिलिटेशन सेंटर, किरकी, चेशायर होम, मोहाली और देहरादून, लखनऊ और दिल्ली सहित देश भर के 36 युद्ध स्मारक अस्पतालों को संस्थागत अनुदान दिया गया है।

लखनऊ से पहुंची शत्रु संपत्ति सहायक अभिरक्षक टीम, हटाया गया अवैध अतिक्रमण

कानपुर (कान्हापुर), (हि.स.)। शत्रु संपत्ति पर हुए कब्जे को लेकर प्रशासन ने मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ खाली कराया। यह बेकनगंज के डा.बेरी चौराहे के पास स्थित है। यह कारवाई लखनऊ से आ रही सहायक अभिरक्षक टीम को देखते हुए की गई। बाबा बिरयानी समेत अन्य दुकानें सील होने के बाद फुटपाथ पर दुकानदारों ने अवैध कब्जा कर रखे थे। गौरतलब है कि राम जानकी मंदिर का एक हिस्सा शत्रु संपत्ति घोषित कर दिया गया है। बीते माह जिला प्रशासन ने कारवाई करते हुए बाबा बिरियानी, चांद स्वीट, वारसी लस्सी समेत सभी छह दुकानों को सीज कर दिया था, जिसमें अन्य पांच दुकानदार मुख्तार बाबा के किरायेदार थे। सीलिंग की कार्रवाई के बाद रमजान माह शुरू होने के बाद से आ रही सहायक अभिरक्षक की टीम को देखते हुए प्रशासन हरकत में आया। सभी दुकानों को प्रशासन ने 23 मार्च को सील कर दिया था। इन दुकानदारों ने फुटपाथ पर कब्जा कर सामान बेचना शुरू कर दिया था। मंगलवार को लखनऊ से सहायक शत्रु संपत्ति अभिरक्षक की टीम कानपुर पहुंची थी। इसे देखते हुए जिला प्रशासन की टीम मंगलवार को सक्रिय हुई और शत्रु संपत्ति के नोडल अधिकारी रामानुज, अपर नगर मजिस्ट्रेट तृतीय समेत अन्य अधिकारियों को लेकर फुटपाथ खाली कराने पहुंच गए। नोडल अधिकारी ने बताया कि परिसर में कुछ छोटी दुकानें थीं, जो मुख्तार बाबा के किराएदार थे। वहीं लोग स्टाल लगाकर फुटपाथ पर सामान बेच रहे थे। इन सभी को हटवा दिया गया है।

महात्मा ज्योतिबा फुले को सच्ची श्रद्धांजलि उनके बताए रास्तों पर चलकर होगी : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर शत-शत नमन व अपार श्रद्धा सुमन अर्पित किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि यूपी में बसपा की सरकार बनने से पहले ऐसे महापुरुष की घोर उपेक्षा की गयी। लेकिन बसपा के बैनर तले बहुजन समाज के राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरने से अब उनके वोट के लालच में वहीं जातिवादी तत्व महात्मा फुले की जयंती दिखावटी तौर पर मनाने को आतुर हैं। यह कैसा स्मरण, कैसी श्रद्धांजलि? आगे उन्होंने कहा कि ऐसे महान सपूत को दिखावटी व स्वार्थी स्मरण करने के बजाए उनके सत्यशोधक रास्ते पर चलकर समाज व देश के वास्तविक हित एवं भला करना सभी का कर्तव्य है। महात्मा ज्योतिबा फुले को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर जातिवाद भेदभाव, जातिवाद द्वेष, असमानता और छुआछूत आदि के अभिशाप से मुक्ति के लिए सही नीयत के साथ कार्य किए जाएं। मायावती ने उन पलों को भी याद करते हुए बताया कि जब इंग्लैंड में स्त्री स्वतंत्रता की मांग उठने लगी थी। फ्रांस में मानवाधिकारों के लिए क्रांति शुरू हुई, उसी दौर में महात्मा ज्योतिबा फुले ने क्रांतिकारी कदम उठाते हुए एक जनवरी 1848 को पुणे में लड़कियों का पहला स्कूल खोला और अंततः नारी शिक्षा के प्रेणता कहलाए। इस दौरान उन्हें बहुत विरोध, अपमना सहने पड़े लेकिन अपने मित्रों के सहयोग और पत्नी ज्योति सावित्री बाई फुले की मदद से उन्होंने अपना मानवतावादी मिश्नरी संघर्ष जारी रखा और अमर हो गए। उन्होंने कहा कि आज जब भी विरोधी पार्टियां नारी मुक्ति और नारी सशक्तिकरण की बातें करते हैं तो उसमें चुनावी स्वार्थ ज्यादा ईमानदारी और निष्ठा कम होती है। इसलिए यह प्रश्न उचित व सामयिक है कि क्या ऐसी संकीर्ण सोच जातिवाद मानसिकता रखने वाली विरोधी पार्टियां और संगठन के लोग कभी भी समाज और देश का सच्चा हित भला कर पाएंगे? कभी नहीं, इसलिए लोगों को ऐसे स्वार्थी और जातिवादी तत्वों से खासकर चुनाव के समय इनकी जुमलेबाजी से बहुत ही सतर्क और सजग रहना जरुरी है।

सेनेटरी पैड पर सर्वोच्च न्यायालय का आदेश स्वागत योग्य : स्वाती सिंह

– पूर्व मंत्री ने कहा, महिला स्वास्थ्य जागरूकता के लिए सेनेटरी पैड के प्रति जागरूक करना जरूरी

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश सरकार की पूर्व महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री स्वाती सिंह ने बालिकाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा पर आये सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है। स्कूलों में मुफ्त में सेनेटरी पैड वितरित किये जाने के आदेश पर स्वाती सिंह ने मंगलवार को कहा कि हम बहुत पहले से ही इस पर जोर देते आए हैं। हमने इसी के तहत अपने स्वाती फाउंडेशन के माध्यम से लखनऊ महानगर में कई जगहों पर मुफ्त सेनेटरी पैड का एटीएम लगवाया है। स्वाती सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर के 100 से अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हर माह सेनेटरी पैड वितरण के साथ ही महिलाओं और बच्चियों में सेनेटरी पैड के प्रति जागरूक करने का भी काम किया जाता है। उन्होंने कहा कि हमने मंत्री रहते हुए भी सेनेटरी पैड पर विशेष जोर दिया और इसके प्रति महिलाओं को जागरूक करने का काम किया। वह आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में यदि सेनेटरी पैड के प्रति जागरूकता आ जाए तो उनमें होने वाले कैंसर की दर को आधे से भी अधिक कम किया जा सकता है। उन्होंने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति भारत में नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ भी इसके प्रति पहले से सजग हैं। केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं से बहुत हद तक महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी आयी है, लेकिन अभी इसे और जागरूक करने की जरूरत है। स्वाती सिंह ने कहा कि सेनेटरी पैड के बारे में हर घर में चर्चा होनी चाहिए। मासिक धर्म प्रकृति की देन है। इसके बारे में शर्म के कारण महिलाएं इसका नाम लेने से बचती हैं, जिससे मासिक धर्म के समय वे लोग पुराने कपड़े आदि का प्रयोग करती हैं। इससे तमाम तरह के संक्रमण होते हैं और बाद में वह कैंसर का रूप ले लेता है। इसके प्रति हम सभी का दायित्व है कि आगे बढ़कर महिलाओं को जागरूक करें। उल्लेखनीय है कि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने देश में बालिकाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाली छात्राओं को मुफ्त सेनेटरी पैड यानी नैपकिन मुहैया कराने का आदेश जारी किया है। न्यायायल ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि देश के सभी राज्य सरकारों को छात्राओं की सुरक्षा और स्वच्छता का पुख्ता इंतजाम करना होगा।

जब प्रकृति बचेगी तभी संस्कृति की रक्षा हो पाएगी : अश्विनी चौबे

लखनऊ, (हि.स.)। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने मंगलवार को कहा कि हम संस्कृति और पर्यावरण प्रेमी हैं। प्रकृति संस्कृति से जुड़ी हुई है। हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तो प्रकृति हमारी रक्षा करेगी। जब प्रकृति बचेगी तभी संस्कृति की रक्षा हो पाएगी। वह इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव-2023 को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय राज्यमंत्री चौबे ने कहा कि क्लाइमेट चेंज देश एवं दुनिया के लिए एक चुनौती है। जलवायु परिवर्तन के कारण फसल बर्बाद हो रही है। किसान परेशान होते हैं। क्लाइमेट चेंज के कारण देशभर में जब आवश्यक होता है उस समय वर्षा नहीं होती है। इसका समाधान सभी देशों को परस्पर मिलकर निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल हमें चलना पड़ेगा। भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण की बात की गई है। क्षिति जल पावक गगन समीरा, इन पंच तत्वों की रक्षा कराना हमारी जिम्मेदारी है। हम प्राचीन काल से वसुधवै कुटुम्बकम को मानने वाले लोग हैं। संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्। देवा भागं यथा पूर्वे सञ्जानाना उपासते॥ यह हमारी पौराणिक मान्यताएं हैं। इसलिए हमें भारत की प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति से प्रेरणा लेकर प्रकृति एवं पर्यावरण का संरक्षण करना होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री चौबे ने कहा कि अभियान के तहत पर्यावरण में सुधार लाना होगा। भारत में नगर स्तर पर जलवायु संरक्षण की योजना बना रहे हैं। स्मार्ट सिटी एवं अन्य महानगरों में जलवायु परिवर्तन कम कैसे हो इस दिशा में काम हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के सुखद परिणाम भारत में देखने को मिल रहे हैं। जो लक्ष्य भारत सरकार ने तय किया है उसको हम सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर तय समय से पूर्व प्राप्त करेंगे। हर्ष का विषय है कि देश एवं दुनिया में सौर ऊर्जा और हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने योगी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण एवं जलवायु संरक्षण के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार का काम काफी अच्छा है। यहां पर बड़ी संख्या में पौधरोपण हुआ है। राज्य के वन मंत्री डॉ.अरुण कुमार सक्सेना के नेतृत्व में बेहतर काम हो रहा है। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने की। इस अवसर पर राज्य के वन मंत्री डॉ.अरुण कुमार सक्सेना, उत्तराखंड के वन मंत्री सुबोध उनियाल और महाराष्ट्र के वन मंत्री सुधीर मनगुंटीवार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मंत्री निषाद के निरीक्षण में अधिकारी कर्मचारी मिले गायब

–मत्स्य निदेशालय का निरीक्षण करने पहुंचे विभागीय मंत्री डॉ. संजय निषाद

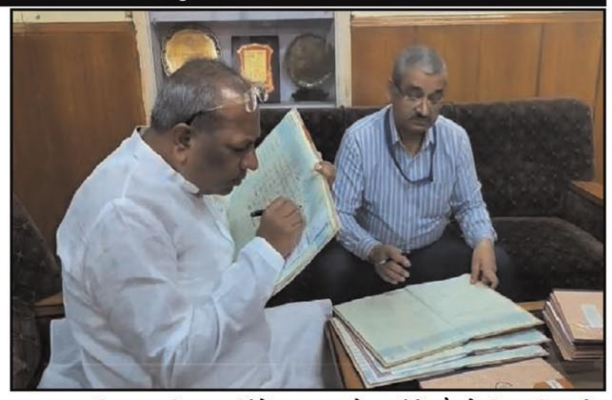

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद ने मंगलवार को मत्स्य निदेशालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी व कर्मचारी नदारद मिले। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने संयुक्त निदेशक से अनुपस्थित कर्मियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। मत्स्य मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद के लाख प्रयासों के बाद भी उनके विभागीय अधिकारी व कर्मचारी के रवैये में सुधार नहीं होता दिख रहा है। मंगलवार को उनके औचक निरीक्षण के दौरान एक बार फिर कई अधिकारी व कर्मचारी कार्यालय से गायब मिले। मंत्री ने रजिस्टर चेक किया और आने व जाने वाले कर्मियों की जानकारी की। इस दौरान मंत्री ने मौके पर उपस्थित संयुक्त निदेशक एन. एस. रहमानी को निर्देश दिए कि नदारद कर्मियों को नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण देने मांगा जाए। उन्होंने साफ कहा कि अनुपस्थित कर्मियों व अधिकारियों का जवाब संतोषजनक न होने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मंत्री डॉ. संजय निषाद का मत्स्य विभाग भले ही राजस्व अर्जित करने में इस बार काफी आगे हो लेकिन विभागीय अधिकारी, कर्मचारियों के कामकाज व उनके रवैये में बदलाव नहीं हो रहा है। ऐसा तब है जब मंत्री अक्सर अपने आईटी चौराहे स्थित विभागीय कार्यालय का निरीक्षण करते रहते हैं। हर बार अधिकारी व कर्मी नदारद मिलते हैं। उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाता है। बावजूद इसके उनमें सुधार होता नहीं दिख रहा है। इससे पहले 28 मार्च को भी मंत्री ने अपने विभागीय कार्यालय का निरीक्षण किया था। तब भी कर्मियों के गायब होने का मामला सामने आया था।

टीपीसी का गिरफ्तार दो व्यक्तियों से संबंध नहीं, नक्सली संगठन के दक्षिणी सब जोनल ब्यूरो ने दी सफाई

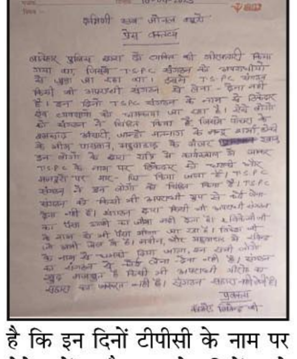

रांची, (हि.स.)। झारखंड की लातेहार पुलिस के गिरफ्तार दो व्यक्तियों के टीपीसी से संबंध होने के दावे पर नक्सली संगठन ने सवाल खड़ा किया है। तृतीय प्रस्तुत कमेटी (टीपीसी) के दक्षिणी सब जोनल ब्यूरो जितेंद्र ने इस संबंध में आज (मंगलवार) प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। इसमें दावा किया गया है कि लातेहार पुलिस ने जिन दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, उनका संगठन से कोई संबंध नहीं है। पुलिस टीपीसी को अपराधियों से जोड़ रही है। संगठन का किसी भी आपराधिक गिरोह से लेना देना नहीं है। नक्सली संगठन की विज्ञप्ति में दावा किया गया है कि इन दिनों टीपीसी के नाम पर ठेकेदारों और कारोबारियों को धमकाया जा रहा है। ऐसे लोगों को टीपीसी ने चिह्नित किया है। यह काम पोचरा का शमसाद अंसारी, जान्हो मतनाग का नंदू शर्मा, कोकी का भीम पासवान और महुआडाड़ का मंजर खान कर रहे हैं। यह लोग रात में कार्यस्थलों पर जाकर ठेकेदारों को धमकाकर मजदूरों के साथ मारपीट करते हैं। प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक टीपीसी किसी भी आपराधिक गिरोह को पैसा उगाही का जिम्मा नहीं देता है। विवेक जी के नाम पर पैसा मांगा जा रहा है। वह जेल में बंद है। नवीन और रविंद्र नाम से भी धमकी दी जाती है। इनसे भी टीपीसी का कोई लेनादेना नहीं है। टीपीसी मजबूत है। उससे किसी भी आपराधिक गिरोह की जरूरत नहीं है।

सचिवालय घेराव करने जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज, सांसद समेत कई हिरासत में

रांची, (हि.स.)। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ मंगलवार को सचिवालय का घेराव करने जा रहे भाजपा कार्यकताओं को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। भाजपा कार्यकर्ता पुलिस की बेरीकैडिंग तोड़कर सचिवालय परिसर में घुस गए। पुलिस ने भाजपा सांसदों व विधायकों सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया है। सुबह से ही राज्यभर के भाजपा कार्यकर्ता प्रभात तारा मैदान पर एकत्र होने लगे थे। इसमें हिस्सा लेने के लिए राज्यभर से हजारों कार्यकर्ता राजधानी रांची पहुंचे हैं । हल्ला बोल में हिस्सा लेने के लिए संताल परगना से सांसद निशिकांत दुबे भी हजारों समर्थकों के साथ विशेष ट्रेन से यहां पहुंचे। सचिवालय घेरो कूच से पहले प्रभात तारा मैदान पर भाजपाने एक जनसभा भी की। सभा के मंच पर भाजपा प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सदस्य लक्ष्मीकांत वाजपेयी, प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, सांसद और विधायक प्रमुख रूप से मौजूद थे। सभा के बाद एक जुलूस के रूप में भाजपा कार्यकताओं ने सचिवालय की ओर आगे बढ़े। पुलिस ने भाजपा कार्यकताओं को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। भाजपा सासंद संजय सेठ बैरिकेडिंग तोड़कर सचिवालय परिसर में पहुंच गये, बाद में उन्हें हिरासत में लिया गया है। पुलिस को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसु गैस के गोले छोड़े व पानी का बौछार छोड़ने के बाद लाठी चार्ज करना पड़ा । इससे पूरा धुर्वा इलाका रणक्षेत्र बन गया। खबर लिखे जाने तक मौके पर तनाव बना हुआ है और भाजपा कार्यकर्ता हंगामा व नारेबाजी के साथ प्रदर्शन कर रहे है। पुलिस ने सांसद सेठ के अलावा सासंद समीर उरांव, सुनील सिंह, विधायक बिरंची नारायण के अलावा अन्य नेताओं को हिरासत में लिया है। पुलिस ने महिला मोर्चा की अध्यक्ष आरती कुजूर को भी हिरासत में लिया है।

महाबोधि मंदिर के पास सब्जी बाजार में लगी आग पर पाया गया काबू, 120 दुकानें खाक

पटना/गया, (हि.स.)। गया जिले के बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर के पास मंगलवार को सब्जी बाजार में भीषण आग लगने से लगभग 120 दुकानें जलकर राख हो गई हैं। इस अग्निकांड में चार बकरियों की मौत हो गई है। आग के दौरान कई सिलेंडर ब्लास्ट होने से स्थिति और बिगड़ गई है। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने मौके पर बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। आग इतनी भीषण थी कि आगे की लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थी। महाबोधि मंदिर के पास स्थित सब्जी बाजार में आग लगने के बाद विकराल रूप धारण कर लिया है। आग के दौरान आठ-दस गैस सिलेंडरों में ब्लास्ट भी हुआ है। इस भीषण आग की चपेट में आने से लगभग 120 दुकानें जलकर राख हो गई हैं। मंडी में कई दुकानदारों के आलू व प्याज के गोदाम थे। आग में सभी दुकानों का सामान जलकर राख हो गया। दुकानदारों ने बताया कि इस अग्निकांड में फल, सब्जी, अंडा की दुकानें जल गई। आग की चपेट में आने से चार बकरी की मौत हो गई है। बताया गया कि मंडी के निचले हिस्से में पड़े कचरे में किसी ने आग लगा दी थी। आग की लपटों ने सब्जी मंडी की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। दुकानदार इससे पहले कुछ समझ पाते, तब तक आग की लपट पूरे मंडी में फैल गईं। सूचना पर अग्निश्मन विभाग की दो गाड़ियों के साथ कर्मी पहुंचे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। अग्निश्मन वाहन का पानी भी खत्म होने पर गया से अग्निश्मन वाहन पहुंचे। तब आग पर पूर्णतया काबू पाया गया। पीड़ित दुकानदार अपनी दुकानों के नुकसान का आकलन कर रहे हैं। इस दौरान अग्निशमन विभाग की बदइंतजामी भी सामने आई है। नगर परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि व भाजपा नेता विजय मांझी भी घटनास्थल पर पहुंचे और आग से दुकानदारों को हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि घटना दुखद है, इसकी जांच कराई जाएगी। इस सब्जी मंडी में नगर परिषद ने 93 दुकानें आवंटित कर रखी थीं। इसके अलावा कई अन्य दुकानें भी अवैध रूप से भी संचालित हो रही थीं।

हाई कोर्ट ने सरकार से पूछा : गर्मी में लोगों को स्वच्छ पेयजल देने की क्या है तैयारी

रांची, (हि.स.)। झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची के विभिन्न जलाशयों और तालाबों के अतिक्रमण संबंधित एक याचिका पर मंगलवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार तथा नगर निगम से पूछा है कि गर्मी के मद्देनजर लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए क्या इंतजाम किए जा रहे हैं, इसकी जानकारी दी जाए। यह आदेश झारखंड हाई कोर्ट के चीफ संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ ने दी है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार और याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शुभम कटारुका ने अपना पक्ष रखा। याचिकाकर्ता खुशबू कटारुका ने रांची के बड़ा तालाब और जिला के आसपास के जलस्त्रोतों को संरक्षित करने और इसमें हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दाखिल जनहित याचिका में कहा गया है कि बड़ा तालाब, कांके डैम और धुर्वा डैम की सैकड़ों एकड़ जमीन अतिक्रमणकारियों ने हड़प ली है। वहां मल्टी स्टोरेज बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है, जिससे जलाशयों के जलस्त्रोत प्रभावित होने के साथ ही दूषित भी हो रहे हैं।

केंद्र सरकार हर मोर्चे पर हो रही है विफल इसलिए देश की सम्पति को बेचा जा रहा है : दानिश इकबाल

नुक्कड सभा का आयोजन कर केंद्र की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से कराया अवगत

किशनगंज, (हि.स.)। शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल के (राजद) युवा प्रदेश महासचिव दानिश इकबाल के नेतृत्व में नुक्कड सभा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां राजद नेताओं द्वारा केंद्र की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से लोगों को अवगत कराया गया। दानिश इकबाल ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है इसलिए देश की सम्पत्तियों को बेचा जा रहा है। आज अगर लोग जागरूक नहीं हुये तो कल पूरे देश को इससे भारी नुकसान उठाना पडेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार तेजी से विकास कर रहा है और बिहार का विकास आने वाले समय में पूरे देश के लिए मॉडल होगा। उन्होंने कहा की देश में गुजरात माडल की नहीं बल्कि बिहार माडल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सीएम नितीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के काम से पुरे देश में बिहार का नाम गौरवान्वित हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल नफरत की सियासत करती है उसे देश के विकास से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा देश नफरत से नहीं बल्कि मुहब्बत से आगे बढेगा। दानिश इकबाल ने जोर देकर कहा कि अनेकता में एकता की जो खुबसूरती हमारे देश में है वह संसार के किसी भी हिस्से में देखने को नहीं मिलती है और यही हमारे देश की असल ताकत है जिसे कभी कोई समाप्त नहीं कर सकेगा।

ग्रामीण विकास से होगा देश का विकास, आत्मनिर्भर बना रही है आरसेटी : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को यूको बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बेगूसराय में डोमेन स्किल ट्रेनर के प्रमाणीकरण के दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण की शुरूआत की। इस अवसर पर 50 करोड़ से अधिक का ऋण भी वितरित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि किसी भी कार्य में निपुण होने के लिए आवश्यक है कि आप प्रशिक्षित हों। इसके साथ ही आपको प्रमाणित होने की भी जरूरत होती है। इससे क्रियाकलापों में निपुणता तो आती है, साथ ही विश्वसनीयता भी बढ़ जाती है। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान ग्रामीण युवक-युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने का अतुलनीय काम कर रही है। आरसेटी द्वारा देशभर में 44 लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें से 30 से अधिक अपने रोजगार में लग गए हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि ग्रामीण विकास से ही देश का विकास संभव है। ग्रामीण युवक-युवतियों को बेरोजगारी दूर करने के लिए उन्हें हुनरमंद बनाकर स्वरोजगार शुरू कराने में ग्रामीण स्वरोजगार संस्थानों की भूमिका काफी बढ़ जाती है। बिहार में एक लाख 25 हजार को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें 85 हजार रोजगार से जुड़े।

बैंक अपनी जिम्मेदारियों को ठीक से निभाए, परफेक्ट लोन देने से रोजगारी बढ़ेगा। सभी जीविका दीदी के साथ ही भैया को भी लखपति बनाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बैंक जितना फाइनेंस करेगा रोजगार उतना बढ़ेगा। कोई भी लोग रोजगार के लिए ऋण लेने बैंक जाए तो उसके साथ नखरा नहीं करें।आरसेटी बैंक से जगह लेकर देशभर में ट्रेनिंग सेंटर खोले। बैंक के सभी शाखा द्वारा दो बहनों को प्रशिक्षित कर स्टैंड अप इंडिया के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराए, जीडीपी बढ़ाने में यह बड़ी सहायक साबित होगी। मुद्रा योजना एवं स्वनिधी के काम में भी तेजी लाएं, इससे युवा और महिलाएं रोजगार लेने नहीं, रोजगार देने वाले बनेंगे। मौके पर भाजपा विधायक कुंदन कुमार ने कहा कि वास्तव में यह बहुत ही अच्छी पहल है कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में जो भी प्रशिक्षक हैं, वह प्रमाणित होने के बाद लोगों को प्रशिक्षण देने का काम करते हैं। इससे एक बेहतर प्रशिक्षण का वातावरण बन पाएगा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता काफी बढ़ जाएगी। नेशनल कंट्रोलर असेसमेंट एवं क्वालिटी एश्योरेंस नेशनल अकादमी ऑफ बेंगलुरु के आर.आर. सिंह ने कहा कि हमारी यह जिम्मेदारी है कि एक उत्कृष्ट डोमेन स्किल ट्रेनर का चुनाव करें।

संपादकीय

लापरवाही छोड़ें, सतर्क रहें

देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमितों की संख्या में तेजी दिखायी दे रही है, जिसके कारण स्वास्थ्य मंत्रालय सजग हो गया है। देश के विभिन्न शहरों में प्रमुख चिकित्सालयों में कोरोना से निपटने की तैयारियों का परीक्षण किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने नागरिकों से कोविड संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह भी किया है। हालांकि, देश में अभी कोरोना की स्थिति व्यापक और खतरनाक नहीं है लेकिन सावधानी रखना अत्यंत आवश्यक है ताकि स्थिति बिगड़ने न पाये। जिन लोगों ने कोरोना रोधी टीके का सतर्कता खुराक नहीं ली है, उन्हें जल्द ही समीप के स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर सतर्कता खुराक ले लेनी चाहिए। यदि आवश्यक न हो तब अधिक भीड़-भाड़ के क्षेत्र में न जाएं। मास्क पहनने से भी हम कोरोना संक्रमण से बचे रह सकते हैं। ध्यान रहे कि हमें चिंतित नहीं होना है और घबराना नहीं है लेकिन आवश्यक सावधानी अवश्य रखनी है। जैसे हमने थोड़ी सतर्कता दिखायी तो कोरोना महामारी की तीसरी आवृत्ति को भारत में आने से रोक दिया था, वैसी ही सावधानी रखने से बढ़ते मामलों को भी नियंत्रित किया जा सकता है। कोरोना महामारी के प्रतिकूल एवं खतरनाक प्रभाव हम सबके ध्यान में हैं इसलिए सभी लोगों को लापरवाही छोड़कर, सतर्कता दिखानी चाहिए। सरकार ने जिस तरह देशभर में टीकाकरण अभियान चलाया था, उसके कारण से इस बात की आशंका कम ही है कि कोरोना महामारी अपने भयावह रूप में लौट पाएगी। बावजूद इसके यह मानना सही नहीं है कि कोरोना समाप्त हो गया है या इसका खतरा पूरी तरह टल चुका है। कोविड-19 का नया वेरिएंट एक्सबीबी.1.16 है जिसने दूसरे वेरिएंट्स की जगह ले ली है और तेजी से फैल रहा है। हाल के दिनों में इसके प्रसार में आई तेजी के पीछे यही नया वेरिएंट है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को भारत ने पिछले 24 घंटों में 5,880 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए, जो सक्रिय केस लोड को 35,199 तक ले गए। दैनिक पॉजिटिविटी दर 6.91 प्रतिशत है जबकि साप्ताहिक पॉजिटिविटीदर 3.67 प्रतिशत है। स्पष्ट है कि वायरस के प्रसार में आई इस तेजी की अनदेखी नहीं की जा सकती। हालांकि यह संख्या भी खतरनाक नहीं कही जा सकती। यह बात भी सही है कि वायरस का नया वेरिएंट वैसा मारक नहीं है। इससे संक्रमित होने के बाद सामान्य मरीज को बुखार होता है, जो धीरे-धीरे चढ़ता है, सिरदर्द, बेचैनी और गले में तकलीफ भी होती है, लेकिन एक-दो दिनों में ही यह ठीक भी हो जाता है। इससे मौत का अनुपात काफी कम है। लेकिन यह फैलता काफी तेजी से है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस पर नजर रखने की सलाह दी है। अब तक का अनुभव बताता है कि कोरोना वायरस न केवल रूप बदलता है बल्कि अपनी क्षमता में भी वृद्धि कर सकता है। ऐसे में नहीं कहा जा सकता कि इसका जो रूप कम खतरनाक नजर आ रहा है, वही फैल जाने के बाद नए रूप में ज्यादा खतरनाक नहीं हो जाएगा। स्वाभाविक ही, केंद्र सरकार ने इस पर कड़ी नजर बनाए रखी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक में ताजा हालात के साथ संभावित चुनौतियों से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की। बहरहाल, कोरोना से घबराने की नहीं अपितु सावधानी की आवश्यकता है। सतर्कता के सामने यह संक्रमण अपने हथियार डाल देता है।

> कोरोना महामारी की तीसरी आवृत्ति को भारत में आने से रोक दिया था, वैसी ही सावधानी रखने से बढ़ते मामलों को भी नियंत्रित किया जा सकता है। कोरोना महामारी के प्रतिकूल एवं खतरनाक प्रभाव हम सबके ध्यान में हैं इसलिए सभी लोगों को लापरवाही छोड़कर, सतर्कता दिखानी चाहिए। सरकार ने जिस तरह देशभर में टीकाकरण अभियान चलाया था, उसके कारण से इस बात की आशंका कम ही है कि कोरोना महामारी अपने भयावह रूप में लौट पाएगी। बावजूद इसके यह मानना सही नहीं है कि कोरोना समाप्त हो गया है या इसका खतरा पूरी तरह टल चुका है। कोविड-19 का नया वेरिएंट एक्सबीबी.1.16 है जिसने दूसरे वेरिएंट्स की जगह ले ली है और तेजी से फैल रहा है। हाल के दिनों में इसके प्रसार में आई तेजी के पीछे यही नया वेरिएंट है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को भारत ने पिछले 24 घंटों में 5,880 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए, जो सक्रिय केस लोड को 35,199 तक ले गए।

बोध कथा

गिलहरी की तन्मयता

एक संन्यासी जीवन के रहस्यों को खोजने के लिए कई दिनों तक तपस्या और कठोर साधना में लगे रहे, पर आत्मज्ञान की प्राप्ति नहीं हुई। थक हारकर उन्होंने तपस्या छोड़कर घर लौटने का निश्चय किया। दुख और पराजय की भावना ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया था। वह निराश होकर घर वापस आ रहे थे। रास्ते में उन्हें प्यास लगी। पानी पीने के लिए वह एक नदी के किनारे गये। सामने उन्हें एक अजीब नजारा दिखाई दिया। एक नन्हीं गिलहरी नदी के जल में अपनी पूंछ भिगोकर पानी बाहर छिड़क रही थी। गिलहरी बिना थके अविचल भाव से इस कार्य को करती जा रही थी। संन्यासी को उत्सुकता हुई। उन्होंने गिलहरी से पूछा, 'प्यारी गिलहरी, तुम यह क्या कर रही हो?' गिलहरी ने विनम्रता से उत्तर दिया, 'इस नदी ने मेरे बच्चों को बहाकर मार डाला। मैं उसी का बदला ले रही हूं। मैं नदी को सुखाकर ही छोड़ूंगी।' संन्यासी ने कहा, 'तुम्हारी छोटी सी पूंछ में भला कितनी बूंदें आती होंगी। तुम्हारे इतने छोटे बदन, थोड़े से बल और सीमित साधनों से यह नदी कैसे सूख सकेगी ? इतना बड़ा काम असंभव है। तुम इसे कभी खाली नहीं कर सकती।' गिलहरी बोली, 'यह नदी कब खाली होगी, यह मैं नहीं जानती। लेकिन मैं अपने काम में निरंतर लगी रहूंगी। मैं श्रम करने और कठिनाइयों से टकराने के लिये तैयार हूं फिर मुझे सफलता क्यों नहीं मिलेगी ?' संन्यासी सोचने लगा कि जब यह नन्हीं गिलहरी अपने थोड़े से साधनों सें इतना बड़ा कार्य करने का स्वप्न देखती है, तब भला मैं उच्च मस्तिष्क और मजबूत बदन वाला विकसित मनुष्य अपनी मंजिल को क्यों नहीं पा सकता। यह सोचकर संन्यासी दुगने उत्साह से वापस अपने पथ पर चल पड़ा। कोई भी कार्य चाहे कितना भी मुश्किल हो, चाहे कितनी भी कठिनाई हो, हिम्मत नहीं हारना चाहिए, यदि कोई कार्य करने की ठान लें, तो अपने आत्म विश्वास को कायम रखें।धैर्य और उत्साह से बिना थके अविचल भाव एवं तन्मयता से लगे रहें।

अमृत कलश

प्रार्थना का अर्थ

प्रार्थना का अर्थ यह नहीं होता है कि सिर्फ बैठकर कुछ मंत्रों का उच्चारण किया जाए। इसके लिए आवश्यक है कि आप निर्मल, शांत और ध्यान अवस्था में हों। इसलिए वैदिक पद्धति में प्रार्थना के पहले ध्यान होता है और प्रार्थना के उपरांत भी ध्यान होता है। जब मन एकाग्र होता है तो प्रार्थना और भी शक्तिशाली हो जाती है। जब आप प्रार्थना करते हैं तो उसमें आपको पूर्ण रूप से निमग्न होना होता है। यदि मन पहले से कहीं और भटक रहा है तो फिर वहां प्रार्थना नहीं होती है। जब आपको कोई दुःख होता है तब आप अधिक एकाग्रचित्त हो जाते हैं। इसीलिये दुःख में लोग अधिक सुमिरन करते हैं। प्रार्थना आत्मा की पुकार होती है। प्रार्थना तब होती है जब आप कृतज्ञता महसूस कर रहे होते हैं या आप अत्यंत निस्सहाय या निर्बल महसूस कर रहे होते हैं। इन दोनों ही परिस्थितियों में आपकी प्रार्थना की पुकार सुनी जाएगी। जब आप निःस्सहाय होते हैं तो प्रार्थना अपने आप ही निकलती है। इसीलिए कहते हैं कि "निर्बल के बल राम" - यदि आप कमजोर हैं तो ईश्वर आपके साथ है। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आप किसकी प्रार्थना कर रहे हैं। प्रार्थना में प्रयोग करे जाने वाले शब्द, प्रतीक और अनुष्ठान किसी धर्म विशेष के द्वारा दिए गए हो सकते हैं परंतु प्रार्थना उन सबसे परे होती है। वह भावनाओं के सूक्ष्म स्तर पर घटित होती है और भावनाएं शब्द और धर्म के परे हैं। प्रार्थना के कृत्य ही में परिवर्तन लाने की शक्ति होती है। यदि आपकी प्रार्थना नहीं सुनी जाती तो वह इसलिए क्योंकि आपने अपना सर्वश्रेष्ठ समय कभी भी नहीं दिया।इसलिए नहीं सुनते हैं भगवान आपकी प्रार्थना1आप प्रार्थना सच्चे दिल से करें। और दिव्य शक्ति के साथ अपनी चालाकी दिखलाने का प्रयत्न नहीं करें।आप अपना सर्वश्रेष्ठ समय दिव्यता के लिए निकालें तो निश्चय ही आपको उसका उचित प्रतिफल मिलेगा।

ट्रैवल एजेंटों आदि को बाजार से बाहर करने के लिए उपभोक्ताओं को भारी छूट देती हैं

ई-कॉमर्स में गेम चेंजर 'ओएनडीसी'

डा. अश्वनी महाजन

> ई-कॉमर्स ने जीवन को बेहद आसान बना दिया है, क्योंकि लोगों को घर बैठे एक बटन क्लिक करने पर आसानी से वस्तुएं और सेवाएं मिल जाती हैं। रेल-बस टिकट हो या हवाई यात्रा, होटल बुकिंग हो या टैक्सी, ऑटो से आना-जाना सब कुछ बेहद सुविधाजनक हो गया है। इतना ही नहीं, ई-कॉमर्स के माध्यम से विभिन्न प्रकार की घरेलू और व्यावसायिक सेवाओं तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। लेकिन इसके साथ ही कुछ बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों का दबदबा बढ़ रहा है, जिससे पारंपरिक व्यवसायों को भारी नुकसान हो रहा है। सवाल केवल कमीशन का नहीं है, ये ई-कॉमर्स कंपनियां डेटा पर अपने एकाधिकार के कारण विभिन्न विक्रेताओं के बीच भेदभाव करती हैं और अपने पसंदीदा विक्रेताओं को वरीयता देती हैं और इस प्रकार अन्य विक्रेताओं को नुकसान होता है।

एक दशक से अधिक समय से, ई-कॉमर्स में भारत और दुनिया में भारी वृद्धि देखने को मिली है। भारत में कुल खुदरा व्यापार का लगभग 6.5 प्रतिशत आज ई-कॉमर्स के माध्यम से होता है। ई-कॉमर्स ने जीवन को बेहद आसान बना दिया है, क्योंकि लोगों को घर बैठे एक बटन क्लिक करने पर आसानी से वस्तुएं और सेवाएं मिल जाती हैं। रेल-बस टिकट हो या हवाई यात्रा, होटल बुकिंग हो या टैक्सी, ऑटो से आना-जाना सब कुछ बेहद सुविधाजनक हो गया है। इतना ही नहीं, ई-कॉमर्स के माध्यम से विभिन्न प्रकार की घरेलू और व्यावसायिक सेवाओं तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। लेकिन इसके साथ ही कुछ बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों का दबदबा बढ़ रहा है, जिससे पारंपरिक व्यवसायों को भारी नुकसान हो रहा है। सवाल केवल कमीशन का नहीं है, ये ई-कॉमर्स कंपनियां डेटा पर अपने एकाधिकार के कारण विभिन्न विक्रेताओं के बीच भेदभाव करती हैं और अपने पसंदीदा विक्रेताओं को वरीयता देती हैं और इस प्रकार अन्य विक्रेताओं को नुकसान होता है। हालांकि, ये कंपनियां अपने ग्राहकों को सस्ता सामान और सेवाएं प्रदान करने का दावा करती हैं, लेकिन वास्तव में अपनी आर्थिक ताकत के चलते ये कंपनियां छोटे पारंपरिक दुकानदारों, ट्रैवल एजेंटों आदि को बाजार से बाहर करने के लिए उपभोक्ताओं को भारी छूट देती हैं। अपने स्वयं के पैसे से और ड्राइवरों को आकर्षित करने के लिए उन्होंने भारी प्रोत्साहन भी दिया। लेकिन अब अपना व्यवसाय स्थापित करने के बाद, उबर सरीखे एग्रीगेट्रों के द्वारा उपभोक्ताओं को अधिक भुगतान करने के लिए मजबूर किया जाता है, और ड्राइवरों की कमाई का लगभग एक तिहाई इन एग्रीगेट्रों द्वारा छीन लिया जाता है। एग्रीगेटर के रूप में काम करने वाली ई-कॉमर्स कंपनियां छोटे वेंडरों और गरीब कामगारों की आमदनी का एक बड़ा हिस्सा हड़प रही हैं। ऐसे में उनके पास केवल दो विकल्प हैं, या तो अपना शोषण होने दें या व्यवसाय छोड़ दें। इतना ही नहीं, ई-कॉमर्स कंपनियों के कैश बर्निंग मॉडल की वजह से परंपरागत कारोबारी भी धंधे से बाहर हो रहे हैं। चाहे किराना दुकान हो या रेडीमेड परिधान की दुकान या इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू सामान के शोरूम, या पारंपरिक ट्रैवल एजेंट, ई-कॉमर्स कंपनियों के आने से विभिन्न प्रकार के

खुदरा व्यापार में लोगों के रोजगार का क्षरण हुआ है। कहा जा सकता है कि आज का ई-कॉमर्स समावेशी नहीं है। हालांकि, हम ई-कॉमर्स को बंद नहीं कर सकते हैं और ऐसा करने की कोई आवश्यकता भी नहीं है; सवाल विक्रेताओं और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा का है। क्या हम इन ई-कॉमर्स दिग्गजों के लालच पर रोक लगा सकते हैं? इन सवालों के जवाब भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) में मिल रहे हैं, जो कंपनी अधिनियम की धारा 8 के तहत पंजीकृत एक कंपनी है। ओएनडीसी नेटवर्क ई-कॉमर्स को एक चैनल प्रदान कर रहा है। यह खरीददारों और विक्रेताओं के बीच एक कड़ी प्रदान करने की कोशिश करता है, जो शोषणकारी नहीं है। इस प्रणाली में, ई-कॉमर्स कंपनियां डेटा पर एकाधिकार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के माध्यम से विक्रेताओं के बीच भेदभाव नहीं कर सकती हैं। कुल मिलाकर ओएनडीसी एक ऐसा चैनल होगा जिसमें उपभोक्ता विभिन्न प्रकार के विक्रेता, सेवा प्रदाता आदि को आसानी से खोज सकेंगे और ई-कॉमर्स बाजार में एकाधिकार के बजाय प्रतिस्पर्धा के आधार पर विक्रेताओं के व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा सकेगा। ओएनडीसी क्या है? : ओएनडीसी सामान्य ई-कॉमर्स कंपनियों जैसा प्लेटफॉर्म नहीं है। आमतौर पर ई-कॉमर्स कंपनियां एक प्लेटफॉर्म के जरिए काम करती हैं। विक्रेता या सेवा प्रदाता संबंधित प्लेटफॉर्म पर अपना पंजीकरण कराते हैं और उन्हें कई प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण कराना होता है। हालांकि, ये प्लेटफॉर्म उपभोक्ताओं और विक्रेताओं दोनों को छूट और प्रोत्साहन का लालच देकर, अपनी आर्थिक ताकत के बलबूते उन्हें आकर्षित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन एक बार जब उनका व्यवसाय स्थापित हो जाता है, तो अपने लाभ को अधिकतम करने के लिए वे उपभोक्ता और विक्रेता, दोनों का शोषण करते हैं। ओएनडीसी वास्तव में विभिन्न प्लेटफार्मों और उपभोक्ताओं के बीच की एक कड़ी है जो लाभ के उद्देश्य से काम नहीं करता है। अभी तक सामान्य ई-कॉमर्स में विक्रेता और सेवा प्रदात्ताओं को प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन कराना होता था, इसलिए वे उन प्लेटफार्मों पर निर्भर होते हैं। उपभोक्ता प्लेटफॉर्म पर केवल उन्हीं विक्रेताओं को देख पाते हैं, जो उस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं। ओएनडीसी एक ऐसी प्रणाली है जिसमें विभिन्न प्रकार के प्लेटफॉर्मों को ही पंजीकरण की सुविधा प्रदान की जाती है। लेकिन ओएनडीसी की शर्त यह है कि इनमें से किसी भी प्लेटफॉर्म पर जिन वेंडरों या सेवा प्रदाताओं ने खुद को पंजीकृत कराया है, उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं ओएनडीसी पर आने वाले सभी ग्राहकों को दिखाई देंगी। यानी ओएनडीसी एक ऐसी प्रणाली है जिसमें कुछ भी अपारदर्शी नहीं है। यह प्रणाली जियोग्राफिक इनफारमेशन सिस्टम (जीआईएस) यानि भौगोलिक सूचना प्रणाली के माध्यम से काम करती है और लाखों विक्रेताओं व करोड़ों उपभोक्ताओं को उनके स्थान यानि लोकेशन के आधार पर सुविधा प्रदान कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपभोक्ता घर बैठे किसी रेस्तरां से खाना या किराना सामान मंगवाना चाहता है, तो ओएनडीसी प्रणाली में, आस-पास के सभी रेस्तरां या किराना स्टोर तक वो पहुंच सकता है और जो भी वो खरीदना चाहता है, खरीद सकता है। ये सभी विक्रेता और सेवा प्रदाता, विभिन्न प्लेटफार्मों पर पंजीकृत होने के बावजूद, ओएनडीसी पर संभावित खरीददारों को दिखाई देंगे। हालांकि, जिन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वेंडर पंजीकृत हैं, वे वेंडर के साथ अपने समझौते के अनुसार शुल्क लेना जारी रख सकते हैं, लेकिन व्यवसाय लाने के लिए प्लेटफार्मों के बीच प्रतिस्पर्धा से उनका कमीशन अपने आप कम हो सकता है। हर प्लेटफॉर्म ज्यादा से ज्यादा बिजनेस लाने के लिए अपना कमीशन कम रखना चाहेगा। इस प्रकार ओएनडीसी ई-कॉमर्स को प्लेटफार्मों के एकाधिकार से मुक्त करता है और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करता है।

भारतीय संस्कृति में छिपा जीवन का रहस्य

> भारतीय समाज और युवा वर्ग पर यदि पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव इसी प्रकार बढ़ता रहा, तो यह एक चिंतनीय विषय होगा। साथ ही पढ़ाई के प्रति उदासीनता भी बच्चों को गलत राह पर ले जाती है। युवाओं में भटकाव के पीछे एकल परिवार भी महत्वपूर्ण कारक है। आज दुनिया भौतिकतावादी हो गई है और लोगों की जरूरतें बढ़ती जा रही हैं। इसलिए उनके अंदर तनाव और अवसाद बढ़ता जाता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को अपनी संस्कृति से भी अवगत कराएं ताकि उनको सही दिशा मिल सके। अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा, घर से दूर रहकर पढ़ाई, बड़े शहरों और विदेश में नौकरी की ललक, पाश्चात्य परिवेश की ओर झुकाव और मोबाइल फोन ने युवाओं को भारतीय संस्कृति से दूर कर दिया है। टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले अधिकतर सीरियल भी पश्चिमी संस्कृति को पोषित-पल्लवित करते हैं जिससे युवा पीढ़ी प्रभावित होती है।आज का युवा तकनीकी मोहमाया से भ्रमित है। युवा वर्ग भारतीय संस्कृति की महत्ता को नहीं समझता है। इसके लिए उसके पास अनेक प्रकार के तर्क उपलब्ध होते हैं। युवा वर्ग को भारतीय संस्कृति से जोड़ने की कोशिश की जानी चाहिए। यह समय सांस्कृतिक विरासत को संभालने का समय है। वैश्वीकरण और आधुनिकीकरण की चकाचौंध में युवा वर्ग हमारी पुरातन संस्कृति की महान विरासत को भूलते जा रहा है। नैतिक मूल्यों का पतन होने लगा है, मानवता और संवेदनशीलता कम हो रही है।

भारतीय संस्कृति समूचे विश्व को आकर्षित करती है, लेकिन हम भारतीय ही अपनी संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। जहां हम कभी अपनी संस्कृति पर गर्व करते थे, वहीं आज का युवा वर्ग का मोह पश्चिमी संस्कृति की तरफ बढ़ता जा रहा है। दिन प्रतिदिन हम पश्चात्य संस्कृति को अपनाते जा रहे हैं और हमारी संस्कृति केवल किताबों और कहानियों में ही कहीं गुम होती जा रही है। सबसे जरूरी है हमारे सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करना। त्याग, सम्मान, संयम, सत्य, अहिंसा, अध्यात्म ये सभी हमारी संस्कृति की पहचान हैं। आजकल के इनसान ने अपने सिद्धान्तों और मूल्यों से दूरी बनानी शुरू कर दी है। युवा वर्ग पर पश्चिमी सभ्यता का अत्यधिक प्रभाव है। युवाओं में अपनी संस्कृति और मान्यताओं से लगाव नहीं है। युवा वर्ग का गलत रास्तों पर जाना भी पश्चिमी सभ्यता के बढ़ते परिणाम का ही फल है। भारतीय समाज और युवा वर्ग पर यदि पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव इसी प्रकार बढ़ता रहा, तो यह एक चिंतनीय विषय होगा। साथ ही पढ़ाई के प्रति उदासीनता भी बच्चों को गलत राह पर ले जाती है। युवाओं में भटकाव के पीछे एकल परिवार भी महत्त्वपूर्ण कारक है। आज दुनिया भौतिकतावादी हो गई है और लोगों की जरूरतें बढ़ती जा रही हैं। इसलिए उनके अंदर तनाव और अवसाद बढ़ता जाता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को अपनी संस्कृति से भी अवगत कराएं ताकि उनको सही दिशा मिल सके। अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा, घर से दूर रहकर पढ़ाई, बड़े शहरों और विदेश में नौकरी की ललक, पाश्चात्य परिवेश की ओर झुकाव और मोबाइल फोन ने युवाओं को भारतीय संस्कृति से दूर कर दिया है। टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले अधिकतर सीरियल भी पश्चिमी संस्कृति को पोषित-पल्लवित करते हैं जिससे युवा पीढ़ी प्रभावित होती है। आज का युवा तकनीकी मोहमाया से भ्रमित है। युवा वर्ग भारतीय संस्कृति की महत्ता को नहीं समझता है। इसके लिए उसके पास अनेक प्रकार के तर्क उपलब्ध होते हैं। युवा वर्ग को भारतीय संस्कृति से जोडने की कोशिश की जानी चाहिए। यह समय सांस्कृतिक विरासत को संभालने का समय है। वैश्वीकरण और आधुनिकीकरण की चकाचौंध में युवा वर्ग हमारी पुरातन संस्कृति की महान विरासत को भूलते जा रहा है। नैतिक मूल्यों का पतन होने लगा है, मानवता और संवेदनशीलता कम हो रही है। आपसी सौहार्द, प्रेम और भाईचारे को तो हम भूलते ही जा रहे हैं। हमें याद रखना होगा कि नैतिकता, अपनत्व और देशभक्ति जैसे मूल्यों ने ही भारतीय संस्कृति को बनाए रखने में योगदान दिया है। यह जरूरी है कि हम हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। युवा वर्ग के कन्धों पर ही यह जिम्मेदारी है। आज का युवावर्ग पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर अपनी मूल भारतीय संस्कृति से विमुख होता जा रहा है जो गंभीर चिंता की बात है। भारत ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर की बदौलत ही विश्व में अपनी एक अलग पहचान बना रखी है। इस पहचान को बनाए रखने की जिम्मेदारी युवा वर्ग की है। देश के युवा बेशक इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में आगे बढ़ें, लेकिन अपनी संस्कृति को हमेशा जिंदा रखें। भारतीय संस्कृति विश्व की सभी संस्कृतियों में सर्वश्रेष्ठ है। यहां पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों, धरती-जल को भी देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। वर्तमान में पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण, पोर्नसाइट के मकडज़ाल, वेब सीरीज में अश्लील दृश्यों व गंदी गालियों की भरमार ने युवा वर्ग को इस प्रकार अपने जाल में फंसाया है कि वह चाहकर भी इनसे निकल नहीं पा रहा है। युवा के मन में भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को लेकर एक आदर्श छवि बनी हुई है, लेकिन जब वह वास्तविकता के धरातल पर स्थितियों को बहुत बदला हुआ पाता है तो जाने-अनजाने में अपनी संस्कृति से दूर होता चला जाता है। अपनी महान संस्कृति से परिचित करवाने एवं युवा पीढ़ी को पथ प्रदर्शित करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। बाल्यावस्था से ही परिवार में बच्चों को अच्छे संस्कार और मानवीय मूल्यों की शिक्षा दी जानी चाहिए। उनके अनुचित व्यवहार को नजरअंदाज न करके उन्हें समझाना चाहिए ताकि उनकी छोटी गलतियां भविष्य में अपराध का रूप न ले सकें। संदिग्ध गतिविधियों को जागरूकता और सजगता के द्वारा निरंतर हो रहे अपराधों को रोका जा सकता है। आज का युवा विदेशी संस्कृति से ज्यादा प्रभावित है। उसकी नजर में मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषा का महत्त्व नहीं है। अंग्रेजी को ज्यादा महत्त्व दिया जा रहा है। रीति-रिवाज में नई पीढ़ी को कोई दिलचस्पी नहीं है और पाश्चात्य संस्कृति हावी होती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत की युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति से विमुख हो रही है, वहीं विदेशियों में भारतीय संस्कृति का सम्मान करने के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। प्रदेश में आयोजित होने वाले हर मेले और उत्सव में प्रदेश की संस्कृति की झलक मिलती है, लेकिन धीरे-धीरे इन आयोजनों पर पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेलों को तब तक अधूरा माना जाता है, जब तक कि बालीवुड का बड़ा कलाकार इनमें शिरकत न करे। इसके लिए आयोजन होने के करीब एक माह पूर्व कलाकारों से मोलभाव शुरू हो जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि बाहरी राज्यों के कलाकारों को दोगुने मानदेय पर बुला लिया जाता है, जबकि लोकल कलाकारों को बेहद कम मानदेय दिए जाते हैं। प्रदेश में मेलों के आयोजन का उद्देश्य तभी पूरा हो पाएगा जब इनके माध्यम से प्रदेश की संस्कृति और लोकगीतों व कलाकारों को प्रोत्साहित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन के सिमटने का एक बड़ा कारण यह भी है कि आयोजनों में वही घिसा-पिटा पश्चिमी मनोरंजन परोसा जाता है। यही कारण है कि आजकल मेले भीड़ तो जुटाते हैं लेकिन संस्कृति का प्रचार नहीं कर पाते। अपनी संस्कृति को बचाने के लिए जरूरी है कि लोगों को अपनी संस्कृति की महत्ता के बारे में जागरूक किया जाए, खास कर युवा वर्ग को इस बारे में बताना होगा। बाहरी कलाकारों की अपेक्षा स्थानीय कलाकारों को अधिक मौका दिया जाना चाहिए। स्थानीय कलाकारों को बुनियादी सुविधाएं दी जानी चाहिए। ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि प्रदेश के लोक दल दूसरे राज्यों में जाएं और दूसरे राज्यों के कलाकार यहां आएं। संस्कृति को पर्यटन से जोड़ा जाना चाहिए।

देश दुनीया से

भोला राम के जीव

यमलोक में उस समय हाहाकार मच गया, जब आज से दो दशक पूर्व भारत सरकार ने पुरानी पेंशन योजना को ख़त्म कर नई पेंशन योजना शुरू करने का ऐलान किया। यमराज की समझ में नहीं आ रहा था कि जब हरिशंकर परसाई जी के पेंशन न मिलने वाले एक 'भोला राम का जीव' से निपटने में ही उनके पसीने छूट गए थे तो आने वाले समय में उन लाखों भोला राम के जीवों से कैसे निपटेंगे जो सरकार के इस फैसले से जीते जी ही जीवों में बदल जाएंगे। जिनकी भर्ती इस निर्णय से पहले की थी, वे निश्चिंत होकर बैठे थे। पर नए भर्ती हो रहे कर्मचारियों के दिल में पुरानी पेंशन की तड़प लैला-मजनूँ के दिलों की तड़प से कहीं ज़्यादा थी। चित्रगुप्त के साथ बैठे यमराज गंभीर मंत्रणा में मगन थे। दोनों भारत के भविष्य से अधिक उन कर्मचारियों के जीवों के लिए चिंतित थे जो भोला राम के जीव की तरह उनके हाथों से फिसलने वाले थे। अगर इन भोला रामों के जीव मृत्यु लोक में ही विचरने लगे तो अनर्थ हो जाएगा। ब्रह्मा को अपनी सृष्टि के नियम बदलने होंगे। ओल्ड पेंशन स्कीम की चाह रखने वाले भोला रामों के लिए पृथ्वी लोक में काटी गई यातना के आधार पर यमलोक में स्वर्ग की सुविधाओं को अपग्रेड या नर्क की यातनाओं को डॉऊनग्रेड करना होगा। जो भोला राम ओल्ड पेंशन की चाह में उम्र भर जलते रहे होंगे, उनके कर्मों के हिसाब के लिए कोई अलग फार्मूला ईजाद करना होगा। लेकिन उससे बड़ी समस्या थी कि इन भोला रामों के जीवों को ढूढ़ेंगे कहाँ? अगर मिल भी गए तो उनकी दयनीय हालत देखकर मृत और जीवित भोला रामों में अन्तर करना असंभव होगा। ओल्ड पेंशन की चाह में भोला रामों की पहचान के लिए यमदूतों को नए सिरे से प्रशिक्षित करना होगा। सिर पर हाथ धरे बैठे यमराज और चित्रगुप्त के चिंता में डूबे होने से यमलोक नए आने वाले जीवों के कर्मों का हिसाब-किताब बंद हो चुका था। कुरसी सुरक्षित रखने के चक्कर में चित्रगुप्त ने अपने किसी जूनियर को कर्मों के लेखे-जोखे के लिए प्रशिक्षित नहीं किया था। उनके ठीहे पर न बैठने से जीवों की लाईनें लम्बी होकर शिवलोक तक पहुँचने लगी थीं। चारों ओर हाहाकार मचता देख राजऋषि नारद आदत के अनुसार प्रॉब्लम की सैटलमेंट के लिए यमलोक की ओर दौड़े। पहुँचते ही अपने चिरपरिचित अन्दाज़ में 'नारायण-नारायण' का उद्घोष करते हुए बोले, 'माहराज यह क्या अनर्थ हो रहा है। पृथ्वी और देवलोक दोनों जगहों पर त्राहि-त्राहि मची हुई है।' यमराज सिर उठाते हुए बोले, 'राजऋषि! यमलोक में आपका स्वागत है। जम्बोद्वीप में ओल्ड पेंशन स्कीम को समाप्त किए जाने से यह समस्या आन खड़ी हुई है।' 'हे देवर्षि! अब तो आप ही कुछ करें। पिछली बार भी आप ही ढूँढ़ कर लाए थे, भोला राम के जीव को।' चित्रगुप्त नारद की ओर देखते हुए बोले। नारद बोले, 'नारायण-नारायण! महराज, मुझे कहाँ मुसीबत में डाल रहे हो। मैं तो सदियों से देवों को उन राक्षसों से बचने के उपाए बताता आ रहा हूँ, जो जन्म से राक्षस थे। पर मनुष्य तो जानबूझ कर राक्षस बन रहे हैं। हर रोज़ बढ़ते स्वार्थ और भ्रष्टाचार के चलते आने वाले समय में भोला रामों के जीव राजनीतिक दलों के दफ्तरों, चुनावी घोषणापत्रों और नेताओं के घरों, गलियों-चौराहों, सरकारी सचिवालयों और कार्यालयों के गलियारों तथा धूल चाटती फाइलों में लिपटे मिलेंगे। पर ओल्ड पेंशन की चाह इतनी तीव्र होगी कि आपके दूत तो क्या आपका पाश भी उन्हें खींचने में विफल रहेगा।

> चित्रगुप्त के साथ बैठे यमराज गंभीर मंत्रणा में मगन थे। दोनों भारत के भविष्य से अधिक उन कर्मचारियों के जीवों के लिए चिंतित थे जो भोला राम के जीव की तरह उनके हाथों से फिसलने वाले थे। अगर इन भोला रामों के जीव मृत्यु लोक में ही विचरने लगे तो अनर्थ हो जाएगा। ब्रह्मा को अपनी सृष्टि के नियम बदलने होंगे। ओल्ड पेंशन स्कीम की चाह रखने वाले भोला रामों के लिए पृथ्वी लोक में काटी गई यातना के आधार पर यमलोक में स्वर्ग की सुविधाओं को अपग्रेड या नर्क की यातनाओं को डॉऊनग्रेड करना होगा। जो भोला राम ओल्ड पेंशन की चाह में उम्र भर जलते रहे होंगे, उनके कर्मों के हिसाब के लिए कोई अलग फार्मूला ईजाद करना होगा। लेकिन उससे बड़ी समस्या थी कि इन भोला रामों के जीवों को ढूढ़ेंगे कहाँ? अगर मिल भी गए तो उनकी दयनीय हालत देखकर मृत और जीवित भोला रामों में अन्तर करना असंभव होगा। ओल्ड पेंशन की चाह में भोला रामों की पहचान के लिए यमदूतों को नए सिरे से प्रशिक्षित करना होगा।

नागरिक बोध

भारत की हुंकार और शेरो की दहाड़ से दुनिया में भारत की बनी पहचान

विश्व गुरु बनने जा रहे भारत की हुंकार की परिकल्पना पूरा विश्व समुदाय कर रहा है। दुनिया मे भारत की प्रसिद्धि बढ़ी है। भारत दुनिया मे अव्वल देश बनता जा रहा है । दरअसल,शेरो की दहाड़ पूरे विश्व की हैसियत बनती जा रही है। विश्व की 75 प्रतिशत शेरो की आबादी भारत मे विधमान है।मैसूर इंटरनेशनल बिग कैट्स अलायंस की शुरुआत मोदी के हाथों हुई। पर्यावरण की दृष्टि से दुनिया मे बेहतर स्थिति भारत की है। शेरो की दहाड़ सुनने पर्यटकों की बढ़ती रुचि से पर्यावरण विभाग के आय के स्त्रोत खड़े हुए है।देश मे लगातार आंकड़ा बढ़ने से आज भारत के पास 3167 टाइगर्स की आबादी है। जिसका 75 प्रतिशत दुनिया की आबादी में हिस्सा है। मोदी ने पर्यावरण सुरक्षित रखने और डायवर्सिटी का विस्तार पर जोर देकर भारत का अपना दायित्व बताते हुए जी 20 अध्यक्षता के दौरान निरन्तर प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है। अमृतकाल के दौरान विजन डॉक्युमेंट पर पचास रुपए का सिक्का जारी करने की घोषणा की गई। पर्यावरण के प्रति मोदी का लगाव और जंगली प्राणियों के संरक्षण के प्रयास को सरकार की सफलता बताई। मोदी ने उन तमाम सात प्रजाति के संरक्षण के लिए विशेष व्यवस्था का प्रावधान किया गया है।कैरिंग कैपिसिटी के लिए सरकार की मंशा साफ है। देश का विकास और अभ्यारण्य की देखरेख के चलते शेरो की आबादी बढ़ रही है। भारत मे वन्यजीवों के प्रति संवेदना और प्राणियों के संरक्षण से पर्यावरण को नई दिशा और सरंक्षण की पूरी व्यवस्था पर केंद्र सरकार की सीधी नजर है। इसके जरिये राज्य सरकार को भी निर्देश जारी किए है। कुनो नेशनल पार्क में चार सुंदर शावकों के जन्म दिया है। जिसका आयात अफ्रीका से मोदी सरंक्षण में किया गया था। अभयारण्यों के मूल्यांकन के जरिये देश मे लोगो की बढ़ती जिज्ञासा भारत की उपलब्धि है। समय समय पर बाघो के लिए सरकार संकल्पित है। सरकार ने कई देशों की सदस्यता खोलकर उत्साहवर्धन करने का प्रयास किया है।मोदी के अलग अंदाज देश दुनिया ने देखा और अनुभव किया । मोदी ने एलिफेंट कैम्प की मुलाकात कर हाथियों को भोजन और गन्ने खिलाने का आनन्द उठाया। उन्होंने देश को प्रकृति के सरंक्षण भारतीय संस्कृति का एक हिस्सा बताते हुए वन्यजीवों से प्रेम करने का संदेश दिया।

सीरिया गृह युद्ध के 12 साल पूरे हुए: सिर्फ अलेप्पो में 51 हजार लोग मारे गए, खंडहर में बदला शहर; जंग के बारे में सब कुछ

डमस्कस।

कल्पना कीजिए कि जिस शहर या गांव में आप ने जन्म लिया, जहां आपने बचपन बिताया वो खंडहर में तब्दील हो जाए। जो गलियां कभी बाजार की चहल-पहल में व्यस्त होती थीं, वो जंग के मैदान में बदल जाएं और अपने ही अपनों की जान ले रहे हों। मात्र कल्पना कर लेने से यह स्थिति इतनी खौफनाक लगती है, लेकिन सीरिया के अलेप्पो में रह रहे लोगों के लिए यह उनकी हकीकत है।

मार्च में सीरिया की जंग के 12 साल पूरे हो गए। इतने सालों में अकेले अलेप्पो शहर में 51 हजार से ज्यादा लोगों की जान गई है। अलेप्पो शहर की 35 हजार इमारतें तबाह हो गईं। जंग की वजह से सीरिया की 6 यूएनईएससीओ वर्ल्ड हेरिटेज साइट को भारी नुकसान हुआ।

सबसे पहले जानें जंग के हालात कैसे बने

2011 में जब अरब क्रांति की चिंगारी सीरिया तक पहुंची, तो वहां भी लोगों ने बशर-अल-असद की तानाशाही के खिलाफ आवाज बुलंद करना शुरू कर दिया। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन तब शुरू हुआ, जब सीरिया के डेरा इलाके में पुलिस ने कुछ स्कूल के बच्चों को हिरासत में ले लिया। उसकी वजह केवल यह थी कि उन बच्चों ने बशर-अल-असद के खिलाफ स्कूल की दीवार पर कुछ नारे लिख दिए थे।

काफी दिनों तक जब उन बच्चों को पुलिस ने नहीं छोड़ा तो हजारों की तादाद में लोग शांतिप्रिय प्रदर्शनों के लिए सड़कों पर उतर आए। 'आर्मी और हम एक हैं' के नारे लगा रहे लोगों पर सेना ने गोलियां चलाना शुरू कर दिया। शुरुआत में इस गोलीबारी में दो या तीन लोगों की मौत हुई थी, लेकिन उसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ना शुरू हो गया। वो लगातार प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतरने लगे।

अब बात केवल उन बच्चों की नहीं रही थी बल्कि लोगों के हकों और उनके अधिकारों पर आ गई थी। धीरे-धीरे यह प्रदर्शन डेरा से दमास्कस, होम्स, हाना, लताकिया, बनियास, से होते हुए 2012 में अलेप्पो शहर तक पहुंच गया। जैसे-जैसे प्रदर्शन बढ़ता गया, वैसे-वैसे बशर-अल-असद के इशारों पर आर्मी की ज्यादतियां भी बढ़ने लगीं। अब आर्मी एक या दो लोगों को नहीं बल्कि हर प्रदर्शनकारी को निशाना बनाने लगी थी। आर्मी की ज्यादतियों से तंग आकर कुछ प्रदर्शनकारियों ने आर्मी को उसी की भाषा में जवाब देना शुरू कर दिया और हथियार उठा लिए।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी राष्ट्रपति के उत्तरी आयरलैंड दौरे से पहले भड़की हिंसा, नकाबपोश ने पुलिस वाहनों पर किया हमला

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्टपति जो बाइडन की उत्तरी आयरलैंड के यात्रा से एक दिन पहले, लंदनडेरी में हिंसा भड़क उठी। दरअसल, कुछ नकाबपोश लोगों ने पुलिस की वाहन पर पेट्रोल बमों और अन्य वस्तुओं से हमला किया।

यह हिंसा गुड फ्राइडे शांति समझौते का विरोध करने वाली परेड के दौरान हुआ। लंदनडेरी में हुए हिंसा में चार आयरिश युवाओं को पुलिस वाहन पर पेट्रोल फेंकने के दौरान पकड़ लिया गया। जब तक युवक को पुलिस ने पकड़ा, तब तक वाहन के एक तरफ आग लग चुकी थी। इस आग की वजह से भीड़ तितर-बितर हो गई। पुलिस के जानकारी के अनुसार कोई भी घायल नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि बाइडन उत्तरी आयरलैंड पहुंचेंगे। उनकी यह चार दिवसीय यात्रा गुड फ्राइडे समझौते की 25वीं वर्षगांठ के साथ होगी। व्हाइट हाउस ने पिछले हफ्ते ही इस बात की पुष्टि की थी। डेरी शहर और स्ट्राबेन क्षेत्र के मुख्य अधीक्षक कमांडर निगेल गोडार्ड ने बताया कि जो भी हुआ और जो भी नजारें यहां देखने को मिला वह वाकई में बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा- हमारे अफसरों के ऊपर होने वाला यह एक मूर्खता और लापरवाही वाला हमला था। उन्होंने बताया कि पुलिस को सबूत और फुटेज मिल चुका है, जिसकी आतंकवाद अधिनियम 2000 के तहत संभावित अपराधों की जांच के हिस्से के रूप में समीक्षा की जाएगी बाइडन बेलफास्ट पहुंचेंगे और अगले तीन दिनों के लिए आयरलैंड जाने से पहले बेलफास्ट विश्वविद्यालय में भाषण देंगे।यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब उत्तरी आयरलैंड में तीन दशकों के सांप्रदायिक रक्तपात को समाप्त करने वाले गुड फ्राइडे समझौते पर हस्ताक्षर के 25 साल पूरे हो गए हैं।

पेंटागन से लीक हुए दस्तावेज राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा, अफसर बोले- यह कैसे हुआ, अभी पता नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के केंद्र पेंटागन से लीक हुए गुप्त दस्तावेजों का मसला अब बाइडन प्रशासन के गले की फांस बनता जा रहा है। सोमवार को पेंटागन के अधिकारियों ने यह माना कि इन डॉक्यूमेंट्स का लीक होना अमेरिकी की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही पेंटागन ने कहा था कि यूक्रेन युद्ध से जुड़े उसके कई दस्तावेज लीक हो गए हैं। इसे लेकर विभाग ने जांच भी बिठाई है। बताया गया है कि इस मामले की जांच अमेरिका के न्याय मंत्रालय की ओर से की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जो दस्तावेज लीक हुए हैं, वे सिर्फ रूस और यूक्रेन युद्ध से ही नहीं जुड़े हैं, बल्कि अमेरिका की आंतरिक सुरक्षा और अमेरिका के साथी देशों के बारे में भी अति-संवेदनशील जानकारी वाले हैं। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय में सार्वजनिक मामलों के उपमंत्री क्रिस मीघर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जो भी दस्तावेज ऑनलाइन वायरल हुए हैं, वे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करते हैं और उनसे गलत सूचना फैलने का खतरा भी पैदा हो गया है। उन्होंने कहा, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे कि यह लीक कैसे हुआ, साथ ही इससे कितना नुकसान हुआ है। इसके अलावा यह जांच भी की जा रही है कि किस तरह की सूचना लीक हुई है और किस-किस के पास पहुंच चुकी है।

अमेरिका में खत्म हुआ कोरोना की वजह से लगा राष्ट्रीय आपातकाल, तीन साल पहले ट्रंप शासन में हुआ था लागू

वॉशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने देश में लागू कोविड पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी और नेशनल इमरजेंसी को खत्म करने का एलान किया है। बाइडन प्रशासन ने इसी साल जनवरी में एलान किया था कि वह कोरोना महामारी के हालात और मामलों की समीक्षा करने के बाद 11 मई से देश में राष्ट्रीय आपातकाल खत्म कर देगा। हालांकि, इससे एक महीने पहले ही राष्ट्रपति ने इमरजेंसी हटाने का एलान कर दिया। अमेरिका में यह आपातकाल पिछले तीन वर्षों से लागू था। इसे कोरोनावायरस संक्रमण के केस मिलने के बाद जनवरी 2020 में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से लागू किया गया था। व्हाइट हाउस की प्रेस रिलीज में कहा गया कि 10 अप्रैल 2023 को राष्ट्रपति बाइडन ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किया, जिससे कोरोनावायरस महामारी के मद्देनजर लगाए गए राष्ट्रीय आपातकाल को खत्म किया जा रहा है। जिस प्रस्ताव पर बाइडन ने हस्ताक्षर किया है, उसे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के सांसद पल गोसर की ओर से पेश किया गया था और सदन में इसके पक्ष में 229 वोट पड़े थे, जबकि खिलाफ में 197 वोट होने की वजह से इसे पास कर दिया गया था।

ताजपोशी के बाद सुनहरे रथ की सवारी करेंगे किंग चार्ल्स

शाही काफिले का रूट छोटा किया; पहली बार किंग के क्राउन का इमोजी जारी

लंदन।

ब्रिटेन में 6 मई को किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला की ताजपोशी को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। चार्ल्स और कैमिला बकिंघम पैलेस से एक काले रंग के डायमंड जुबली स्टेट कोच रथ में बैठकर वेस्टमिनस्टर ऐबे पहुंचेंगे। हालांकि, इस दौरान उनका काफिला पिछली बार(एलिजाबेथ की ताजपोशी) की तुलना में छोटा रास्ता अपनाएगा। बकिंघम पैलेस ने बताया कि किंग एक साधारण समारोह चाहते हैं जिसमें मॉडर्न टच हो। वेस्टमिनस्टर पहुंचने से पहले किंग और क्वीन का काफिला 2 किलोमीटर का सफर तय करेगा। इस दौरान वे एडमायरैलिटी आर्च, ट्राफलगर स्क्वायर, चार्ल्स-1 के स्टैच्यू और संसद होते हुए 11 बजे ताजपोशी के लिए पहुंचेंगे। सेरेमनी के बाद किंग-क्वीन 260 साल पुराने गोल्ड स्टेट कोच चैरियट में बैठकर वापस पैलेस जाएंगे।

सेंट एडवर्ड का ताज पहनेंगे किंग चार्ल्स

ब्रिटेन में 70 साल बाद हो रहे ताजपोशी समारोह के लिए एक खास इमोजी भी जारी किया गया है। ये सोशल मीडिया के दौर में पहली ताजपोशी को दर्शा रहा है। इमोजी में एक क्राउन बना हुआ है जो सेंट एडवर्ड के ताज से प्रेरित है। चार्ल्स को ताजपोशी के वक्त यही ताज पहनाया जाएगा। सेरेमनी के जरिए किंग दिखाना चाहते हैं कि ब्रिटेन में अभी भी राजशाही का महत्व है। हालांकि उन्होंने पूरे कार्यक्रम को 1953 में हुई क्वीन एलिजाबेथ की सेरेमनी से छोटा रखने वाले हैं।

2.2 किलो सोने से बना क्राउन का फ्रेम

कैंटरबरी के आर्चबिशप जस्टिन वेल्बी समारोह आयोजित करेंगे। इस दौरान किंग को सेंट एडवर्ड क्राउन पहनाया जाएगा। इसका फ्रेम 2.2 किलो सोने से बनाया गया है। इसमें नीलम, गार्नेट, पुखराज सहित कई कीमती पत्थर जड़े हुए हैं। इसके अलावा इसमें एक बैंगनी रंग के मखमल के कपड़े की कैप और एर्माइन बैंड लगा हुआ है। 1953 में क्वीन एलिजाबेथ ने भी अपने राज्याभिषेक के दौरान इसी ताज को पहना था। इसके बाद इसे टावर ऑफ लंदन में रख दिया गया था।

सेरेमनी में शामिल होंगे कई रॉयल सिम्बल

हालांकि, सदियों से इस्तेमाल हो रहे ज्यादातर रॉयल चिह्न इस समारोह का हिस्सा होंगे। इनमें 5 प्रतीकात्मक तलवारें, 2 सेप्टर, सोवरिन रिंग ऑफ सैफायर और रूबी क्रॉस सेट डायमंड शामिल होंगे। ताजपोशी के दौरान कैमिला को क्वीन मैरी का ताज पहनाया जाएगा, जिसे हाल ही में रेनोवेट किया गया है। इस दौरान उनके हाथ में हाथी के दांत से बना विवादित सेप्टर(राजदंड) मौजूद होगा।

दरअसल, ब्रिटेन में हाथी के दांत से बने सामानों के व्यापार पर करीब पूर्ण प्रतिबंध है और सिंहासन के अगले उत्तराधिकारी प्रिंस विलियम जानवरों के अंगों की अवैध तस्करी के खिलाफ अभियान चला चुके हैं।

260 साल पुराने रथ से वापस लौटेंगे किंग-क्वीन

समारोह खत्म होने के बाद वापस लौटते वक्त चार्ल्स को दूसरा इम्पीरियल स्टेट क्राउन पहनाया जाएगा। किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला 260 साल पुराने गोल्ड स्टेट कोच चैरियट में बैठकर पैलेस वापस लौटेंगे। ब्रिटेन में पहले भी ताजपोशी के बाद वापस जाने के लिए इसी रथ का इस्तेमाल किया जाता रहा है जो काफी चर्चा में भी रहा है।

विवादों में रहा है गोल्ड स्टेट कोच चैरियट

एलिजाबेथ ने रथ से वापस जाने की यात्रा को भयानक बताया था। वहीं क्वीन विक्टोरिया ने कहा था कि ये अनुभव परेशान करने वाला था। विलियम 4 ने रथ से वापस लौटने पर कहा था कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे उपर-नीचे होती तेज लहरों के बीच में उन्हें किसी जहाज पर सवार कर दिया गया हो।

सोने का पानी चढ़ा होने की वजह से इस रथ का वजन बहुत ज्यादा होता है। ये बहुत धीमी गति से आगे बढ़ता है जिससे जनता नए किंग-क्वीन को ज्यादा समय तक देख सके।

अमेरिका के लुइसविले शहर में अंधाधुंध गोलीबारी, चार की मौत, नौ घायल, पुलिस ने हमलावर को किया ढेर

न्यूयॉर्क।

अमेरिका में एक बार फिर अंधाधुंध गोलीबारी की घटना सामने आई है। केंटकी प्रांत के सबसे बड़े शहर लुइसविले के एक बैंक में स्थानीय समय के अनुसार एक बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर चार लोगों की हत्या कर दी। हमले में नौ लोग घायल भी हुए हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 23 वर्षीय एक व्यक्ति ने लुइसविले बैंक में राइफल से अंधाधुंध गोलीबारी कर चार लोगों की हत्या कर दी, मृतकों में गवर्नर के करीबी दोस्त भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि आरोपी खुद उसी बैंक का एक कर्मचारी था। पुलिस प्रमुख जैकलीन गिविन-विलारोएल ने हमलावर की पहचान कॉनर स्टर्जन के रूप में की है।

लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग के उप प्रमुख पॉल हम्फ्रे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह घटना ओल्ड नेशनल बैंक में हुई है। हमलावर बंदूकधारी की भी मौत हो गई है। घायलों में पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि हमलावर ने खुद को मारा या अधिकारियों ने उसे गोली मारी। हम्फ्रे ने कहा कि हम मानते हैं कि वह अकेला बंदूकधारी था, जो इस हमले में शामिल था और उसका बैंक से संबंध था। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बैंक से उसका क्या संबंध था, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वह एक पूर्व कर्मचारी था।

लुइसविले अस्पताल की प्रवक्ता हीथर फाउंटेन ने एक ईमेल में कहा कि गोलीबारी में दो पुलिस अधिकारियों समेत नौ लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज किया रहा है। उन्होंने कहा कि एक अधिकारी की हालत गंभीर है और तीन मरीजों को छुट्टी दे दी गई है।

केंटकी प्रांत के गवर्नर एंडी बेशियर ने भावुक होकर कहा कि ईस्ट मेन स्ट्रीट की इमारत में हुई गोलीबारी में उन्होंने अपने दोस्तों को खो दिया। उन्होंने कहा, यह बहुत बुरा हुआ। मेरा एक बहुत करीबी दोस्त था जो अब नहीं रहा और एक दोस्त जो अस्पताल में है, मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ठीक हो जाएगा।

गोलीबारी की यह घटना इस साल देश में होने वाली 15वीं ऐसी घटना है जिसमें सामूहिक तौर पर लोगों की हत्या की गई। दो सप्ताह पहले ही टेनेसी प्रांत के नैशविले में एक ईसाई प्राथमिक विद्यालय में एक पूर्व छात्र द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी कर तीन बच्चों और तीन वयस्कों की हत्या कर दी गई थी। उस राज्य के गवर्नर और उनकी पत्नी के मित्र भी उस गोलीबारी में मारे गए थे।

रूस का सबसे खतरनाक ज्वालामुखी फटा, 10 किलोमीटर की ऊंचाई तक दिखा राख का ढेर

रूस।

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे जंग के बीच अब एक और खतरा मंडरा रहा है। रूस के कामचाटका प्रायद्वीप में शिवलुच ज्वालामुखी के फटने से राख का ढेर लगभग 10 किलोमीटर की ऊंचाई तक नजर आया। इसे हवाई यातायात के लिए खतरा बताया जा रहा है।

15 किमी ऊंचाई तक हो सकता है विस्फोट

कामचाटका ज्वालामुखी विस्फोट प्रतिक्रिया टीम (केवीईआरटी) ने बताया कि ज्वालामुखी के फटने के बाद उड्डयन विभाग को चेतावनी जारी कर दी गई है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि ज्वालामुखी में 15 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्फोट कभी भी हो सकता है। इससे कम उड़ान वाले विमान और अंतरराष्ट्रीय गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं।

लोग यात्रा न करें

उस्ट-कामचत्स्की नगरपालिका क्षेत्र के अधिकारी ने स्कूलों को बंद करवा दिया था। साथ ही लोगों को अपने घरों में रहने के आदेश दिए। अधिकारी ने कहा कि विस्फोट के बाद धूआं 70 किलोमीटर दूर क्लाईची और कोजीरेवस्क के क्षेत्रों तक फैल गया है। इसलिए लोगों को अनावश्यक यात्रा करने से बचने को कहा गया है।

साल 2007 में सबसे खतरनाक विस्फोट

धरती पर कई ज्वालामुखी मौजद हैं, जिनकी गिनती भी नहीं की जा सकती है। इनमें से शिवलुच ज्वालामुखी 10,771 फीट ऊंचा है। यह कामचाटका प्रायद्वीप का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी है। पिछले 10 हजार साल में 60 बार भयानक विस्फोट कर चुका है।

महिलाओं पर और कड़ी पाबंदियां, अब गार्डन और हरी-भरी लोकेशन वाले रेस्तरां जाने पर रोक

अफगानिस्तान।

तालिबान औरतों पर एक के बाद एक कड़ी पाबंदियां लगा रहा है। जहां एक ओर महिलाएं अपने हक के लिए आवाज उठा रही हैं। वहीं दूसरी ओर, तालिबान उनकी स्वतंत्रता को छीन रहा है। ऐसे में उसने एक और फैसला सुनाया है कि अफगानिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हेरात प्रांत में परिवारों और महिलाओं का बगीचों या हरे-भरे स्थानों वाले रेस्तरां में जाना प्रतिबंधित रहेगा।

एक अधिकारी ने कहा कि तालिबान ने यह फैसला धार्मिक विद्वानों और लोगों की शिकायत के बाद लिया है। उनका कहना है ऐसी जगह पर पुरुषों और महिलाओं के साथ-साथ बैठने की शिकायत मिल रही थी।

साल 2021 में सत्ता संभालने के बाद से ही तालिबान लड़कियों और महिलाओं पर लगातार पाबंदियां लगा रहा है। उसने पहले बच्चियों और महिलाओं की पढ़ाई पर नियम लागू किए। बाद में उनके संयुक्त राष्ट्र में नौकरी करने सहित कई रोजगार पर रोक लगा दी। इतना ही नहीं अफगानिस्तान में महिलाओं का पार्क और जिम जैसे सार्वजनिक स्थानों पर भी जाना प्रतिबंधित है।

अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं और पुरुषों के साथ-साथ बैठने और कथित तौर पर हिजाब सही ढंग से नहीं पहनने के कारण यह प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध केवल हेरात में महिलाओं के लिए लागू है, जबकि ऐसे परिसर पुरुषों के लिए खुले रहेंगे।

हेरात में सदाचार निदेशालय के एक उप अधिकारी बाज मोहम्मद नजीर ने मीडिया रिपोर्ट का खंडन किया है, जिसमें यह कहा जा रहा है कि महिलाओं को सभी रेस्तरां में जाने से मना कर दिया है। उनका कहना है कि यह प्रतिबंध सभी रेस्तरां पर नहीं लगाया गया है। यह केवल पार्क जैसे हरे क्षेत्रों वाले रेस्तरां पर लागू होता है, जहां पुरुष और महिलाएं मिल सकते हैं। हेरात में सदाचार निदेशालय के प्रमुख अजीजुर्रहमान अल मुहाजिर ने कहा कि एक पार्क को रेस्तरां का नाम दे दिया था, जहां पुरुष और महिलाएं एक साथ बैठ सकते थे। हमारे ऑडिटर उन सभी पार्कों का निरीक्षण कर रहे हैं जहां पुरुष और महिलाएं जाते हैं। ऐसी जगह पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। नजीर ने उन रिपोर्टों का भी खंडन किया कि जिसमें बताया जा रहा है कि प्रांत में विदेशी फिल्मों, टीवी शो और संगीत की डीवीडी की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है।इस पर उन्होंने कहा कि व्यापार मालिकों को इस सामग्री को बेचने के खिलाफ सिर्फ सलाह दी गई थी क्योंकि यह इस्लामी मूल्यों का खंडन करती है। नजीर ने कहा कि जिन दुकानदारों ने सलाह पर अमल नहीं किया, उनकी दुकानें बंद कर दी गईं।

देश में मुसलमानों के हालात पर सीतारमण ने दुनिया को दिखाया आईना, पाक पर साधा निशाना

वाशिंगटन।

अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में स्थित अमेरिकी थिंक टैंक पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स (पीआईआईई) में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत की नकारात्मक पश्चिमी धारणा का करारा जवाब दिया। यहां वह भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और विकास पर चर्चा कर रही थीं। कोरोना महामारी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार पर निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह भारतीय लोगों का लचीलापन है जो उन्होंने इसे अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। लोगों ने इसे चुनौती के रूप में लिया और घर में त्रासदियों के बावजूद अपने कारोबार के लिए बाहर आए।

पाकिस्तान पर साधा निशाना

पोसेन ने सीतारमण से यह भी सवाल किया कि पश्चिमी प्रेस में विपक्षी दल के सांसदों की सदस्यता खोने और भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के हिंसा का शिकार होने के बारे में व्यापक रिपोर्टिंग हो रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है और यह आबादी संख्या में अब भी बढ़ रही है। यदि कोई धारणा है या यदि वास्तव में ऐसा है कि उनका जीवन कष्टमय है या सरकार के समर्थन से मुश्किल बना दिया गया है, जैसा कि इनमें से अधिकांश लेखों में लिखा जाता है। मैं पूछना चाहती हूं कि क्या यह भारत के बारे में इस मायने में कहना सही होगा जब मुस्लिम आबादी 1947 की तुलना में बढ़ रही है वहीं पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की हालत बद से बदतर होती जा रही है और उनकी संख्या दिन पर दिन घटती जा रही है।

उन्होंने कहा कि कुछ मुस्लिम वर्गों की संख्या भी पाकिस्तान में कम हुई है। वहीं भारत में हर वर्ग के मुस्लिम अपना व्यापार कर रहे हैं, उनके बच्चे शिक्षा पा रहे हैं और उन्हें फेलोशिप दी जा रही है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर मामूली आरोप लगाए जाते हैं, जिसके लिए मौत की सजा जैसी सजा दी जाती है। पाक में ईशनिंदा कानून का ज्यादातर मामलों में व्यक्तिगत प्रतिशोध को पूरा करने के लिए उपयोग किया जाता है। पीड़ितों को तुरंत दोषी मान लिया जाता है, यहां तक कि उचित जांच और एक जूरी के तहत परीक्षण आयोजित किए बिना।

नकारात्मक पश्चिमी धारणा का किया खंडन

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत के प्रति नकारात्मक पश्चिमी धारणा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत आकर देखें कि यहां क्या हो रहा है, बजाय इसके कि उन लोगों द्वारा बनाई जा रही धारणाओं को सुनें, जो जमीन पर भी नहीं गए हैं और रिपोर्ट पेश करते हैं।

भारत में निवेश या पूंजी प्रवाह को प्रभावित करने वाली धारणाओं पर पीआईआईई के अध्यक्ष एडम एस पोसेन को जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि मुझे लगता है कि इसका उत्तर उन निवेशकों के पास है जो भारत आ रहे हैं, और वे आते रहे हैं। और किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में जो निवेश प्राप्त करने में रुचि रखता है, मैं केवल इतना कहूंगी कि आइए देखें कि भारत में क्या हो रहा है, बजाय इसके कि उन लोगों द्वारा बनाई जा रही धारणाओं को सुनें जो जमीन पर भी नहीं गए हैं और रिपोर्ट तैयार करते हैं।

ब्रिटेन से मुक्त व्यापार समझौते पर ये बोलीं केंद्रीय वित्तमंत्री

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकॉनोमिक्स कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि आजकल मुक्त व्यापार समझौते तेजी से हो रहे हैं। हमने ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता अभी किया है। इससे पहले हमने यूएई, मॉरिशस और आसियान देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौता किया था। साथ ही हम कम विकसित देशों के साथ कोटा मुक्त और टैरिफ मुक्त व्यापार को भी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत हो रही है।

कार्यक्रम के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा कि जब हम बातचीत कर रहे हैं तो उस वक्त भारत की यूरोपीय यूनियन, कनाडा और ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्री का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब ऐसी रिपोर्ट्स आ रही हैं कि भारत और यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत बर्खास्त हो गई है क्योंकि ब्रिटेन खालिस्तान समर्थकों पर कार्रवाई करने में नाकाम रहा है।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि मैं चाहूंगी कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) और अधिक प्रगतिशील हो, सभी देशों को ज्यादा से ज्यादा सुने और अधिक निष्पक्ष हो। इसे उन देशों की आवाजों को जगह देनी होगी जिनके पास कहने के लिए कुछ अलग है और सिर्फ सुनते ही नहीं बल्कि कुछ हद तक ध्यान भी देते हैं।

राजस्थान की पहली वंदे भारत ट्रेन को पीएम आज दिखाएंगे हरी झंडी

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। अजमेर-दिल्ली कैंट-अजमेर वंदे भारत ट्रेन की नियमित सेवा तेरह अप्रैल से शुरू होगी। कार्यक्रम के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी जयपुर में उपस्थित रहेंगे। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार बारह अप्रैल को गाडी संख्या 09617, जयपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा जयपुर से सुबह 11 बजे रवाना होकर चार बजे दिल्ली कैंट पहुंचेगी। उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा मार्ग में गांधीनगर जयपुर, बस्सी, दौसा, बांदीकुई, राजगढ, अलवर, खैरथल, रेवाड़ी, पटौदी रोड, गढ़ी हरसरू व गुड़गांव स्टेशनों पर ठहराव करेगी। अजमेर-दिल्ली कैंट-अजमेर वंदे भारत रेलसेवा का नियमित संचालन तेरह अप्रैल से किया जाएगा। गाडी संख्या 20977, अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा तेरह अप्रैल से सप्ताह में 06 दिन (बुधवार को छोड़कर) अजमेर से सुबह 06.20 बजे रवाना होकर जयपुर 07.50 बजे आगमन व 07.55 बजे प्रस्थान कर, अलवर 09.35 बजे आगमन व 09.37 बजे प्रस्थान कर, गुड़गांव 11.15 बजे आगमन व 11.17 बजे प्रस्थान कर 11.35 बजे दिल्ली कैंट पहुंचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 20978, दिल्ली कैंट-अजमेर वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस तेहर अप्रैल से सप्ताह में 06 दिन (बुधवार को छोड़कर) दिल्ली कैंट से शाम 18.40 बजे रवाना होकर गुड़गांव 18.51 बजे आगमन व 18.53 बजे प्रस्थान कर, अलवर 20.17 बजे आगमन व 20.19 बजे प्रस्थान कर, जयपुर 22.05 बजे आगमन व 22.10 बजे प्रस्थान कर 23.55 बजे अजमेर पहुंचेगी। इस रेलसेवा में 12 वातानुकुलित चेयरकार, 02 वातानुकुलित एक्जीक्यूटिव चेयरकार एवं 02 ड्राइविंग कार श्रेणी के डिब्बों सहित कुल 16 डिब्बे होंगे।

पायलट कार्रवाई से बचने के लिए लगा रहे हैं आरोप : रामलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के अनशन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पायलट अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए मिथ्या आरोप लगा रहे हैं। शर्मा ने मंगलवार को कहा कि सचिन पायलट का अनशन इसलिए है कि वे सीधे सरकार पर आरोप लगाएंगे तो अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है। इसलिए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बहाने सरकार को घेर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में चल रही अंतर्कलह को दबाने के लिए और अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए मिथ्या आरोप लगाने का काम पायलट कर रहे हैं। पायलट को भारतीय जनता पार्टी की सलाह है कि वह अपने घर को संभालने का काम करें। कांग्रेस के विधायक और मंत्री भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। उन पर जनता ही नहीं बल्कि कांग्रेस के विधायक भी आरोप लगा रहे हैं। अगर आप उनकी जांच की मांग भी सरकार से करें तो ही ज्यादा बेहतर रहेगा। जनता को गुमराह करने की आवश्यकता नहीं है।

बंगा विधायक डॉ. सुखविंदर सुक्खी होंगे अकाली-बसपा उम्मीदवार

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) गठबंधन ने मंगलवार को अपने प्रत्याशी का एलान कर दिया है। अकाली दल ने बंगा से विधायक डॉ. सुखविंदर कुमार सुक्खी को उम्मीदवार बनाया है। शिअद के विरुद्ध लहर के बावजूद सुखविंदर कुमार सुक्खी 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर चुके हैं। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने यह एलान किया है। इसी साल जनवरी में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जालंधर से कांग्रेस सांसद संतोख सिंह चौधरी का निधन हो गया था। उनके निधन से खाली हुई इस सीट पर 10 मई को मतदान होगा। वहीं 13 मई को नतीजे आएंगे। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पहले ही अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। कांग्रेस से दिवंगत संतोख चौधरी की पत्नी करमजीत कौर और आप से पूर्व विधायक सुशील कुमार रिंकू मैदान में होंगे। मंगलवार को जालंधर में प्रेसवार्ता में सुखबीर बादल ने सुक्खी के नाम की घोषणा की। इस दौरान पूर्व विधायक पवन कुमार टीनू, डॉ. दलजीत सिंह चीमा, पूर्व राज्यसभा सदस्य बलविंदर सिंह भूंदड़, बसपा के प्रदेशाध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी, पूर्व राज्यसभा सदस्य अवतार सिंह करीमपुरी, बसपा के वरिष्ठ नेता बलविंदर कुमार मौजूद रहे। डॉ. सुखविंदर कुमार सुक्खी का परिवार बसपा से जुड़ा रहा है। सुक्खी ने बसपा की टिकट से 2009 में चुनाव लड़ा था। बाद में उन्होंने बसपा छोड़कर अकाली दल का दामन थाम लिया था। 2017 में अकाली दल ने उनको प्रत्याशी बनाया तो उन्होंने बंगा विधानसभा हलका से जीत हासिल की। हालांकि अकाली दल व भाजपा गठजोड़ के खिलाफ सूबे में लहर चल रही थी। 2022 में अकाली दल के तीन विधायक ही पंजाब में चुनाव जीते थे। इनमें एक नाम सुखविंदर कुमार सुक्खी का है। सुक्खी ने बंगा विधानसभा से दूसरी बार जीत हासिल की है। अकाली दल से दो बार विधायक रह चुके पवन कुमार टीनू टिकट मांग रहे थे लेकिन इस पर अकाली दल के भीतर गुटबाजी बन गई। बाद में अकाली दल छोड़कर गए पूर्व मंत्री सरवण सिंह फिल्लौर को पार्टी में दोबारा शामिल कर चुनाव लड़ाने पर मंथन हुआ तो उनके नाम पर पूर्व मंत्री बिक्रम मजीठिया अड़ गए।

दहेज के तानों से परेशान विवाहिता ने पिया जहर

फतेहाबाद (हिंस)। गांव भिरडाना में विवाहिता एक युवती द्वारा दहेज प्रताड़ना से परेशान होकर कीटनाशक का सेवन करने का समाचार है। विवाहिता को उपचार के लिए फतेहाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में पुलिस ने महिला के पति, सास व जेठानी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बुढ़ाखेड़ा निवासी बजरंग ने कहा है कि उसकी लड़की किरण बाला की शादी एक साल पहले अप्रैल 2022 में श्रवण निवासी भिरड़ाना के साथ हुई थी। शादी के बाद किरण का पति श्रवण, सास चमेली व जेठानी प्रोमिला ने कहा कि उन्होंने दहेज में कम सामान दिया है और मोटरसाइकिल भी नहीं दिया, जिससे समाज में उनकी नाक कट गई है। इसको लेकर अक्सर किरण के ससुरालजल उसे परेशान करते थे और 3-4 महीने बाद किरण को घर से निकाल दिया।

छात्राओं को फ्री साइकिल मिलने का इंतजार

झुंझुनू (हिंस)। झुंझुनू जिले में स्कूलों का शैक्षणिक सत्र लगभग समाप्ति की ओर है। लेकिन इस बार राज्य के सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं में अध्ययनरत बालिकाओं को नि:शुल्क साइकिल वितरण नहीं हो पाया है। न ही यह पता है कि कब तक साइकिल मिलेंगी। जिले में स्थित 550 माध्यमिक स्कूलों में अध्ययनरत छात्राएं लंबे समय से इंतजार कर रही हैं। इस सत्र की शुरुआत से अंत तक बालिकाओं को पैदल स्कूल जाना पड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात के साधनों का अभाव होने के कारण बालिकाओं को स्कूल आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार और शिक्षा विभाग की ओर से इस संबंध में कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से वाह-वाही लूटी जा रही है। अप्रैल का आधा माह होने वाला है, लेकिन शिक्षा विभाग ने अभी तक साइकिलों के बारे में कोई सूचना तक नहीं दी है। विभाग के अधिकारियों के पास साइकिल वितरण की कोई जानकारी नहीं है। इस सत्र में साइकिल मिलेंगी या राशि के चेक इसको लेकर असमंजस है। सरकार की ओर से कई बार तो छात्राओं को साइकिलों की राशि चेक के माध्यम से दी गई। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष ढाका ने बताया कि साइकिल वितरण को लेकर फिलहाल कोई निर्देश नहीं हैं। विभाग के निर्देश मिलते ही अवगत करवा दिया जाएगा।

हरियाणा : नौ जिलों के उपायुक्त समेत 52 अफसरों का तबादला

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने आईपीएस अधिकारियों के तबादलों के बाद अब आईएएस अधिकारियों को बदला है। सरकार ने नौ जिलों के उपायुक्तों समेत 52 अधिकारियों का तबादला किया है। सोमवार देररात जारी तबादला सूची के अनुसार मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ.अमित अग्रवाल अब और पावरफुल हो गए हैं। उन्होंने पहले से दिए गए विभागों के साथ कला एवं संस्कृति विभाग का महानिदेशक बनाया गया है। आईएएस साकेत कुमार और मोहम्मद शाइन को फिर बिजली निगमों का कार्यभार सौंपा गया है। सुधीर राजपाल का गुरुग्राम से तबादला कर दिया गया है। उन्हें कोई नया दायित्व नहीं दिया गया है। आईएएस मुनीष शर्मा को को एंटी करप्शन ब्यूरो में अतिरिक्त निदेशक, विवेक अग्रवाल को हरियाणा कौशल रोजगार निगम में एमडी, आईएएस प्रशांत कुमार को उपायुक्त अंबाला, मौलिक शिक्षा के निदेशक वीरेंद्र दहिया को पानीपत का डीसी नियुक्त किया गया है। डॉ. प्रियंका सोनी अब पंचकूला, अजय कुमार रोहतक, प्रदीप दहिया नूंह, मनदीप कौर फतेहाबाद, मोनिका गुप्ता महेंद्रगढ़, जगदीश शर्मा कैथल और मोहम्मद इमरान रजा अब रेवाड़ी के उपायुक्त होंगे। वरिष्ठ आईएएस डॉ. प्रभजोत सिंह को एनएचएम से बदलकर विशेष सचिव पर्सनल, प्रशिक्षण, विजिलेंस और निदेशक पर्यटन विभाग, मोहम्मद शाइन को एमडी हरियाणा पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन व हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम, संजय जून को एनएचएम में सचिव और सीईओ आयुष्मान भारत, पीसी मीणा को गुरुग्राम नगर निगम का आयुक्त और जीएमडीए का सीईओ, ए श्रीनिवास को फरीदाबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी का सीईओ नियुक्त किया गया है। आईएएस संजीव वर्मा पिछड़ा वर्ग के एमडी, शेखर विद्यार्थी को सचिव नागरिक उड्डयन, आरसी बिढ़ान को एमडी हरियाणा बीज विकास निगम, गीता भारती को एमडी हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, एस नारायण को राजस्व विभाग का सचिव बनाया गया है। आईएएस पंकज को वित्त विभाग, रिपुदमन सिंह ढिल्लों को सचिव हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग, यश गर्ग को एमडी एचएसआईडीसी, मनी राम शर्मा को श्रम आयुक्त, सुजान सिंह को प्रशासक एचएसवीपी, अशोक कुमार गर्ग को आयुक्त नगर निगम हिसार, जयवीर सिंह आर्य को एमडी हरियाणा लैंड रिक्लेमशन एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, मुकेश आहुजा को सीए हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड, राजनारायण कौशिक को निदेशक पंचायत विभाग, राजेश जोगपाल को रजिस्ट्रार सहकारी समिति, मुकुल कुमार को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग एमडी हैफेड और अंजू चौधरी को आयुक्त नगर निगम अंबाला बनाया गया है। आईएएस महाबीर कौशिक को विशेष सचिव-1 गृह विभाग, यशपाल को आयुक्त मानेसर नगर निगम, नर हरि बांगड़ को खनन विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. शालीन को एमडी वेयर हाउस व निदेशक हरको बैंक, अजय सिंह तोमर को निदेशक खेल विभाग, जयकृष्ण आभीर को निदेशक ग्रामीण विकास, सुशील सारवान को निदेशक रोजगार, निशांत कुमार यादव को प्रशासक माता शीतला देवी का कार्यभार दिया गया है। विवेक अग्रवाल एमडी हरियाणा कौशल विकास निगम, मुनीष शर्मा को अतिरिक्त निदेशक एंटी करप्शन ब्यूरो, विवेक भारती को एडीसी सिरसा, हरीश कुमार वशिष्ठ को एडीसी भिवानी, जय इंद्र सिंह छिल्लर को एडीसी चरखी दादरी, ब्रह्मजीत सिंह रांगी को एडीसी फतेहाबाद, हितेश कुमार मीणा को एडीसी गुरुग्राम, विश्राम कुमार मीणा आयुक्त सोनीपत नगर निगम, आनंद कुमार शर्मा को आयुक्त पलवल नगर निगम और रोहित को डेयरी विकास निगम का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है।

बाड़मेर-जैसलमेर क्षेत्र में पीएम श्री योजना के तहत चयनित 28 स्कूलों के लिए 56 करोड़ मंजूर

बाड़मेर/जैसलमेर (हिंस)। प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना के अंतर्गत संसदीय क्षेत्र बाड़मेर-जैसलमेर के विभिन्न क्षेत्रों के चयनित 28 विद्यालयों के लिए 56 करो ? की राशि स्वीकृत की गई है। इस फैसले पर केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि योजना से सीमावर्ती क्षेत्र में शिक्षा का माहौल बेहतर होगा। बाड़मेर-जैसलमेर से लोकसभा सदस्य कैलाश चौधरी ने बताया कि संसदीय क्षेत्र के 28 ब्लॉकों में से हर ब्लॉक से एक विद्यालय का चयन किया गया है। इन विद्यालयों में केंद्र सरकार की पीएम श्री योजना के तहत दो-दो करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी, जिनसे इन स्कूलों का एजुकेशन इन्फ्राट्रक्चर डेवलप होगा तथा यह विद्यालय निश्चित रूप से शिक्षा के आदर्श मॉडल बनेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने देश में बेहतर सरकारी स्कूलों के लिए बड़ी शुरुआत कर दी है। उन्होंने बताया कि पीएम श्री योजना के तहत देशभर में कुल 14,597 स्कूल खोले जाएंगे। इन स्कूलों को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा। इस योजना से देश के लाखों छात्रों को फायदा होगा। इसके तहत सरकार प्रत्येक प्रखंड स्तर पर कम-से-कम एक आदर्श विद्यालय विकसित करना चाहती है। पीएम श्री स्कूलों में नवीनतम तकनीक, स्मार्ट कक्षा, खेल और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। ये स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में मदद करेंगे और अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतरीन और अनुकरणीय स्कूल के रूप में सामने आएंगे।

महंगाई राहत कैंप 24 अप्रैल से

प्रदेशवासी पंजीकरण अवश्य करवाएं : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेशवासियों से 24 अप्रैल से शुरु होने वाले महंगाई राहत कैंप में आकर बजट में घोषित दस नई योजनाओं का लाभ लेने के लिए पंजीकरण करवाने की अपील की है, ताकि महंगाई से निजात पाने के लिए जरुरतमंदों को शीघ्रताशीघ्र इन लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। प्रदेशवासियों के नाम मंगलवार को एक वीडियो संदेश जारी करते हुए गहलोत ने कहा, मेरे प्यारे प्रदेशवासियों मैंने तय किया है कि 2030 तक राजस्थान को नंबर वन राज्य बनाना है। इस सपने को साकार करने के लिए पिछले चार बजट एवं इस साल के बचत-राहत-बढ़त के बजट में मैंने ऐसी योजना बनाई है जो कि दूसरे किसी राज्य में नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को देश का नंबर वन राज्य बनाना है। इस सपने को साकार करने के लिए पिछले चार बजट एवं इस साल के बचत-राहत-बढ़त वाले बजट में मैंने ऐसी योजनाएं बनाई है जो किसी दूसरे राज्य में नहीं है। किसी और राज्य में जनता को मुफ्त में पच्चीस लाख क्या दस लाख का भी का बीमा नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आमजनता से अपील करते हुए कहा कि महंगाई को देखते हुए आप महंगाई राहत कैंप में अवश्य जाएं और जो योजना का लाभ आपको मिल सकता है और उसका अवश्य लाभ लें। अगर आपको कैंपों में कोई दिक्कत आती है तो आप 181 पर फोन करके जरूर बताएं। आप सभी का परिवार कुशल मंगल रहे और आपको राजस्थान सरकार के किसी भी बीमा योजना की जरूरत नहीं पड़े यह मेरी भगवान से प्रार्थना है। जय सम्मान, जय राजस्थान, जय हिंद। उल्लेखनीय है कि आमजन और वंचित वर्ग को महंगाई से राहत दिलाने के लिए राज्य में 24 अप्रेल से 30 जून 2023 तक मंहगाई राहत कैंप आयोजित किए जाएंगे। सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय गौरव गोयल ने बताया कि कुल 2700 महंगाई राहत कैंप लगाए जाएंगे, जिनमें गरीब परिवारों को पांच सौ रुपए में गैस सिलेंडर योजना, मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना, मुख्यमंत्री नि:शुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना, महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, इंदिरा गांधी शहरी पालनहार योजना, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना , मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना आदि योजनाओं की जानकारी देकर पात्र परिवारों को पंजीकरण के जरिए जोड़ा जाएगा।

निजी अकादमियों के खिलाफ उतरी प्राइवेट स्कूल वैलफेयर एसोसिएशन

भिवानी (हिंस)। प्राईवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा ने प्राईवेट अकेडमियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आरटीई एक्ट-2021 के तहत निर्धारित मापदंड पूरा न करने वाली अकेडमियों को बंद करने को लेकर प्राईवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन ने शिक्षा विभाग को लिखा है। अकेले भिवानी जिला में ऐसी 22 अकादमियों को प्राईवेट स्कूल वैलफेयर एसोसिएशन की शिकायत पर भिवानी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने 14 दिन के अंदर मान्यता लेने या उन्हे बंद करने के आदेश दिए है। प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोएिशसन हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष रामअवतार शर्मा ने भिवानी में अपनी एसोसिएशन के बैनर तले एक पत्रकार वार्ता आयोजित करते हुए मीडिया के सामने आरटीआई व अन्य दस्तावेज पेश करते हुए कहा कि बगैर निर्धारित मापदंडों के चलने वाली प्राईवेट अकेडमियों में बच्चें को किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं होती तथा अभिभावक प्रतिस्पर्धा के फेर में आकर इन बच्चों को भेजते है। जिससे बच्चे का सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता तथा अभिभावकों को भारी-भरकम फीस भी चुकानी पड़ती है। ऐसे में उनकी एसोसिएशन की मांग है कि बच्चे के सर्वांगीण विकास को देखते हुए इन अकेडमियों को बंद किया जाए या वे अकादमी निर्धारित मापदंडों को पूरा कर बच्चों के सर्वांगीण विकास का माहौल तैयार करें। उन्होंने कुछ नीजि स्कूलों पर भी आरोप लगाया जो बच्चे का दाखिला स्कूल में कर लेते है तथा वे बच्चें प्राईवेट अकादमी में पढ़ते है। ऐसे में इस प्रकार के स्कूलों पर भी कार्रवाई की मांग की गई। उन्होंने कहा कि यदि दो सप्ताह के भीतर कानून अनुसार शिक्षा विभाग इन प्राईवेट अकादमी पर कार्रवाई नहीं करता है तो उनकी एसोसिएशन न्यायालय में जाकर इन अकेडमियों के खिलाफ अपील दायर करेंगी, ताकि इस प्रकार की अकादमी बच्चों का भविष्य खराब न कर सकें।

लश्कर-ए-तैयबा के दो ओवरग्राउंड वर्कर गिरफ्तार

बारामुला (जम्मू-कश्मीर) (हिंस)। सुरक्षाबलों ने बारामुला से लश्कर-ए-तैयबा के दो ओवरग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला है। इनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। इस अधिकारी के मुताबिक जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान दल एसओजी और सेना की 29 आर.आर के जवानों ने भरोसेमंद सूचना पर पट्टन में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के दो ओवरग्राउंड वर्कर 20 वर्षीय फारूक अहमद पारा निवासी पटटन और सायमा बशीर निवासी चिकनीपोरा सोपोर को गिरफ्तार किया है। इनसे सुरक्षाबलों को एक पिस्तौल, दो मैगजीन, 20 कारतूस और एक आइईडी मिली है। दोनों ने पूछताछ में माना है कि वह लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी आबिद क्यूम के लिए काम करते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हाथ में हथियार लिए निर्दोष लोगों को कत्ल करने का मौका तलाश रहे आतंकवादियों से भी ज्यादा खतरनाक ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) को माना जाता है।

ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने में पत्रकारिता की भूमिका अहम : प्रो. सुधि

जयपुर (हिंस)। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में मंगलवार को ग्रामीण पत्रकारिता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जयपुर संभाग के 40 से अधिक ग्रामीण पत्रकारों ने शिरकत की। एचजेयू के खासा कोठी स्थित अकादमिक परिसर में आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार और रूरल वॉइस के प्रधान संपादक हरवीर सिंह थे। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) सुधि राजीव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुधि राजीव ने कहा कि ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने में पत्रकारिता की भूमिका अहम है। गांवों में ढांचागत सुविधाओं का विकास होना चाहिए, ताकि शहरों की तरफ पलायन कम हो और लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हरवीर सिंह ने कहा कि सूचना के मामले में गांव पहले शहरों के मुकाबले पिछड़े थे।

आनंद बांटने के संकल्प के साथ हैप्पीनेस प्रोग्राम का समापन

वर्तमान के प्रति सजग न होकर हम हो जाते चिंतित : नीरज गुप्ता

हिसार (हिंस)। आर्ट ऑफ लिविंग हिसार की ओर से आयोजित हैप्पीनेस प्रोग्राम का समापन ज्यादा से ज्यादा खुशियां और आनंद बांटने के संकल्प के साथ मंगलवार को हुआ। सेक्टर-14 के हेप्पीनेस सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन नीरज गुप्ता एवं साक्षी अग्रवाल ने किया। नीरज गुप्ता ने शिविर का संचालन करते हुए कहा कि जीवन वर्तमान में चलता है, सब कुछ वर्तमान में होता हैं, मगर जब हम वर्तमान के प्रति सजग नहीं होते हैं तब हम चिंतित हो जाते हैं। सजगता पूर्वक वर्तमान में जीना ही जीवन जीने की कला हैं। उन्होंने बताया कि अक्सर हम अपने जीवन पर तनाव से होने वाले प्रभाव से अपरिचित रहते हैं। प्राय: हमारा मन भूतकाल को लेकर क्रोध या पश्चाताप की जकड़ में रहता है अथवा भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। मन के इस व्यवहार के कारण हमारे और हमारे आसपास के लोगों पर दुष्प्रभाव तो पड़ता ही है, साथ ही हमारी कार्यकुशलता भी प्रभावित होती है। साक्षी अग्रवाल ने कहा कि श्वास हमारे शरीर और मन के बीच की कड़ी है, इसलिए यह मन और नकारात्मक भावनाओं को संभालने का साधन भी है और व्यवसाय, घर या खाली समय में अपनी सही क्षमता को अनुभव करने का माध्यम भी। हमारे श्वास लेने की प्रक्रिया हमारी भावनाओं के साथ बदलती है, जब भी हमको क्रोध आता है, हम श्वास छोटी व तेज गति से श्वास लेते है। जब हम आराम की स्थिति में होते हैं, तब हम लंबी व गहरी श्वास लेते हैं।

विश्व धरोहर दिवस पर कला मंडल में होगी संगोष्ठी *हमारी धरोहर*

उदयपुर (हिंस)। विश्व विरासत दिवस पर भारतीय लोक कला मंडल, उदयपुर में इंटेक उदयपुर स्कंध के संयुक्त तत्वावधान में संगोष्ठी का आयोजन होगा। भारतीय लोक कला मंडल,उदयपुर के निदशक डॉ. लईक हुसैन ने बताया कि संस्था में 18 अप्रैल 2023 को विश्व विरासत दिवस के अवसर पर इंटेक, उदयपुर स्कंध के संयुक्त तत्वावधान में *हमारी धरोहर* विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन दोपहर 3 बजे से होगा जिसमें शहर के विभिन्न इतिहासकार, साहित्यकार, कला मर्मज्ञ एवं कलाकार विभन्न विषयों पर अपनी बात रखेंगे। डॉ. हुसैन ने बताया कि विश्व धरोहर दिवस 18 अप्रैल वर्ष 1982 को इंटरनेशनल काउंसिल आफ मोन्यूमेंटस एंड साइट के द्वारा मनाया गया और वर्ष 1983 में यूनेस्को महासभा ने इसे पूरी तरह मान्यता दी, तब से ही पूरे विश्वभर में 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य दुनियाभर में मानव इतिहास से जुड़े ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक एवं कलात्मक स्थलों एवं कलाओं को संरक्षित करना है। विश्व धरोहर दिवस पर प्रति वर्ष एक विषय (थीम) पर मनाया जाता है। विश्व धरोहर दिवस 2023 की थीम वर्किंग ऑन द फ्यूचर है। यह विषय सांस्कृतिक विरासत स्थलों के बेहतर भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए आज कार्य करने के महत्व पर जोर देता है। उक्त विषय जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण के कारण सांस्कृतिक संरक्षण जैसी सांस्कृतिक विरासत स्थलों की चुनौतियों को हल करने के लिए हित धारकों को एक साथ आने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। यह सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में युवाओं को शामिल करने की आवश्यकता पर भी ध्यान केंद्रित कर सकता है, इन स्थलों के भावी देखभालकर्ताओं के रूप में उनकी भूमिका को पहचान सकता है। उन्होंने बताया कि भारत देश विविधताओं से भरा देश है, यहां मूर्त विरासत के सैकड़ों उदाहरण देखने को मिलते हैं जिसमें राजस्थान के भव्य किले, महल, बावड़ियां आदि भी शामिल हैं। इनमें से कुछ तो विश्व धरोहर की सूची में भी शामिल हैं, जो हमारे लिए गौरव की बात है। इसके साथ ही कई ऐसी और भी मूर्त और अमूर्त धरोहर हैं जिन्हें हमें संरक्षित करने की आवशकता है। इसी तरह कि विविध विरासतों के बारे में आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता है और इसी उद्देश्य से भारतीय लोक कला मंडल एवं इंटेक संस्था के उदयपुर स्कंध द्वारा यह आयोजन किया जा रहा है।

2027–28 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा भारत, फ्रांस में भारतीय प्रवासी समुदाय से बोले पीयूष गोयल

पेरिस।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने फ्रांस में भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारत 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। गोयल ने कहा, अभी हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। 2027–28 तक हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। भारत आज 3.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है और 2047 तक 30–35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जब हम आजादी के 100 साल का जश्न मनाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले साल निर्यात 676 अरब अमेरिकी डॉलर था। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य युवा और उत्साही भारतीयों की भावनाओं को प्रकट करना था।आजादी के 75वें वर्ष में हमने निर्यात में 750 अरब डॉलर को पार कर लिया है। आज हम एक बढ़ते देश के रूप में उभर रहे हैं, दुनिया की फार्मेसी के रूप में, दुनिया के खाद्य कटोरे के रूप में और अन्य देशों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में। उन्होंने कहा कि आज हर कोई दुनिया की चुनौतियों को हल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की ओर देख रहा है। गोयल ने कहा कि भारत फ्रांस के साथ साझेदारी को बहुत महत्व देता है। उन्होंने पेरिस में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा, मुझे यकीन है, आप में से प्रत्येक यह मानता है कि यह साझेदारी अवसरों और दोस्ती दोनों के मामले में और विकास करेगी। हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आप सभी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी दुनिया में सबसे लोकप्रिय और पसंदीदा नेता हैं और वह भारत और दुनिया की देखभाल करने की प्रतिबद्धता के लिए भी जाने जाते हैं। जैसा कि हम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य में विश्वास करते हैं, दुनिया उनके नेतृत्व की ओर देख रही है। उन्होंने भारतीय प्रवासियों की भी सराहना करते हुए कहा, आज का भारत क्षमता, सामर्थ्य, योग्यता और आत्मविश्वास के साथ वह नया भारत है जिसका आप में से प्रत्येक प्रतिनिधित्व करता है। राष्ट्रदूत के रूप में आप अपनी कर्मभूमि और मातृभूमि में योगदान दे रहे हैं। गोयल ने प्रवासी भारतीयों से भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनने और फ्रांस में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आपके समर्थन से भारत अमृत काल में वृद्धि और विकास की प्रगति हासिल करेगा। गोयल ने यही समय है, सही समय है कहते हुए उन्हें इस विजन का हिस्सा बनने और इस यात्रा में भारत के साथ बने रहने के लिए आमंत्रित किया। भारत–फ्रांस मित्रता के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गोयल भारत–फ्रांस व्यापार शिखर सम्मेलन के लिए पेरिस में हैं। पीयूष गोयल के साथ विदेश व्यापार, आकर्षण और विदेश में फ्रांसीसी नागरिकों के फ्रांस के मंत्री प्रतिनिधि ओलिवियर बेख्त भारत–फ्रांस व्यापार शिखर सम्मेलन की सह–अध्यक्षता करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

मौसम विभाग का इस साल सामान्य बारिश का अनुमानः यानी अनाज की पैदावार अच्छी होगी, स्काईमेट ने कम बारिश का अनुमान लगाया था

नई दिल्ली। इस साल मानसून के सामान्य रहने का अनुमान है। मौसम विभाग की तरफ से ये जानकारी दी गई है। इससे एक दिन पहले प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट ने देश में सामान्य से कम बारिश का अनुमान लगाया था। स्काईमेट के कहा था- देश के नॉर्दन और सेंट्रल रीजन में कम बारिश होने की सबसे ज्यादा संभावना है। अगर बारिश सामान्य रहती है तो देश में फूड ग्रेन प्रोडक्शन भी नॉर्मल ही रहने का अनुमान है। यानी इससे महंगाई से राहत मिल सकती है। देश में किसान आमतौर पर 1 जून से गर्मियों की फसलों की बुआई शुरू करते हैं। ये वो समय होता है जब मानसून की बारिश भारत पहुंचती है। फसल की बुआई अगस्त की शुरुआत तक जारी रहती है। इंडियन मीटियरोलॉजिकल डिपार्टमेंट यानी आईएमडी ने बताया कि लॉन्ग पीरियड एवरेज की 96प्रतिशत बारिश हो सकती है। यदि बारिश एलपीए के 90–95प्रतिशत के बीच होती है तो इसे सामान्य से कम कहा जाता है। एलपीए 96प्रतिशत–104प्रतिशत हो तो इसे सामान्य बारिश कहा जाता है। एलपीए अगर 104प्रतिशत से 110प्रतिशत के बीच है तो सामान्य से ज्यादा बारिश कहते हैं। 110प्रतिशत से ज्यादा को एक्सेस बारिश और 90प्रतिशत से कम बारिश यानी सूखा पड़ना कहा जाता है। आईएमडी ने बताया कि मई के अंतिम हफ्ते में मानसून का अगला अपडेट आएगा। वहीं अल–नीनो के असर पर कहा कि, इस साल अल–नीनो का असर मानसून सीजन के दूसरे हाफ में दिख सकता है। मौसम विभाग ने कहा, अल–नीनो की स्थिति जरूर बनेगी लेकिन ये बहुत ताकतवर नहीं, बल्कि मॉडरेट होगा। इसलिए इसकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। सभी अल–नीनो साल खराब मानसून साल नहीं होते हैं, बीते 40प्रतिशत अल–नीनो साल सामान्य या सामान्य से ज्यादा बारिश वाले रहे हैं। नीना में समुद्र का पानी तेजी से ठंडा होता है। ला नीना से दुनिया भर के मौसम में असर पड़ता है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इससे आसमान में बादल छाते हैं और बारिश होती है। भारत में कम और ज्यादा बारिश, ठंडी और गर्मी ला नीना पर ही निर्भर करती है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद जारी हंगामे को दरकिनार कर एलआईसी का बड़ा फैसला, बढ़ाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली । जनवरी महीने में हिंडनबर्ग रिपोर्ट के सार्वजनिक होने और उसके बाद शुरू हुए हंगामे के

बावजूद देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी का भरोसा अदाणी समूह के शेयरों पर बना हुआ है। अदाणी समूह पर लग रहे तमाम आरोपों के बावजूद सरकार के स्वामित्व वाली भारतीय जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी ने मार्च तिमाही में अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ायी है। शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों का भाव लगभग आधा होने के बावजूद एलआईसी ने अदाणी समूह की इस कंपनी में 3,57,500 शेयरों की खरीदारी की है। अदाणी एंटरप्राइजेज में सरकारी बीमा कंपनी की हिस्सेदारी बढ़कर 4.26प्रतिशत हो गई है। दिसंबर महमीने में यह 4.23प्रतिशत थी। एलआईसी ने इस दौरान अदाणी एंटरप्राइजेज के अलावे अदाणी ट्रांसमिशन, अदाणी ग्रीन और अदाणी टोटल गैस के शेयरों में भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है।

दो सप्ताह में छह फीसदी बढ़ गई चीनी की कीमत, गन्ना किसानों को समय पर भुगतान में मिलेगी मदद

मुंबई। गन्ने का उत्पादन कम होने से पिछले दो हफ्ते में चीनी के दाम छह फीसदी तक बढ़ गए हैं। थोक ग्राहकों की लगातार मांग से आगे भी इनकी कीमतों में और तेजी का अनुमान है। इससे गन्ना किसानों को समय पर भुगतान करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी की कीमतों में तेजी से इस क्षेत्र की कंपनियों का लाभ सुधर सकता है। इनमें धामपुर, रेणुका सुगर, बलरामपुर चीनी, डालमिया भारत और द्वारिकेश जैसी कंपनियां हैं। इससे ये कंपनियां समय पर किसानों का बकाया भुगतान कर सकेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र के चीनी उत्पादन अनुमान में कटौती की गई है। 30 सितंबर को समाप्त होने वाले विपणन वर्ष 2022–23 में यह राज्य 1.05 करोड़ टन चीनी उत्पादन कर सकता है। पहले अनुमान 1.37 करोड़ टन का था।

मुंबई–दिल्ली को मिलेगा पहला एपल स्टोर

अंबानी के मॉल में 18 को ओपनिंग ; सीईओ टिम कुक भी आएंगे, पीएम मोदी से मिलेंगे

नई दिल्ली।

भारत में पहली बार टेक कंपनी एपल के दो स्टोर खुलने जा रहे हैं। कंपनी का पहला फ्लैगशिप रिटेल स्टोर मुंबई में 18 अप्रैल को खुलेगा और दूसरा दिल्ली में 20 अप्रैल को ओपन होगा। मुंबई वाला स्टोर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में खोला जाएगा। ये मॉल मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में है। वहीं दूसरा स्टोर दिल्ली के साकेत में खुलेगा। स्टोर ओपनिंग के लिए एपल के सीईओ टिम कुक भारत आ सकते हैं। एपल साकेत के लिए बैरिकेड को रिवील किया गया। इसमें एक यूनीक डिजाइन है जो दिल्ली के कई गेट से इंस्पायर है। वहीं मुंबई के आउटलेट की डिजाइन शहर की आइकॉनिक काली–पीली टैक्सियों से इंस्पायर है। ये 20,000 स्क्वायर से ज्यादा के एरिया में 3 फ्लोर में फैला होगा। इसका हर महीने का किराया 42 लाख रुपए है।

कंपनी ने सिक्योरिटी डिपॉजिट के तौर में छह महीने का किराया 2.52 करोड़ रुपए का जमा किया है। इसमें हर 3 साल में 15प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी। इन स्टोर्स में कंपनी के कई प्रोडक्ट्स और सर्विसेज एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगे। स्टोर में ग्राहक अपने एपल डिवाइसेज एक्सचेंज कर सकेंगे। उन्हें जीनियस बार का ऑप्शन भी मिलेगा। इसमें एक्सपर्ट सर्विस और सपोर्ट दिया जाता है।

टिम कुक ने 2020 में की थी स्टोर की घोषणा – कोविड–19 महामारी के कारण भारत में एपल स्टोर्स के लॉन्च में देरी हुई है। 2020 में एपल की ऐनुअल शेयरहोल्डर्स मीटिंग के दौरान सीईओ टिम कुक ने कहा था कि वे नहीं चाहते कि भारत में कोई और हमारे लिए ब्रांड चलाए। लेकिन 2021 में स्टोर खोलने का एपल का प्लान महामारी के कारण पटरी से उतर गया था।

बेहतरीन कस्टमर एक्सपीरियंस देने के लिए फेमस – सालों से एपल के रिटेल पार्टनर बड़े और छोटे भारतीय शहरों में थर्ड–पार्टी स्टोर चला रहे हैं, लेकिन वैसा एक्पीरियंस नहीं दे पा रहे जैसा कि न्यूयॉर्क के एवेन्यू, लंदन की रीजेंट स्ट्रीट या सिंगापुर के मरीना बे में मिलता है। एपल के स्टोर दुनिया के कुछ सबसे सक्सेसफुल रिटेल आउटलेट हैं और बेहद फायदेमंद हैं। एपल के को–फाउंडर स्टीव जॉब्स ने 2001 में वर्जीनिया में पहला एपल स्टोर खोला था। तब कई लोगों ने उनके फेल होने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन कंपनी के स्टोर खोलने की रणनीति बेहद सफल रही। एपल के अब 500 से ज्यादा रिटेल स्टोर हैं, जिनमें से ज्यादातर अमेरिका में हैं, इसके बाद चीन का नंबर है।

स्टोर ओपनिंग के लिए भारत आ सकते हैं कुक – टिम कुक साल 2016 में भारत आए थे। अब 7 साल बाद वो भारत आने का प्लान बना रहे हैं। अपनी यात्रा के दौरान कुक के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करने की उम्मीद है। भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दे रही है और उसने फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप और पेगाट्रॉन कॉर्प जैसे एपल के मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर्स को अट्रैक्ट करने के लिए अरबों डॉलर का इन्सेंटिव ऑफर किया है।

एपल स्टोर के पास 22 ब्रांड की नो-एंट्री – रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई में एपल के स्टोर के आस–पास 22 कंपीटीटर्स ब्रांड्स न तो अपना स्टोर खोल सकते हैं और न ही एडवर्टाइजमेंट कर सकेंगे। ये एग्रीमेंट का हिस्सा है। इनमें अमेजन, फेसबुक, गूगल, एलजी, माइक्रोसॉफ्ट, सोनी जैसे ब्रांड शामिल है।

भारत सरकार की पीएलआई स्कीम का हिस्सा एपल – एपल के कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर भारत सरकार की 41,000 करोड़ रुपए की प्रोडक्शन–लिंक्ड इन्सेंटिव स्कीम का हिस्सा हैं। इस स्कीम के बाद ही भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग में तेजी आई है। 2020 में भारत सरकार ने पीएलआई को लॉन्च किया था। इस स्कीम से बाहर के देशों की कंपनीज को मौका मिलता है कि वो लोकल मैन्युफैक्चरिंग का फायदा उठा सकें, साथ ही उस पर इन्सेंटिव भी कमा सकें।

भारत में 2017 से बन रहे आईफोन – एपल ने 2017 में आईफोन एसई के साथ भारत में आईफोन्स की मैन्युफैक्चरिंग शुरू की थी। इसके तीन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विस (ईएमएस) पार्टनर– फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन हैं। आईफोन एसई के बाद भारत में आईफोन 11, आईफोन 12, आईफोन 13 और आईफोन 14 की मैन्युफैक्चरिंग भी की गई। फॉक्सकॉन का प्लांट चेन्नई के पास श्रीपेरंबदूर में है।

आईफोन के फैक्ट्री से स्टोर पहुंचने की कहानी – कैलिफोर्निया के कूपरटिनो सिटी की एक बिल्डिंग में एक प्रोजेक्ट पर काम चल रहा था। इसका नाम था प्रोजेक्ट पर्पल। इस प्रोजेक्ट के लिए जब लोगों को हायर किया जा रहा था तब शर्त रखी गई कि टीम को दिन–रात काम करना होगा। टीम के किसी भी सदस्य को उस बिल्डिंग से बाहर जाने की इजाजत नहीं होगी।

ई-दोपहिया वाहनों की बिक्री में ढाई गुना बढ़ोतरी, फेम योजना का विस्तार जरूरी

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच देश में ई-दोपहिया वाहनों की बिक्री 2022–23 में ढाई गुना बढ़कर 8,46,976 इकाई पहुंच गई। 2021–22 में कुल 3,27,900 ई–दोपहिया वाहन बिके थे।

ई–वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल (एसएमईवी) के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में अधिकतम 25 किलोमीटर की रफ्तार वाले 1.2 लाख ई–स्कूटर बिके। 2021–22 के दौरान ऐसे 75,457 ई–स्कूटर बिके थे। वहीं, 25 किलोमीटर से अधिक रफ्तार वाले ई–दोपहिया वाहनों की बिक्री 7,26,976 इकाई रही। 2021–22 में ऐसे ई–स्कूटरों की बिक्री 2,52,433 इकाई रही थी।

फेम योजना का विस्तार जरूरी

एसएमईवी के महानिदेशक सोहिंदर गिल ने कहा, देशभर में ई–वाहनों की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ाने के लिए सरकार को अन्य प्रयास करने होंगे। ई–वाहन पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को प्रोत्साहित करने व इसे आत्मनिर्भर बनाने के लिहाज से कम–से–कम 3–4 साल के लिए फेम योजना का विस्तार करना होगा।

2023-24 में करीब 15 लाख की बिक्री का अनुमान

उधर, वाहन निर्माता कंपनियों का कहना है कि लोगों ने ई–वाहनों को लेकर रुझान बढ़ रहा है। चालू वित्त वर्ष यानी 2023–24 में करीब 15 लाख ई–दोपहिया वाहन बिक सकते हैं।फिर भी, यह नीति आयोग के महत्वाकांक्षी लक्ष्य 23 लाख से कम है। तेज वृद्धि के बावजूद स्वीकार्यता दर कम : संगठन ने कहा कि बिक्री में तेज वृद्धि के बावजूद 2022–23 के दौरान ई–दोपहिया वाहनों की स्वीकार्यता की दर नीति आयोग के लक्ष्य से 25 फीसदी से अधिक पीछे रही है। इसके अलावा, फेम–2 योजना के तहत चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) के दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने की वजह से सब्सिडी जारी नहीं किए जाने से इन वाहनों की बिक्री प्रभावित हुई है।

ट्विटर से हटाए गए अधिकारी पहुंचे कोर्टः पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल सहित 2 अन्य एग्जीक्यूटिव ने ट्विटर के खिलाफ मुकदमा दायर किया

नई दिल्ली।

पिछले साल अक्टूबर महीने में एलन मस्क ने ट्विटर खरीदने के बाद कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पराग अग्रवाल, चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नेड सेगल और लीगल अफेयर्स एंड पॉलिसी चीफ विजया गड्डे को कंपनी से हटा दिया था। यही तीनों पूर्व एग्जीक्यूटिव्स ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इस मुकदमें के जरिए कंपनी से निकाले जाने के बाद की गई मुकदमेबाजी, जांच और पूर्व नौकरियों से संबंधित हुई पूछताछ के खर्चों को रीएंबर्स करने की मांग की है।

मांगा 1 मिलियन डॉलर से अधिक का हर्जाना

पराग अग्रवाल, नेड सेगल और विजया गड्डे ने इस मुकदमें के जरिए दावा किया है कि कंपनी पर उनका 1 मिलियन डॉलर (करीब 82 लाख रुपए) से अधिक बकाया है। यह पैसा ट्विटर को देना ही होगा क्योंकि ट्विटर इन पैसों के पेमेंट के लिए कानूनी रूप से बाध्य है। कोर्ट फाइलिंग में यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज

कमीशन और यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस के द्वारा की गई पूछताछ से विभिन्न संबंधित कई खर्चों के बारे में बताया गया है। हालांकि, इसमें यह साफ नहीं किया गया है कि यह पूछताछ और जांच अभी चल रही है या पूरी हो चुकी है। कोर्ट के डॉक्यूमेंट्स के अनुसार, पराग अग्रवाल और उस समय के सीएफओ नेड सेगल ने पिछले साल यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन में गवाही दी थी और लगातार फेडरल ऑथरटीज के साथ इंगेज हो रहे हैं।

राहुल गांधी ने पूछा था–20 हजार करोड़ किसके : जवाब में अडाणी ग्रुप ने 4 साल का ब्यौरा दिया, कहा– हिस्सेदारी बेचकर जुटाए

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार 8 अप्रैल को एक ट्वीट में अडाणी मुद्दे पर सवाल उठाए थे। ट्वीट में लिखा था– सच्चाई छिपाते हैं, इसलिए रोज भटकाते हैं। अडाणी की कंपनियों में 20,000 करोड़ रुपए बेनामी पैसे किसके हैं राहुल ने कांग्रेस के पूर्व 5 नेताओं का नाम भी अडाणी से जोड़ा था।

अडाणी ग्रुप ने राहुल गांधी के इन्हीं आरोपों का जवाब दिया। बयान जारी करते हुए ग्रुप ने कहा– साल 2019 से अब तक ग्रुप की कंपनियों ने अपनी हिस्सेदारी बेचकर 2.87 बिलियन डॉलर (23,525 करोड़ रु.) जुटाए, जिनमें से 2.55 बिलियन डॉलर (20,902 करोड़ रु.) फिर से बिजनेस में लगाया गया।

बयान में अडाणी ग्रुप ने यह भी कहा – अबु धाबी स्थित ग्लोबल स्ट्रैटेजिक इनवेस्टमेंट कंपनी, इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी पीजेएससी ने ग्रुप की कंपनियों में 2.593 बिलियन डॉलर (21,255 करोड़ रु.) का निवेश किया। यह इन्वेस्ट अडाणी इंटरप्राइजेस लिमिटेड और अडाणी एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) में किया गया। इन्वेस्टर्स ने अडाणी

टोटल गैस लिमिटेद और एजीईएल में हिस्सेदारी बेचकर 2.783 अरब डॉलर (करीब 22812 करोड़ रुपए) जुटाए। इस पैसे को दोबारा अडाणी ग्रुप की कंपनियों में इन्वेस्ट किया गया।

फाइनेंशियल टाइम्स के आरोपों को खारिज किया, खबर वापस लेने कहा – अडाणी ग्रुप पर लंदन मीडिया ने एक खबर पब्लिश की थी। जिसमें बताया गया था कि अडाणी ग्रुप को जो स्न्रष्ठढ्ढ (फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट) मिले हैं, उनमें से ज्यादातर गौतम अडाणी के परिवार से जुड़ी विदेशी कंपनियों से आए हैं। फॉरेन बॉडीज ने अडाणी की कंपनियों में 2017 से 2022 के दौरान कम से कम 2.6 बिलियन डॉलर इन्वेस्ट किया है, जो ग्रुप को मिले कुल 5.7 बिलियन डॉलर का 45.4प्रतिशत है। हालांकि, जारी किए गए अडाणी ग्रुप के इस ब्यौरे को देश में चल रहे विवादों से जोड़कर देखा जा रहा है। ग्रुप ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि जिन इन्वेस्टमेंट्स के बारे में कहा गया है, उन पर पहले ही 28 जनवरी 2021 और 23 जनवरी 2021 को सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गई थी। ग्रुप ने फाइनेंशियल टाइम्स को खबर वापस लेने के लिए कहा है। हम समझते हैं कि अडाणी को बर्बाद करने का कॉम्पिटिशन आकर्षक हो सकता है, लेकिन हम सिक्योरिटीज रेग्युलेरिटीज का पूरी तरह से पालन करते हैं। मालिकाना हक व फंडिंग को लेकर कोई बात अंधेरे में नहीं रखना चाहते हैं। राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में वर्ड प्ले पजल के जरिए पांच नेताओं के नाम का जिक्र किया। इसमें अडाणी के अक्षर के साथ गुलाम (नबी आजाद), अक्षर के साथ सिंधिया (ज्योतिरादित्य), के साथ किरण (रेड्डी), के साथ हिमंता (बिस्व सरमा) और साथ अनिल (एंटनी) लिखा गया। उन्होंने कहा कि मैं भारत की आवाज के लिए लड़ रहा हूं।

जलवायु परिवर्तन का कोष उपलब्ध ही नहीं कराया, सीतारमण ने पश्चिमी देशों की ऐसे की खिंचाई

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जलवायु परिवर्तन जुड़ें कार्यो का उद्देश्यों हासिल करने के लिए धन उपलब्ध नहीं कराने के मसले पर पश्चिम देशों की खिंचाई की है। उन्होंने कहा कि भारत अपने पैसे से ही जलवायु परिवर्तन प्रति की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अपनी लड़ाई में भारत बेहद महत्वाकांक्षी तरीके से राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रहा है।

हम जलवायु परिवर्तन के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को स्वयं के पैसे से पूरा कर रहेः सीतारमण – सीतारमण ने कहा, हमने सीओपी21 और फिर सीओपी26 में जो प्रतिबद्धताएं तय कीं उन पर तय मापदंडों के तहत काम कर रहे हैं, जिन पर यूएनएफसीसीसी (जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन) में सभी सहमत हुए थे। इसलिए हम राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित प्रतिबद्धताओं के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। मुझे यह बताते हुए काफी खुशी हो रही है कि भारत ने पेरिस में की गई अपनी सीओपी21 प्रतिबद्धताओं को बड़े पैमाने पर अपने स्वयं के पैसों से ही पूरा किया है।

वित्त मंत्री का आरोप– वादा करने के बावजूद कोष का नहीं किया गया वितरण – उन्होंने कहा, कोष (जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए) है, लेकिन उपलब्ध नहीं है। वादा किया गया, लेकिन इसका वितरण नहीं किया गया। हम जिस एक अरब की बात करते आए हैं, उस पर कुछ नहीं हुआ। यह कुछ ऐसा हो सकता है जिसके बारे में कई देश बोलना चाहेंगे और मैं इसे अपनी सूची में रखूंगी। वित्त मंत्री सीतारमण ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मौजूदा समय में चिंता प्रति व्यक्ति उत्सर्जन क्या है इस बात की है। इसके बारे में में बात की जा रही है, यह वास्तव में कुछ देशों को नुकसान पहुंचा रहा है।

भारत का ध्यान अब लोगों को कुशल बनाने, डिजिटलीकरण पर हैः सीतारमण – केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने वाशिंगटन दौरे पर कहा कि देश के सारे लोगों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के अपने लक्ष्य को भारत ने लगभग हासिल कर लिया है और अब ध्यान उन्हें कुशल बनाने और डिजिटलीकरण पर है। ऐसा होने से लोगों के जीवनयापन में सुगमता और पारदर्शिता आएगी। सीतारमण ने अमेरिका के विचार समूह 'पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स' में कहा कि सरकार गरीब लोगों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराकर सशक्त बनाना चाहती है। उन्होंने कहा, बुनियादी सुविधाएं देने के लिहाज से हमने अपने लक्ष्य को लगभग प्राप्त कर लिया है। भारत सरकार देश के गरीबों को सुविधाओं से लैस करना चाहती है: वित्त मंत्री

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत सरकार देश के गरीबों को सुविधाओं से लैस करना चाहती है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि उन्हें रहने के लिए पक्के घर दिए जाएं, पाइप के जरिए पेयजल उन तक पहुंचे, बिजली हो, अच्छी सड़कें हो...सिर्फ गांव तक ही नहीं बल्कि गांवों की गलियों तक भी अच्छी सड़कें हों जो नजदीकी राजमार्ग से जोड़ी जा सकें, अच्छी परिवहन सुविधा तक लोगों की पहुंच हो, वित्तीय समावेशन हो जिससे घर के प्रत्येक सदस्य का बैंक में खाता खुले और उन्हें हर लाभ सीधे उनके खाते में मिल सके।'' उन्होंने कहा, इस लिहाज से हम परिपूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं।

भारत में सरकार का ध्यान अब लोगों को कुशल बनाने परः निर्मला सीतारमण – वित्त मंत्री ने कहा कि हमारा ध्यान अब लोगों को कुशल बनाने पर है। उन्होंने कहा, ''अब हम लोगों को कुशल बनाने के प्रयास कर रहे हैं। देशभर में अब कौशल केंद्र हैं। कौशल का स्तर हर व्यक्ति के लिए अलग होता है। इससे व्यापारों और निजी क्षेत्र के उद्यमियों को भी जोड़ा जा रहा है ताकि जो लोग प्रशिक्षण पा रहे हैं और व्यवसाय जिस तरह के प्रशिक्षित लोग चाहते हैं उनके बीच संपर्क बन सके।'' सीतारमण ने कहा कि भारत का डिजिटलीकरण का कार्यक्रम भी तेजी से चल रहा है, इसके दायरे में स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्तीय लेनदेन आ गए हैं। अब हम अन्य क्षेत्रों का भी डिजिटलीकरण करना चाहते हैं जिससे जीवनयापन में आसानी हो और अर्थव्यवस्था में और अधिक पारदर्शिता आए।

तापसी के सिक्स-पैक एब्स वाले फोटो मचा रहे तहलका

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी दो तस्वीरें शेयर की, जिसमें वह सिक्स-पैक एब्स को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। तापसी पन्नू को आखिरी बार स्ट्रीमिंग फिल्म ब्लर में देखा गया था। तस्वीर में वह अपने जिम ट्रेनर सुजीत कारगुटकर के साथ नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्लैक जिम वियर पहना हुआ है। फोटो में, एक्ट्रेस को अपनी कोर मसल्स को फ्लेक्स करते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, महीनों की ग्रिलिंग और कड़ी मेहनत के बाद मुझे सिक्स-पैक एब्स मिले। सुजीत कारगुटकर आपके पास तस्वीर है और मैं अब छोले भटूरे और क्रोइसैन्ट खाने जा रही हूं। फोटो में सिक्स-पैक एब्स देखकर तापसी की तारीफों में कमेंट सेक्शन में बाढ़ आ गई। हुमा कुरैशी से लेकर प्रतीक गांधी और श्रेया धनवंतरी जैसे उनके दोस्तों ने उनकी प्रशंसा की।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, एक्ट्रेस तापसी पन्नू के पास शाहरुख खान के साथ राजकुमार हिरानी की डंकी है, जो दिसंबर 2023 में बड़े पर्दे पर आएगी। उनके पास फिर आई हसीन दिलरुबा प्रोजेक्ट भी है। तापसी के इस सिक्स पैक एब्स वाले सुपर फिट अवतार से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। तापसी का यह अवतार उसके चाहने वालों को काफी पसंद आ रहे हैं।

कार्तिक अगली फिल्म की शूटिंग करेंगे शुरू

-फिल्म एक अज्ञात नायक के बारे में होगी

मुंबई (ईएमएस)। कई बालीवुड फिल्मों में अपने काम के लिए पहचाने जाने वाले कार्तिक आर्यन अगले महीने बजरंगी भाईजान और एक था टाइगर फेम कबीर खान द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। कबीर की आखिरी निर्देशित फिल्म 83 के विपरीत, जिसमें 1983 के विश्व कप विजेता टीम के राष्ट्रीय नायकों की कहानी बताई गई थी, उनकी अगली फिल्म एक अज्ञात नायक के बारे में होगी। एक इवेंट में फिल्म के बारे में बात करते हुए, फिल्म निमार्ता ने कहा, यह एक सच्ची कहानी है जो मेरे सामने आई। इस बार यह 83 के विपरीत एक अज्ञात नायक के बारे में है, जिसमें जीवित लेजेंड्स को दिखाया जाएगा, जिनके बारे में हम सभी जानते हैं। उन्होंने कहा, जिसने यह सब किया है, उसे हमने कैसे फीका पड़ने दिया। यही उत्साह है। मैं शायद मई से फिल्म की शूटिंग शुरू करूंगा और इसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अन्य किरदारों के लिए कास्टिंग चल रही है। कार्तिक फिलहाल अपनी अगली फिल्म सत्यप्रेम की कथा के रोमांटिक ट्रैक की शूटिंग के लिए कश्मीर में हैं। कहा जाता है कि एक्टर ने कबीर खान की फिल्म के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है और कश्मीर से वापस आने के बाद वह इस प्रोजेक्ट पर गहराई से विचार करेंगे। इस बीच, सत्यप्रेम की कथा, जिसमें कियारा आडवाणी भी हैं, 29 जून को रिलीज होने वाली है। बता दें कि कार्तिक आर्यन को बालीवुड में असली पहचान फिल्म भूल भुलैया 2, धमाका, प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी फिल्मों से ही मिली है।

किसी का भाई किसी की जान के ट्रेलर में दिखा भाई का स्वैग

मुंबई (ईएमएस)। सलमान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान का इंतजार लंबे समय से हो रहा है। फिल्म में सलमान खान एक अलग अवतार में नजर आने वाले हैं। सलमान ने अपने लंबे बाल और स्वैग वाली चाल से सभी के दिल अभी तक खुश किए हैं। किसी का भाई किसी की जान फिल्म से अभी तक 5 गाने रिलीज हो चुके हैं। इन गानों के रिलीज होने के बाद फैंस के मन में सवाल था कि किसी का भाई किसी की जान की कहानी है क्या। अब फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। फिल्म के गानों को देखा जाए, तब आपको पता चलता है कि सलमान खान का भरपूर स्वैग इसमें देखने मिलेगा।

पूजा हेगड़े अपने क्यूट और शांत अंदाज में भाई की प्रेमिका का रोल निभा रही हैं। उनके साथ हैं वेंकटेश और भूमिका चावला भी हैं। भाई की पलटन भी बहुत बड़ी है, जो पूजा को पटाने में उनकी मदद करती है। ये फिल्म के तीन हिंदी गानों में हुआ है। इसके अलावा दो नए तेलुगू गानों पर ध्यान दिया जाए, तब पता चलता है कि पूजा साउथ इंडियन कल्चर से आती हैं। उनके लिए सलमान भी तेलुगू ट्रेडीशन को फॉलो कर रहे हैं।

अथिया शेट्टी ने शेयर की अपनी शादी की अनदेखी तस्वीर

इस साल जनवरी में अपने प्रेमी केएल राहुल से शादी के बंधन में बंधने के बाद से ही अथिया शेट्टी लाइमलाइट में थी। अभिनेत्री ने अपने पिता सुनील शेट्टी, उनके दोस्तों और परिवार की मौजूदगी के बीच खंडाला में शादी की थी। शादी की तस्वीरों ने सभी का ध्यान खींचा था और वह किसी परी जैसी लग रही थी। खैर, आज अभिनेत्री ने अपनई शादी की एक और अनदेखी तस्वीर साझा की है और इसमें उनके भाई अहान शेट्टी भी हैं। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अथिया शेट्टी ने एक खूबसूरत तस्वीर साझा की। तस्वीर एक ब्लैक एंड व्हाइट स्नैप है। तस्वीर में अथिया एक दुल्हन के रूप में दिख रही हैं। उनके भाई अहान शेट्टी को उनका हाथ पकड़कर यह सुनिश्चित करते हुए देखा जा सकता है कि उनकी बहन को उनका पूरा समर्थन है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन दिया है, "हमेशा मुझे रास्ता दिखाने वाला"।

श्याम रामसे की बेटी साशा रामसे सामने आ रही बतौर निर्देशक

-लंबे समय से रामसे ब्रदर्स की नही आई कोई पिक्चर

मुंबई (ईएमएस)। एक समय था जब रामसे ब्रदर्स की हॉरर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर होती थी। लम्बे समय से रामसे ब्रदर्स के नाम से कोई फिल्म बाजार में नहीं आई है। अब इस परिवार के फिल्म निमार्ता श्याम रामसे की बेटी साशा रामसे बतौर निर्देशक सामने आ रही हैं। इन दिनों वे फिल्म वन वे का निर्देशन कर रही हैं, जिसके जरिये संजय खान के बेटे अभिनेता जायद खान बॉलीवुड में वापसी करने जा रहे हैं। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस भी मुख्य भूमिका में हैं और एकता कपूर के सोप ओपेरा बड़े अच्छे लगते में दिखाई दी चाहत खन्ना भी नजर आएंगी। बड़े अच्छे लगते हैं की एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने जैकलीन फनार्डीस अभिनीत फिल्म वन वे का हिस्सा बनने के लिए अपनी खुशी सझा की। उन्होंने कहा कि वह विभिन्न अवसरों की खोज करने और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि दोनों फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं और इसी बात से चाहत खुश हैं। चाहत यात्री नाम की एक और फिल्म में भी नजर आने वाली हैं। इन प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए, चाहत ने कहा, मुझे अलग-अलग माध्यमों में काम करने में मजा आता है। हालांकि, अन्य माध्यमों की तुलना में फिल्मों की शेल्फ लाइफ लंबी होती है और यही कारण है कि हर अभिनेता फिल्में करने की इच्छा रखता है। जबकि मैं अतीत में कई फिल्मों का हिस्सा रही हूं, मेरी आने वाली फिल्में मुझे ऐसे किरदारों में दिखाएंगी जो मैंने पहले नहीं निभाए हैं। इन फिल्मों ने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में अपनी क्षमता दिखाने और उस तरह के किरदार निभाने का मौका दिया, जिसने मुझे अपनी सीमाओं को पार करने की चुनौती दी।

कुमकुम, काजल, कुबूल है और कई अन्य फिल्मों के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए सबसे संतोषजनक बात यह है कि उन्हें कई तरह की भूमिकाएं मिलें और प्रत्येक के साथ प्रयोग करने और सीखने का मौका मिले। एक्टर के रूप में, हम विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभाना चाहते हैं। मैंने हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए एक सचेत प्रयास किया है कि मैं किसी इमेज में स्टीरियोटाइप न हो जाऊं। मेरा प्रयास हर बार जब आप कोई प्रोजेक्ट करते हैं तो दर्शकों को आश्चर्यचकित करना होता है। मैं हमेशा एक बहुमुखी अभिनेत्री बनने का प्रयास किया है और इस तथ्य के लिए आभारी हूं कि मुझे इन सभी वर्षों में कई तरह के किरदार करने का अवसर मिला है। पेशेवर रूप से, मुझे पूरा विश्वास है कि 2023 मेरे लिए एक इवेंटफुल साल होगा। बता दें कि वन वे एक सुपरनेचुलर थ्रिलर है, जिसमें मैं हूं ना एक्टर जायद खान भी हैं और फिल्म निमार्ता श्याम रामसे की बेटी साशा द्वारा निर्देशित है। फिल्म में, चाहत एक महिला की भूमिका निभा रही हैं, जो जैकलीन फनार्डीस द्वारा निभाए गए किरदार की मेंटॉर है। इसके अतिरिक्त चाहत इन दिनों यात्री नामक फिल्म भी नजर आएंगी।

आयुष्मान जुलाई में अमेरिकी दौरे पर जायेंगे, अगस्त में होगा टोरंटो का दौरा

एक दशक से अधिक समय से हिंदी फिल्म उद्योग पर राज कर रहे आयुष्मान जुलाई में अमेरिकी दौरे पर जायेंगे, जहां वह डलास, सैन जोस, सिएटल, वाशिंगटन डीसी, न्यू जर्सी, अटलांटा, ऑरलैंडो, शिकागो में प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद उनकी अगस्त में कनाडा के टोरंटो दौरे की भी योजना है। वह उत्तरी अमेरिका में दर्शकों के लिए हिंदी संगीत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्साहित हैं। इस दौरे के बारे में उन्होंने कहा कि संगीत ने मुझे अनगिनत लोगों के साथ जुड़ने में सक्षम बनाया है और मैं लगातार अपने लाइव संगीत कार्यक्रमों की प्रतीक्षा करता हूं, क्योंकि मुझे इस जुड़ाव का प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है। मैं अपने लाइव कॉन्सट्र्स को मिस कर रहा था, क्योंकि एक एंटरटेनर के तौर पर मैं सिर्फ अपनी फिल्मों और म्यूजिक के जरिए खुशियां बांटना चाहता हूं। प्रतिभाशाली अभिनेता ने शूजीत सरकार की निर्देशित फिल्म विक्की डोनर से अपने करियर की शुरूआत की और तब से पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपने करियर में आयुष्मान ने सामाजिक संदेशों के साथ लीक से हटकर फिल्मों को चुनने का प्रयास किया है। उन्होंने न केवल अपने अभिनय कौशल से बल्कि अपनी गायन प्रतिभा से भी दर्शकों का दिल जीता है। उन्हें अपनी पहली फिल्म के गाने पानी दा रंग के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्वगायक का फिल्म फेयर पुरस्कार मिल चुका है।

फिल्म 'भोला' की कमाई में हुआ इजाफा, दसवें दिन तक कुल 67.53 करोड़ रुपये बटोरे

हाल ही में रिलीज हुई बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की फिल्म 'भोला' ने पहले दिन अच्छी कमाई की, लेकिन बीच-बीच में फिल्म की कमाई में गिरावट आई। अब फिल्म की कमाई में फिर इजाफा हुआ है। फिल्म ने पहले दिन से लेकर दसवें दिन तक कुल 67.53 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म भोला 30 मार्च को रिलीज हुई थी। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन करीब 11.20 करोड़ रुपये की कमाई की। ओपनिंग डे की दमदार कमाई को देखकर फिल्म से उम्मीदें काफी थीं। दूसरे दिन फिल्म की कमाई में गिरावट आई है। 31 मार्च यानी शुक्रवार को फिल्म ने महज 7.40 करोड़ रुपये ही बटोरे। फिल्म ने दो दिनों में 18.60 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म ने पहले दिन से लेकर दसवें दिन तक कुल 67.53 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू अहम भूमिका में है। इस फिल्म में एक्शन भरा हुआ है। यह फिल्म साउथ की फिल्म 'कैथी' का रीमेक है।

फिल्म का निर्देशन और निर्माण अजय देवगन ने किया है। अजय देवगन और तब्बू के साथ मकरंद देशपांडे, दीपक डोबरियाल और गजराज राव भी हैं।

शेफाली शाह ने किया पब्लिक प्लेस पर गलत तरीके से छूने का बड़ा खुलासा

बॉलीवुड अभिनेत्री शेफाली शाह विभिन्न हेयर स्टाइल के साथ भूमिका निभाने के लिए जानी जाती हैं। दिल्ली क्राइम हो या डार्लिंग्स, शेफाली ने दमदार परफॉर्मेंस दी है। शेफाली अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना चाहती हैं। वह अपनी निजी जिंदगी के बारे में कम ही बात करती हैं। इसी बीच हाल ही में एक इंटरव्यू में शेफाली ने अपना एक बुरा अनुभव बताया है। कैसे एक शख्स ने उन्हें पब्लिक प्लेस पर गलत तरीके से छुआ। शेफाली ने बताया कि उन्हें आज भी कितनी शर्म आती है। शेफाली एक पोडकास्ट में नजर आई थीं। उस एपिसोड में स्मिता प्रकाश से बात करते हुए शेफाली ने मीरा नायर की 'मानसून वेडिंग' में अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की। उन्होंने फिल्म में रिया वर्मा की भूमिका निभाई थी। बचपन में रिया का यौन शोषण हुआ था। शेफाली ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि "जैसा कि मैंने पहले कहा था। इन सबका सामना हर व्यक्ति ने किया है। मुझे याद है जब मैं बाजार गयी थी। एक व्यक्ति ने मुझे गलत तरीके से छुआ तब मुझे बहुत गंदा लगा। मैंने कभी कुछ नहीं कहा क्योंकि मुझे बहुत शर्म आ रही थी।" ऐसा ही होता है...आप दोषी महसूस करते हैं, खुद में शर्मिंदगी महसूस करने लगते हैं और फिर सोचते हैं कि कुछ नहीं भूल जाओ। 'मानसून वेडिंग' में नसीरुद्दीन शाह, लिलेट दुबे, वसुंधरा दास, विजय राज, रजत कपूर, रणदीप हुड्डा और सोनी राजदान भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। शेफाली के करियर की बात करें तो उन्होंने फिल्म "रंगीला" से बॉलीवुड में डेब्यू की थी। इसके बाद वह 1998 में फिल्म 'सत्या' में नजर आई थीं। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था। इसके अलावा वह 'गांधी माय फादर', 'दिल धड़कने दो', 'ब्रदर्स', 'द जंगल बुक' और 'कमांडो 2' फिल्मों में भी नजर आई थीं।

शाहिद कपूर, कृति सनोन की फिल्म 'अनटाइटल्ड' का हिस्सा होंगे धर्मेंद्र

जियो स्टूडियो और मैडडॉक फिल्म्स ने हाल ही में शाहिद कपूर और कृति सनोन अभिनीत अपनी अगली फिल्म 'अनटाइटल्ड' का पहला लुक जारी किया। फैंस इस कभी न देखी गई जोड़ी को पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ ही एक और रोमांचक जानकारी सामने आ गई है कि दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र भी फिल्म का हिस्सा होंगे। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने अभिनेता शाहिद कपूर और कृति सनोन के साथ खुशनुमा तस्वीरें पोस्ट कीं, क्योंकि तीनों ने अपनी आगामी 'अनटाइटल्ड' फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र ने शाहिद के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, "दोस्तों, शाहिद और अन्य सह-कलाकारों के साथ काम करना अच्छा रहा।" धर्मेंद्र ने कलरफुल स्वेटर और मैचिंग दुपट्टा पहना और फ्रेंच कैप और ब्लैक शेड्स से अपने लुक को पूरा किया। अभिनेता शाहिद कपूर ने सफेद टी-शर्ट के ऊपर डेनिम जैकेट पहन रखी थी। धर्मेंद्र ने कृति सनोन के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और कहा, "मैडॉक फिल्म्स। रिलीज की तारीख जानकर बेहद खुशी हुई। मैडॉक फिल्म्स की पूरी यूनिट को शुभकामनाएं।" उसी तस्वीर को कृति ने अपनी इंस्टा स्टोरीज पर दिल के इमोजी के साथ 'द बेस्ट' नोट के साथ फिर से साझा किया।

सूडोकु नवताल- 6398

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6397 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7145

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	क	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	का	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

शब्द जाल में भारत के 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, केरल, उड़ीसा.

शब्दजाल - 7144 का हल

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्दा	ण	घ	न्या

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6098

	3	1		6	7	
4	28		25		36	
2	5		3		7	4
	34		35	5	33	
3		7	6			1
7	34	5	42	3	30	
1				7	2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6097 का हल

5	3	6	4	1	7	2
4	28	2	25	2	36	7
2	5	1	3	6	7	4
6	28	5	35	3	39	6
3	2	4	6	7	5	1
7	32	3	42	5	32	5
1	5	7	6	4	2	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

पंजाब किंग्स के कप्तान धवन को हुआ प्यार : कहा– पुरानी चीजों को भुलाकर फिर से आगे बढ़ना चाहता हूं, फैन ने पूछा शादी कब करोगे

मुंबई।
पंजाब किंग्स की कप्तानी का जिम्मा संभाल रहे शिखर धवन ने कबूला कि उन्हें प्यार हो गया है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं फैंस पूछ रहे हैं कि शादी कब करोगे

इस वीडियो में गब्बर स्वीकार कर रहे हैं कि उनकी जिंदगी में प्यार की एंट्री हो चुकी है और अब वह एक कमिटेड रिश्ते में हैं। इतना ही नहीं वह यह भी कहते दिख रहे हैं कि वह इस रिश्ते से काफी खुश हैं। वह यह भी कह रहे हैं कि वह पुरानी चीजों को भुलाकर फिर से आगे बढ़ना चाहते हैं।

ऐसे में यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि गब्बर में किसी लड़की से रिश्ते की बात कर रहे हैं। शिखर वीडियो बनाने वाले से यह भी कह दिख रहे हैं कि क्या तुम वीडियो बना रहे हो वीडियो वायरल होने के बाद शिखर धवन का कोई बयान नहीं आया है।

2020 में शिखर की पहली पत्नी आयशा ने अलग होने का किया था ऐलान

दरअसल शिखर की पहली पत्नी आयशा ने साल 2020 में अलग होने का ऐलान किया था और दोनों के बीच तलाक का केस अभी चल रहा है। शिखर ने हाल ही में आयाश मुखर्जी से तलाक पर पूछे गए सवाल पर कहा था कि शादी टूटने में गलती रही है। तलाक का मुद्दा अभी कोर्ट में है। शादी नहीं चल पाई इसमें फेल हुआ।

उन्होंने यह भी कहा था कि फेल इसलिए हुआ क्योंकि मुझे उस फील्ड का अंदाजा नहीं था। अब अगर वह दोबारा शादी करते हैं तो उनके पास ज्यादा अनुभव होगा।

पंजाब किंग्स ने जीते हैं दो मैच

पंजाब किंग्स ने शिखर धवन की कप्तानी में खेले अब तक 3 मैचों में से 2 मैच जीते हैं और एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि, वह 2 मैच जीतने के बाद अभी पॉइंट टेबल में छठे स्थान पर है। पंजाब के अलावा राजस्थान, चेन्नई, लखनऊ और कोलकाता भी दो–दो मैच जीते हैं। उनके भी दो–दो पॉइंट है। रनरेट की वजह से ये टीमें पॉइंट टेबल में पंजाब से आगे हैं।

शिखर धवन टॉप पर

आईपीएल के 16वें सीजन में अभी शिखर धवन रन बनाने में टॉप पर हैं। तीन मैचों में 225 की औसत से 225 रन बनाए हैं। 2 बार वह नॉटआउट रहे हैं। वहीं 2 हाफ सेंचुरी भी जड़ चुके हैं। दूसरे स्थान पर ऋतुराज गायकवाड हैं। उन्होंने 3 मैचों में 94.50 की औसत से 189 रन बनाए हैं। वहीं तीसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डु प्लेसिस हैं।

न्यूज ब्रीफ

रिंकू के पिता बोले-कभी उसके लिए बैट नहीं खरीदाः खेलने से रोकता था, नीतीश राणा बोले- मेरा बैट लेकर खेलने गया, अब उसका हो गया

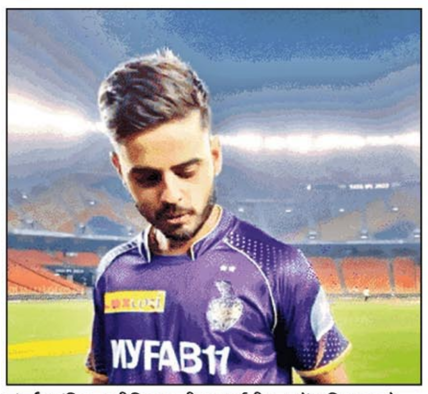

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स की जीत के हीरो रहे रिंकू सिंह कप्तान नीतीश राणा के बैट से बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। वहीं रिंकू के पिता खानचंद सिंह ने रिंकू के खेले गए पारी पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि यह रिंकू की मेहनत है। बता दें कि गुजरात से मिले 205 रन के टारगेट का पीछा करते हुए कोलकाता को आखिरी ओवर में 29 रन बनाने थे। 20वें ओवर की पहली गेंद पर उमेश यादव ने सिंगल लिया। इसके बाद रिंकू सिंह ने लगातार 5 छक्के जड़े। इस तरह कोलकाता ने आखिरी ओवर में 31 रन बनाकर मैच जीत लिय। गेंदबाज यश दयाल थे। रिंकू के पिता ने कहा कि यह रिंकू की मेहनत है। वह अपने दम पर यहां तक पहुंचा है। मैंने तो आज तक बैट या क्रिकेट का कोई भी सामान उनको खरीद कर नहीं दिया। मैं तो उन्हें क्रिकेट खेलने से हमेशा मना करता था और उन्हें केवल पढ़ाई के लिए कहता था। रिंकू का ध्यान पढ़ाई पर बिल्कुल नहीं था और वह क्रिकेट पर ही फोकस करते थे। मैं भी बाद में उनसे यही कहा कि आप क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो क्रिकेट ही खेलो। वह लोकल टूर्नामेंट में रन बनाता था। लोग कहते थे कि बाद में वह काफी अच्छा करेगा। उसने ऐसा करके दिखाया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसकी बल्लेबाजी से मैं खुश हूं। मैं चाहता हूं कि भविष्य में वह देश के लिए खेले। दरअसल रिंकू सिंह ने जिस बल्ले से मैच के आखिरी ओवर में लगातार पांच छक्के लगाए वह बैट नीतीश राणा का था। इसकी जानकारी नीतीश राणा ने खुद दी है। च्चक्रने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो शेयर किया है। जिसमें नीतीश राणा हाथ में बल्ला पकड़े नजर आ रहे हैं। यह वही बैट है, जिससे रिंकू ने गुजरात टाइटंस के घरेलू ग्राउंड अहमदाबाद में आखिरी ओवर की 5 गेंदों पर छक्का जड़ कर गुजरात के मुंह से मैच को छीन लिया था। राणा वीडियो में बता रहे हैं कि इस सीजन के शुरुआती दोनों मैचों में उन्होंने इसी बैट से बल्लेबाजी की थी। टी–20 वर्ल्ड कप, मुश्ताक अली और आईपीएल के पिछले सीजन के मुकाबलों में भी उन्होंने इसी बैट से खेला था। वह वीडियो में कह रहे हैं कि वो ये बैट रिंकू को देना नहीं चाहते थे, लेकिन रिंकू ने इस बैट को लेकर और धमाल मचाया।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिपः भारत के विकास ने ग्रीको-रोमन वर्ग में कांस्य पदक जीता

अस्ताना (कजाखस्तान)। ग्रीको–रोमन पहलवान विकास ने यहां एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2023 के दूसरे दिन कांस्य पदक जीतकर भारत की तालिका चार पर पहुंचा दी। विकास ने पुरुषों के 72 किग्रा ग्रीको–रोमन वर्ग में चीन के जियान टैन को तकनीकी श्रेष्ठता से 8–0 से हराया। इस भारतीय ने क्वालिफिकेशन राउंड में कोरिया के जी–योन ली पर 11–0 की तकनीकी श्रेष्ठता जीत के साथ जोरदार शुरुआत की। हालांकि, उन्हें क्वार्टर फाइनल में ईरान के सज्जाद इमेंटलाब से 6–1 से हार का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि सज्जाद इमेंटलाब के फाइनल में पहुंचने के बाद विकास ने कांस्य पदक जीता। तीन अन्य भारतीय पहलवान - सुमित (60 किग्रा), रोहित दहिया (82 किग्रा) और नरिंदर चीमा (97 किग्रा) पदक की दौड़ में थे। हालांकि, ये तीनों कांस्य पदक के मुकाबले में हार गए। क्वालीफिकेशन में तुर्कमेनिस्तान के उमित दुर्दयेव को तकनीकी श्रेष्ठता से 9–0 से हराने वाले सुमित क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के विश्व चैम्पियन झोलामन शरशेनबेकोव से 0–10 से हार गए, जिन्होंने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कांस्य पदक के मुकाबले में सुमित जापान के मैतो कवाना से 6–14 से हार गए। इस बीच, कांस्य पदक मैच में रोहित दहिया ईरान के अलिर्ज़ा मोहम्मदी से 5–1 से हार गए। रोहित ने पहले दौर में सिंगापुर आर्यन आजमन को 12–4 से हराया था, लेकिन अगले दौर में अंतिम स्वर्ण पदक विजेता किर्गिस्तान के अकिलबेक टैलेंटबेकोव से 1–7 से हार गए। 97 किग्रा वर्ग में, नरिंदर चीमा सेमीफाइनल में पहुंच गए, जहां वह किर्गिस्तान के उजूर जुजुपबेकोव से 0–9 से हार गए। नरिंदर को कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के ओलझास सिर्लीबे से 4–1 से हार का सामना करना पड़ा।

टाइटल रेस में आर्सेनल को झटका

लिवरपूल के खिलाफ 2–0 से आगे होने पर भी नहीं मिली जीत

लिवरपूल।
इंग्लिश प्रीमियर लीग में टाइटल जीतने की रेस में सबसे आगे चल रही आर्सेनल की टीम को बड़ा झटका लगा है। उसे लिवरपूर के खिलाफ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। लिवरपूल के होमग्राउंड एनफील्ड स्टेडियम में आर्सेनल ने 2-0 की लीड हासिल कर सकी थी। इसके बावजूद उसे जीत नहीं मिली। लिवरपूल ने शानदार वापसी करते हुए दो गोल दागे और मैच को 2-2 से बराबर रहा।

कोच मिकेल अर्टेटा की टीम अब दूसरे स्थान पर चल रही मैनचेस्टर सिटी से सिर्फ छह अंक आगे रह गई है। उसने सिटी से एक मैच ज्यादा भी खेले हैं। आर्सेनल के 30 मैचों में 73 अंक हैं। वहीं, मैनचेस्टर सिटी के 29 मुकाबलों में 67 अंक हैं। आर्सेनल के आठ मैच बचे हैं। इसमें से एक मुकाबला मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ भी होगा। यह मैच सिटी के होमग्राउंड एतिहाद स्टेडियम में खेला जाएगा।

आर्सेनल के मैच में गैब्रियल मार्टिनेली ने आठवें और गैब्रियल जेसुस ने 28वें मिनट में गोल किया। लिवरपूल ने हाफटाइम से वापसी की। दिग्गज खिलाड़ी मोहम्मद सालाह ने 42वें मिनट में गोल कर स्कोर के अंतर को कम किया। हाफटाइम के ठीक लिवरपूल का आक्रमण जारी रहा। सब्सीट्यूट खिलाड़ी के रूप में ब्राजील के रोबर्टो फिर्मिनो ने 87वें मिनट में गोल कर आर्सेनल को बड़ा झटका दे दिया। लिवरपूल ने मैच में 2–2 की बराबरी कर ली। इसके बाद दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

आर्सेनल को अभी बाकी बचे आठ मैचों में 16 अप्रैल को वेस्ट हैम, 22 अप्रैल को साउथम्पटन, 27 अप्रैल को मैनचेस्टर सिटी, 29 अप्रैल को चेल्सी, सात मई के न्यूकैसल, 14 मई को ब्राइटन, 20 मई को नॉटिंघम फॉरेस्ट और 28 मई को वूल्व्स के खिलाफ खेलना है। इनमें से मैनचेस्टर सिटी, चेल्सी और न्यूकैसल के खिलाफ होने वाले उसके मुकाबले काफी अहम होंगे। इन तीन मैचों में अगर आर्सेनल को जीत मिलती है तो खिताब जीतने की राह आसान हो जाएगी।

भारतीय क्रिकेट के घरेलू सीजन 2023–24 के शेड्यूल की घोषणा

दलीप ट्रॉफी 28 जून से, अगले साल 5 जनवरी से होगा

मुंबई।
रणजी ट्रॉफी का आगाजभारतीय क्रिकेट के 2023–24 घरेलू सत्र की शुरुआत दलीप ट्राफी टूर्नामेंट के साथ होगी जो 28 जून से शुरू होगा। जबकि प्रमुख रणजी ट्राफी का आयोजन अगले साल पांच जनवरी से होगा। दलीप ट्रॉफी छह जोनल टीमों के बीच खेली जाएगी। उसके बाद देवधर ट्रॉफी (लिस्ट ए) 24 जुलाई से 3 अगस्त, ईरानी कप 1 से 5 अक्टूबर, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 16 अक्टूबर से 6 नवंबर और विजय हजारे ट्रॉफी 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाएगी।

70 दिन तक खेले जाएंगे रणजी ट्रॉफी के मुकाबले

रणजी ट्रॉफी पुरुषों के सीनियर वर्ग में सीजन का आखिरी टूर्नामेंट होगा। यह टूर्नामेंट 70 दिन तक चलेगा। इसके एलीट ग्रुप के लीग चरण के मैच 5 जनवरी से 19 फरवरी के बीच खेले जाएंगे जबकि नॉक-आउट राउंड 23 फरवरी से 14 मार्च तक होगा। प्लेट ग्रुप के लीग मैच 5 जनवरी से 5 फरवरी के बीच जबकि नॉक–आउट राउंड 9 से 22 फरवरी तक खेला जाएगा।

हर बार की तरह इस बार भी एलीट वर्ग में चार ग्रुप होंगे। जिसमें हर ग्रुप में आठ–आठ टीमें होंगी जिसमें से हर ग्रुप की शीर्ष की दो–दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। प्लेट वर्ग में एक ही ग्रुप होगा और इसमें छह टीमें होगी और इसमें से टॉप चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। प्लेट ग्रुप के फाइनल में पहुंचने वाली दोनों टीमें आगामी सीजन (2024–25) में एलीट ग्रुप में शामिल होंगी।

सीनियर महिला सीजन की शुरुआत 19 अक्टूबर से

सीनियर महिला सीजन की शुरुआत राष्ट्रीय टी–20 चैंपियनशिप के साथ होगी। यह 19 अक्टूबर से 9 नवंबर के बीच खेली जाएगी। इसके बाद इंटर जोनल टी–20 ट्रॉफी 24 नवंबर से 4 दिसंबर तक खेली जाएगी। इसके बाद सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी 4 से 26 जनवरी के बीच आयोजित होगी।

हम देख रहे आईपीएल का सबसे हाई स्कोरिंग सीजनः 14 मैचों में 8.86 का रहा रन रेट, 2018 का रिकॉर्ड टूटा

मुंबई।
आईपीएल–16 के 14 मुकाबले पूरे हो चुके हैं। यानी लगभग 1/5 हिस्सा टूर्नामेंट का खत्म हो चुका है। इस दौरान जो ट्रेंड्स सामने आए हैं, उनके मुताबिक मौजूदा सीजन हाईएस्ट स्कोरिंग संस्करण बनने की राह पर है। शुरुआती 14 मैचों में इस साल 8.86 रन प्रति ओवर बन रहे हैं। इसने 2018 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जब पहले 14 मैचों में प्रति ओवर 8.64 रन बन रहे थे।

साथ ही, मौजूदा सीजन में पावरप्ले भी टीमों के लिए ऐतिहासिक साबित हो रहा है। साल 2023 में टीमें पावरप्ले में 8.16 रन प्रति ओवर बना रही हैं, जो कि आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने पारी के कुल 28.7प्रतिशत रन सिर्फ पावरप्ले में बनाए हैं। यह आंकड़ा सीजन 2018 के बराबर है और संयुक्त रूप से दूसरा सबसे ज्यादा है। सिर्फ 2009 में टीमों ने पावरप्ले में इससे ज्यादा रन स्कोर किए थे।

100 रन का आंकड़ा टीमें इस बार सबसे जल्दी पा रहीं

28 पारियों में से 9 में टीमें 100 रन तक मात्र 12 ओवर में पहुंच गईं। ऐसा पहली बार हुआ है। 2018 के पहले 14 मैच के बाद टीमें 7 बार 12 ओवर के भीतर 100 रन तक पहुंची थी। राजस्थान ने सीजन में 100 रन का आंकड़ा हैदराबाद के खिलाफ 7.4 ओवर में पा लिया था। टीम 10 ओवर बैटिंग के बाद औसतन 88.1 रन बना रही हैं, जो कि 2018 (84.1 रन) से ज्यादा है।

पहली पारी का औसत स्कोर 181, 8 बार 190+ बन चुके

190+ का स्कोर जीत की गारंटी बन रहा है। 14 मैच की पहली पारियों में 8 बार 190+ रन बने हैं। सिर्फ केकेआर ही यह स्कोर गुजरात के खिलाफ चेज कर पाई है। पहली पारी में औसतन 181 रन बन रहे हैं। 190 से कम का स्कोर एक बार भी डिफेंड नहीं हो पाया। सबसे बड़ा स्कोर सीएसके (217) और सबसे छोटा (121) हैदराबाद के नाम है।

हॉकी इंडिया लीग : छह साल बाद फिर शुरू होगी हॉकी इंडिया लीग, 2023 मार्च में हो सकता है अगला सीजन

नई दिल्ली।
छह वर्षों से बंद पड़ी हॉकी इंडिया लीग अगले वर्ष की शुरुआत में होने की उम्मीद है। हॉकी इंडिया ने लीग के लिए व्यवसायिक और विपणन साझीदारों की घोषणा कर दी है। आर्थिक कारणों के कारण लीग 2017 में बंद हो गई थी, लेकिन अब हॉकी इंडिया लीग को शुरू करने के लिए नए साझीदारों को जोड़ने में जुटी है।

हॉकी इंडिया के सूत्रों का कहना है कि हम जल्द से जल्द लीग शुरू करना चाहते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अगले वर्ष फरवरी तक लीग के लिए खाली समय नहीं है। तब तक हमारे पास लीग शुरू कराने के लिए काफी समय है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की का कहना है कि उन्हें आज काफी राहत महसूस हो रही है, क्योंकि हॉकी इंडिया लीग शुरू कराना उनकी उच्च प्राथमिकता में है।

अगले साल मार्च के महीन में यह लीग हो सकती है, क्योंकि फरवरी तक समय नहीं है। मार्च में भी समय नहीं मिलने पर आने वाले महीनों में इसका आयोजन किया जा सकता है। यह लीग 2013 में शुरु हुई थी और इसके अब तक पांच सीजन हुए हैं। रांची की टीम दो बार खिताब जीत चुकी है। हालांकि, 2013 में पहला सीजन जीतने वाली टीम रांची रिन्होज अब लीग से हट चुकी है और 2015 में रांची रेज ने खिताब जीता था। 2014 में दिल्ली, 2016 में पंजाब और 2017 में कलिंगा की टीम ने खिताब अपने नाम किया।

क्या विराट को चीटिंग से आउट किया लखनऊ सुपरजायंट्स के गेंदबाज के वीडियो से सामने आई पूरी सच्चाई

नई दिल्ली।
लखनऊ सुपरजायंट्स के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ मैच में विवाद खड़ा कर दिया है। अमित मिश्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वो गेंद पर लार लगाते हुए नजर आ रहे हैं।

ध्यान हो कि कोविड–19 महामारी के मद्देनजर आईसीसी ने गेंद को चमकाने के लिए लार के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। मगर लखनऊ और आरसीबी के बीच मैच के दौरान 40 साल के मिश्रा को गेंद पर लार का उपयोग करते हुए पाया गया। यह घटना आरसीबी की पारी के 12वें ओवर के पहले की है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने अमित मिश्रा को गेंदबाजी की जिम्मेदारी सौंपी। मिश्रा ने पहली गेंद डालने से पहले गेंद पर लार लगा दी। उन्होंने किसी इरादे से ऐसा नहीं किया था, जो उनके चेहरे के भाव से स्पष्ट समझ भी आ रहा है। चूकि लार लगाने की अनुमति नहीं है तो मिश्रा की इस हरकत ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ।

मिश्रा ने झटका कोहली का विकेट

अमित मिश्रा ने पहली दो गेंद पर दो सिंगल्स खर्च किए और तीसरी गेंद पर उन्होंने विराट कोहली (61) का बड़ा विकेट लिया। मिश्रा ने कोहली को डीप मिडविकेट पर मार्कस स्टोइनिस के हाथों कैच आउट कराया। कोहली ने 45 गेंदों में चार चौके और चार छक्के की मदद से 61 रन बनाए।

पहले भी मिल चुकी है चेतावनी

बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब अमित मिश्रा ने गेंद पर लार का उपयोग करके नियमों का उल्लंघन किया हो। आईपीएल 2021 के दौरान भी मिश्रा ने गेंद डालने से पहले लार लगाई थी। तब वो दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे। मिश्रा ने गलती ने गेंद डालने से पहले गेंद पर लार का उपयोग किया था। इस घटना के बाद मैदानी अंपायर वीरेंद्र शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को पहली चेतावनी दी थी।

थिएम ने गास्के को हराया

मोंटे कार्लो। विश्व के पूर्व तीसरे नंबर के खिलाड़ी डोमिनिक थिएम ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के ओपनिंग राउंड में फ्रांस के रिचर्ड गास्के को 6–1, 6–4 से हरा दिया। यह थिएम की 2021 के बाद किसी एटीपी मास्टर्स में पहली जीत है। थिएम ने एक घंटे 29 मिनट में गास्के को करारी शिकस्त दी। उन्होंने इस स्तर पर अपने पिछले पांच मैच गंवाए हैं। उन्होंने कलाई की चोट से पहले मई 2021 में मार्टन फुकसोविक्स को रोम में हराया था। 29 वर्षीय थिएम ने मैच में 18 विनर्स लगाते हुए जीत हासिल की और गास्के के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 3–2 पहुंचा दिया। उन्होंने गास्के से पिछले तीन मुकाबले जीते हैं। थिएम का अगला मुकाबला छठी सीड होल्गर रुने से होगा। अन्य मैचों में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने पहले राउंड में तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता एंडी मरे को हरा दिया। 14वीं सीड मिनौर ने विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी मरे को 86 मिनट में 6–1 6–3 से हराया। मिनौर ने सत्र की 13वीं टूर स्तर की जीत के बाद मरे के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 3–0 पहुंचा दिया है। मिनौर का अगला मुकाबला जर्मनी के जान- लेनार्ड स्टफ से होगा जिन्होंने स्पेन के अलबर्ट रामोस–विनोलास को 6–4, 6–3 से हराया। दूसरी तरफ पूर्व चैंपियन स्टेनिस्लास वावरिंका ने हॉलैंड के टेलन ग्रीक्सपुर को तीन सेटों में 5–7, 6–3, 6–4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। वावरिंका के सामने दूसरे दौर में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज की चुनौती होगी।

आदित्य रॉय संग अनन्या के अफेयर पर मां भावना ने तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस अनन्या पांडे अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। बीते कुछ दिनों से एक्ट्रेस का नाम आदित्य रॉय कपूर संग जोड़ा जा रहा है। रिलेशनशिप की खबरों के बीच दोनों को एक साथ फैशन शो में वॉक करते देखा गया था। वहीं अब एक्ट्रेस की मां भावना पांडे ने इन खबरों पर अब चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में भावना पांडे ने बेटी के रिलेशनशिप स्टेटस की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि अनन्या सिंगल है और प्रोफेशनल लाइफ में अक्सर इस तरह लिंक अप की खबरें आती रहती हैं। इससे फर्क नहीं पड़ता। यह एक एक्टर की लाइफ का हिस्सा है। अच्छा और बुरा, आपको सब कुछ स्वीकार करना पड़ता है। भावना पांडे ने आगे कहा कि स्टार्स को इतना प्यार और तारीफ मिलती है। ऐसे में इसके साथ आने वाली कुछ नेगेटिविटी की बजाय मैं उस प्यार पर फोकस करने की सलाह देती हूं। आखिर पॉजिटिविटी हमेशा नेगेटिविटी को हरा देती है। बता दें, पिछले कुछ समय से अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर के एक-दूसरे को डेट करने की खबरें आ रही हैं। इस रूमर्ड कपल ने एक-दूसरे के लिए अपने प्यार को कबूल नहीं किया है, लेकिन दोनों को अक्सर साथ में देखा जाता है। दोनों के रिश्ते को हवा तब ज्यादा लगी जब लैक्मे फैशन वीक के ग्रैंड फिनाले में दोनों एक साथ नजर आए थे। बता दें, आदित्य से पहले अनन्या पांडे का नाम एक्टर ईशान खट्टर के साथ जुड़ा था। दोनों करीब तीन साल से एक-दूजे को डेट किया था। दोनों की बॉन्डिंग फिल्म खाली पीली के सेट पर हुई थी। इसके बाद जब दोनों मालदीव में साथ वेकेशन के लिए गए, तब फैन्स ने इनके रिलेशनशिप के कयास लगाने शुरू कर दिए थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो अनन्या पांडे *ड्रीम गर्ल 2* और फिल्म *खो गए हम कहां* में नजर आएंगी। तो वहीं आदित्य रॉय कपूर की फिल्म *गुमराह* हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर नजर आ रही हैं।

हिमाचल की खूबसूरत वादियों में बना रहे हैं यदि घूमने का प्लान, तो इस अद्भुत जगह की जरूर करें सैर

हिमाचल प्रदेश की खूबसूरती से तो सभी वाकिफ हैं। हिमाचल प्रदेश की गोद में कई अद्भुत, खूबसूरत और अनसुनी जगहें मौजूद हैं। यहां की खूबसूरती में पर्यटक आसानी से खो जाते हैं। हिमाचल प्रदेश की यह जगहें भारतीय सैलानियों को जन्नत का एहसास कराते हैं। इसीलिए हर साल हिमाचल की हसीन पहाड़ों में देश और विदेश के पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ ऐसी ही जगह के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर घूमने के बाद आपका मन तृप्त हो उठेगा। हिमाचल की हसीन वादियों में एक ऐसी जगह मौजूद है जो कांगड़ा से भी अधिक मनमोहक है। जोगिंदर नगर में घूमने के लिहाज से बेहतरीन और मनमोहक जगह है। इस शहर में जोगिंदर वैली की खूबसूरती देख आप हैरान रह जाएंगे। छोटे-बड़े पहाड़ों के बीच से नदी बहती रहती है। इसके अलावा आपको यहां पर साइड-साइड पर घने जंगल और ऊंचे-ऊंचे पहाड़ देखने को मिलेंगे। इसके साथ ही देवदार के पेड़ इस जगह की खूबसूरती को और बढ़ाने का काम करती है। एडवेंचर प्रेमियों के लिए भी यह जगह बेस्ट है। यहां पर आप ट्रैकिंग के साथ ही खूबसूरत नजारों को देख कर आनंदित हो उठेंगे। नदी के किनारे का सूर्योदय और सूर्यास्त का नाजार देखने लायक होता है। बता दें कि यह जगह गर्मियों में आने के लिए बेस्ट है। भीषण गर्मी में भी यहां का टेंपरेचर काफी कम रहता है।

मछियाल झील

जोगिंदर नगर में आप मछियाल झील का भी लुत्फ उठा सकते हैं। मछियाल झील यहां की महत्वपूर्ण झील है। यह झील लोगों की आस्था का प्रतीक है। कहा जाता है कि यह झील मछलियों के देवता मछिंद्रनाथ को समर्पित है। इस झील के पास भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार का मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। इस मंदिर की अपनी मान्यता है। इस मंदिर और झील को देखने के लिए यहां पर दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। इस झील और मंदिर के पास बैसाखी के दिन तीन दिनों का मेला भी लगता है।

डीयर पार्क इंस्टीट्यूट

अगर आप भी हसीन मौसम के बीच खूबसूरत पार्क घूमने का मजा लेना चाहते हैं तो जोगिंदर नगर में मौजूद डीयर पार्क इंस्टीट्यूट बेस्ट ऑप्शन है। पहाड़ी की चोटी पर होने के कारण यह पार्क यहां रहने वाले लोगों के बीच काफी फेमस है।

असम सरकार
पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के दिवंगत संविदा
कर्मचारी के निकटतम परिजनों को
एकमुश्त राहत प्रदान कार्यक्रम

समय : सुबह 10.30 बजे
दिनांक : 12 अप्रैल, 2023
स्थान : श्रीश्रीमाधवदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार
श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, पंजाबाड़ी, गुवाहाटी

- ड्यूटी के दौरान मृत्यु हुए उन संविदा कर्मचारियों के योगदान को कृतज्ञता के साथ याद कर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की एक हार्दिक पहल।
- इस पहल के तहत पहले चरण में विभाग के 61 दिवंगत संविदा कर्मचारियों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की एकमुश्त सहायता दी जाएगी।

-- Janasanyog /DF/55/ 23

पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, असम सरकार द्वारा प्रचारित

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**